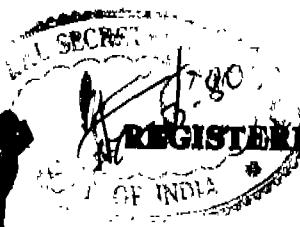


NO - 11 - M

रजिस्ट्री नं० ३०—(डी) —73



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ९ नई दिल्ली, शनिवार, मार्च १, १९८० (फाल्गुन ११, १९०१)
No. 9] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 1, 1980 (PHALGUNA 11, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंवालय
(का० एवं प्र० सु० विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1980

सं० ए-19036/1/80-प्रशा०-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से निम्नलिखित पुलिस निरीक्षकों को ग्राम सारदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुनिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं :—

नाम	नियुक्ति की तिथि
१. श्री नारायण ज्ञा	१७-१२-७९ (पूर्वाह्न)
२. श्री एम० यंगादेलू	१६-१-८० (पूर्वाह्न)

की० ला० ओबर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 फरवरी 1980

सं० 11/116/79-प्रशा०-I-4379—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री हरीश अनन्द जोशी को उत्तर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निवेशालय में तारीख 19 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से ग्राम सारदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निवेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री जोशी का मुख्यालय देहरादून में होगा।

सं० 7/3/79-प्रशा०-I-4380—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में निम्नलिखित अधिकारियों को तारीख 3 दिसम्बर, 1977 से सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर स्थायी तौर पर सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

१. श्री एम० पी० राष,
२. श्री भी० के० मराठा,
३. श्री वी० वी० राष।

सं० 11/116/79-प्रशा०-I-4381—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री रामशरण वर्मा को उत्तर

प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 28 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री वर्मा का मुख्यालय इलाहाबाद में होगा।

पी० पद्माभ,
भारत के महापंजीकार

प्रतिभूति कागज कारबाना

होशंगाबाद, दिनांक 6 फरवरी 1980

सं० 7(36)/11058—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक 7(36)/9509 दिनांक 14-12-79 के तारतम्य में श्री एस० टी० सिरसट को मार्च, 1980 के अन्त तक अधिकारी पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो

के लाए आगे शमन आधिकारा के पद पर स्थानापन्न रूप से तदथ आधार पर कार्य करने की अनुमति दी जाती है।

श० रा० पाठक
महाप्रबन्धक

सरकारी व्यय आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1980

सं० 1(4)-ए/सी० पी० ई०/79—वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग से स्थानान्तरण होने पर श्री ए० एन० वधवा, योजना आयोग के अन्वेषक ग्रेड-1 को, जो उक्त मंत्रालय में प्रतिनियुक्ति पर थे, सरकारी व्यय आयोग में सामान्य प्रतिनियुक्ति पर 700-1300 रु० के बेतनमान में 11 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

जगद्वाय कौल,
प्रबंध सचिव

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 फरवरी 1980

सं० 278 वा० ले० प० 1/123-79—अपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) नीचे कालम 3 में लिखित कार्यालयों के निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) जो वर्तमान में नीचे कालम 4 में लिखित संगठनों में आम सेवा पर प्रतिनियक्षित पर हैं, को 'एतत् निम्न नियम' के अन्तर्गत स्थानापन्न रूप से लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में आगे आदेश दिए जाने तक नीचे कालम 5 में लिखित तारीख से नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	किस कार्यालय का है	कार्यालय जहां प्रति नियुक्ति पर कार्य	प्रवोक्षति की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री सी० वी० मेनन	स० ले० प० बोर्ड एवं प० नि० वा० केरल पर्यटन विकास निगम लिमिटेड ले० प० (कोयला) कलकत्ता।	केरल पर्यटन विकास निगम लिमिटेड लिवेन्डम।	14-9-79
2.	श्री जान वर्गीज	स० ले० प० बोर्ड एवं प० नि० वा० तमिलनाडु प्रौद्योगिक विकास निगम ले० प० मद्रास।	तमिलनाडु प्रौद्योगिक विकास निगम लिमिटेड मद्रास।	14-9-79
3.	श्री मसाधर मुखर्जी	महालेखाकार-II, पश्चिम बंगाल, इलैक्ट्रोनिक्स कार्पोरेशन आफ इंडिया कलकत्ता।	पश्चिम बंगाल, इलैक्ट्रोनिक्स कार्पोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड हैदराबाद।	16-10-79
4.	श्री जे० एल० कालरा	स० ले० प० बोर्ड एवं प० देन नि० वा० दिल्ली नगर निगम दिल्ली ले० प० नई दिल्ली।	दिल्ली नगर निगम दिल्ली कनटिक एप्रो-इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन लिमिटेड बंगलौर।	16-10-79
Div/ श्री एस० शेकर Acc. No. 3 OCT 1980 Date		महालेखाकार, कनाटक, बंगलौर	कनाटक एप्रो-इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन लिमिटेड बंगलौर।	17-10-79

एस० एस० ग्रोवर, उपनिदेशक (वा०)

निदेशक लेखा परीक्षक का कार्यालय, मध्य रेलवे

बम्बई-1, दिनांक 2 फरवरी 1980

सं० ए० यू०/अडॅमन/मिस/कॉन-785—श्री सी० एन० भट्ट स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी, दिनांक 31-1-1980 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

श्रीमती र० हर्षणा शुद्धि
निदेशक लेखा परीक्षक

रा० हरिहर
गरिल उप महालेखाकार (प्र०)

सं० प्रशा० I/8-132/79-80/350—श्री जी० रामराजू लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय आधि प्रदेश II सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-1-80 अपराह्न।

रक्षा लेखा विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1980

सं. 40011(2)/79/प्रशां—II-1. निम्नलिखित लेखा अधिकारी, अपनी सेवा निवृत्ति आयु प्राप्त कर लेने पर, प्रत्येक के समक्ष लिखी तारीख के अपराह्न से, पेशन स्थापना को अन्तरित कर दिए गए थे :—

क्रम सं.	नाम रोटर संख्या सहित	पेशन स्थापना को अन्तरित होने की तारीख	संगठन	
1	2	3	4	5
सर्व/श्री				
1. रोशन लाल पुरी (ओ/239)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-79	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान, मेरठ।	
2. देश राज भाटिया (पी/464)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-79	—उक्त—	
3. के० ए० शंकरन (पी/270)	—उक्त—	30-11-79	—उक्त—	
4. राम लाल मदान (पी/465)	—उक्त—	30-11-79	—उक्त—	
5. डी० एन० खुराना (पी/461)	—उक्त—	30-11-79	—उक्त—	
6. हरि कृष्ण लाल मलिक (पी/242)	—उक्त—	30-11-79	—उक्त—	
7. विश्वानंद नाथ शर्मा (पी/165)	—उक्त—	31-12-79	—उक्त—	
8. सी० मुश्तुरामलिंगम (पी/78)	—उक्त—	30-9-79	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता।	
9. एन० सी० भट्टाचार्यजी (ओ/133)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना।	
10. एम० पी० पद्मनाभापिल्लई (पी/ 559)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अक्सर) पुणे।	
11. एस० एम० लक्ष्मीकर (पी/4)	—उक्त—	31-10-79	—उक्त—	
12. सतवंत सिंह (पी/76)	—उक्त—	31-10-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून।	
13. मुकन्त चन्द जोशी (पी/266)	—उक्त—	31-10-79	—उक्त—	
14. ओम प्रकाश शर्मा (पी/26)	—उक्त—	31-10-79	—उक्त—	
15. कुलबन्त सिंह (पी/565)	—उक्त—	31-10-79	—उक्त—	
16. चमन लाल पाल (पी/106)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-79	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता।	
17. यशपाल मेहता (पी/65)	—उक्त—	31-10-79	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (निधि) मेरठ।	
18. रघुनाथ सहाय शर्मा (पी/570)	—उक्त—	31-10-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर मेरठ।	
19. मोहन्दर सिंह (ओ/342)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-79	—उक्त—	
20. गुरचरन सिंह आहूजा (पी/359)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-79	—उक्त—	
21. जी० के० रामानन्द (पी/257)	—उक्त—	31-10-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास।	
22. आर० अनन्धारमन (ओ/171)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई।	
23. डी० ए० रामाकृष्ण (पी/566)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-79	—उक्त—	
24. पिशौरी लाल आनन्द (पी/153)	—उक्त—	31-10-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ।	
25. बी० एल० सेठी (ओ/102)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-79	—उक्त—	
26. मदन लाल ककड़ (पी/563)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-79	—उक्त—	
27. चन्द्र भूषण (पी/25)	—उक्त—	30-11-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून।	

1	2	3	4	5
28.	ओम प्रकाश सरीन (ओ/44)	. स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-11-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ ।
29.	बी० बारदाराज़ (पी/126)	. स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (दक्षिणी कमान) पुणे ।
30.	एम० जी० रामांडे (ओ/168)	. स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-11-79	—उक्त—
31.	सरदारी लाल सेठी (पी/280)	. स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) मेरठ ।
32.	बी० पी० गुप्ता (ओ/251)	. स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-11-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ ।
33.	मदन लाल शर्मा (पी/596)	. स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-79	—उक्त—
34.	एम० रामाकृष्णन (पी/27)	. —उक्त—	30-11-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास ।
35.	यू० एस० घोष (पी/167)	. स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना ।
36.	वजीर अन्द (पी/454)	. —उक्त—	30-11-79	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता ।
37.	ई० भानुश्री (पी/552)	. —उक्त—	31-12-79	—उक्त—
38.	एन० शिवशंकरन (पी/419)	. —उक्त—	31-12-79	—उक्त—
39.	सरदारी लाल आहूजा (ओ/84)	. स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-12-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ ।
40.	जसवन्त राय मल्होत्रा (पी/425)	. स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-79	—उक्त—
41.	आर० बाला जी (पी/174)	. —उक्त—	31-12-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिण कमान, पुणे ।
42.	ए० एम० बालासुआमनियन (पी/64)	. —उक्त—	31-12-79	—उक्त—
43.	चिरंजी लाल गप्ता (पी/484)	. —उक्त—	31-12-79	—उक्त—
44.	एस० सी० भट्टाचार्यजी (पी/307)	. —उक्त—	31-12-79	रक्षा लेखा नियंत्रक पटना ।
45.	गोर्धन दास (पी/243)	. —उक्त—	31-12-79	—उक्त—
46.	एच० कृष्णमूर्ति (ओ/135)	. स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-12-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक), दक्षिण, मद्रास ।
47.	पी० सत्यनारायण राव (पी/544)	. स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-79	—उक्त—
48.	के० एस० रामाचन्द्रन (पी/181)	. —उक्त—	31-12-79	—उक्त—
49.	बी० ए० नरायनस्वामी (ओ/11)	. स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-12-79	—उक्त—
50.	एस० रत्ना सवनाथी (ओ/71)	. —उक्त—	31-12-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर), पुणे ।
51.	के० आर० के० नाईडू (ओ/282)	. —उक्त—	31-12-79	—उक्त—
52.	एच० के० कपूर (ओ/श्री आबंटित नहीं, ए/642)	. —उक्त—	30-11-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान), मेरठ ।
53.	भागवत प्रसाद शर्मा (पी/526)	. स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-79	—उक्त—
54.	ओम प्रकाश बूचर (पी/79)	. —उक्त—	31-12-79	—उक्त—
55.	आर० पी० भारद्वाज (पी/531)	. स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद ।
56.	हरनाम दास दुप्रा (पी/130)	. —उक्त—	30-11-79	—उक्त—
57.	एस० एन० घोष (ओ/148)	. स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-11-79	—उक्त—
58.	एन० जे० दातार (ओ/श्री आबंटित नहीं, ए/786)	. —उक्त—	30-11-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक), दक्षिण, मद्रास ।

1	2	3	4	5
सर्वे/श्री				
59. ए० जी० कैमल (पी/453)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-79 (स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति)।	—उक्त—	

60. एस० पी० पाठक (पी/341) —उक्त—

31-12-79 लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री), कलकत्ता।

के० पी० राव,
रक्ता लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1980

सं० डी० (22) प्रशासन-II—मुद्रण निदेशक ने श्री ए० एम० दोमाज ओवरसियर को भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद में सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) के पद पर स्थानापन्न रूप में 19 जुलाई 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक नियुक्त किया है।

सी० (3) प्रशासन-II—मुद्रण निदेशक ने श्री बी० एस० पार्थमार्थी, ओवरसियर को भारत सरकार मुद्रणालय, (फार्म एक्क) संकागारी (हावड़ा) में सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) के पद पर स्थानापन्न रूप में 14 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक नियुक्त किया है।

प्रजेन्द्र नाथ मुखर्जी
महायक निदेशक प्रशासन

रेखा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा
आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-16, दिनांक 7 फरवरी 1980

सं० 4/80/जी०—दार्धक्षय निवृत्ति आयु (58 वर्ष)
प्राप्त कर, श्री टी० आर० दत्त, स्थानापन्न स्टाफ अफसर
(मौलिक एवं स्थायी ए० एस० ओ०) दिनांक 31 दिसम्बर,
1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक

उद्योग मंत्रालय

(प्रौद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 फरवरी 1980

सं० 12/550/67-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली के डा० टी० एन० जैतसी, उप निदेशक (नियर्त संवर्द्धन) को दिनांक 21 जनवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, इसी कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-2 (नियर्त संवर्द्धन) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018/55/73-प्रशा० (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय के श्री एस० पी० सोंधी उप निदेशक (खाद्य) को दिनांक 23 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से 30 जून, 1979 तक, लघु उद्योग विकास संगठन में तदर्थ आधार पर निदेशक ग्रेड-2 (खाद्य) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018(448)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, अहमदाबाद के स्थाई लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (आर्थिक अन्वेषण एवं सांख्यिकी)---श्री डम्बु० ए० शम्बाकर को दिनांक 1 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, उसी संस्थान में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (आर्थिक अन्वेषण डाटा बैंक) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018(453)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक के स्थाई लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (आर्थिक अन्वेषण एवं सांख्यिकी) श्री डंडा पापा राव को दिनांक 28 दिसम्बर, 1979 (प्रपराह्न) से अगले आदेशों तक, उसी संस्थान में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (आर्थिक अन्वेषण/डाटा बैंक) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018(451)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, रांची के स्थाई लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (आर्थिक अन्वेषण/एवं सांख्यिकी)---श्री टी० एन० सिह को दिनांक 20 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, शाक्का लघु उद्योग सेवा संस्थान, सिल्चर में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (आर्थिक अन्वेषण/डाटा बैंक) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 फरवरी 1980

सं० ए-19018/461/79-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, श्री आर० एम० गेडम को दिनांक 18 जनवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, थेवीय परीक्षण केन्द्र, मद्रास में उप-निदेशक (धातु कर्म) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक ८ फरवरी १९८०

सं० ए-१९०१८/(३९५)/७९-प्रशासन (राजपत्रित) — राष्ट्रपतिजी, श्री बी० पी० मैती को दिनांक ३ जनवरी, १९८० (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, औद्योगिक विस्तार केन्द्र कल्याणी में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (प्राक्तिक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए-१९०१८ (४३०)/७९-प्रशासन (राजपत्रित) — राष्ट्रपतिजी, श्री राष्ट्रपत्रियम को दिनांक ९ जनवरी, १९८० (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बार्षिक के अधीन विस्तार केन्द्र, कोल्हापुर में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (धारु कर्म) के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त,
उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-१)

नई दिल्ली, दिनांक २९ जनवरी १९८०

सं० प्र० १/१(११५०)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशालय कलकत्ता में अधीक्षक श्री के० सी० मैत्रा को दिनांक ११-१-८० के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कलकत्ता के कार्यालय में श्री आर० पी० भट्टाचार्य जो ३१-१२-७९ से सेवा निवृत्त हो गए हैं, के स्थान पर सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक ८ फरवरी १९८०

सं० प्र० १/१(७९)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थायी उप निदेशक (पूर्ति) (ग्रेड I) और स्थानापन्न पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड I) श्री एम० सिंह, निवर्तनमान आयु (५८ वर्ष) होने पर दिनांक ३१-१-८० के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

कृष्ण किशोर,
उप-निदेशक (प्रशासन)

कृते उप-महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक ७ फरवरी १९८०

सं० प्र० १/२(११४८)/८०—राष्ट्रपति हंजीनियरी सेवा परीक्षा १९७८ के परिणाम के आधार पर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री अशोक कुमार महापात्र दिनांक २४-१-८० के पूर्वाह्न से सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (प्रशिक्षण आरक्षी) भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड-III के रूप में नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर,
उप-महानिदेशक

सं० प्र० १/१(६२२)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थायी अवर अधीक्षक अधिकारी और स्थानापन्न सहायक निदेशक (पूर्ति) (ग्रेड I) श्री एम० बेंगोपाल निवर्तनमान आयु (५८ वर्ष) होने पर दिनांक ३१-१-८० के आधार से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

(प्रशासन अनुभाग-६)

सं० ए०-१७०११(१७१)८० प्र० ६—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान इस महानिदेशालय के अधीन जमशेदपुर निरी-क्षणालय में भंडार परीक्षक (धारु) श्री एम० एम० जैन को दिनांक ४-१२-७९ के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों एक उसी निरीक्षणालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (धारु) के रूप में नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता ७०००१६, दिनांक ३० जनवरी १९८०

सं० ८९०बी/ए ३२०१३ (प्रशा० अधि०)/७८-१९५—निम्नलिखित अधिकारियों की प्रशासनिक अधिकारी (पहले महायक प्रशासनिक अधिकारी) के पदों पर तदर्थ नियुक्ति को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से नियमित किया जा रहा है :—

नाम	नियमित करने की तिथि
१. श्री एस० एन० औधुरी	२१-१०-७८
२. श्री ए० के० चट्टर्ज	२१-१०-७८
३. श्री जग जीवन चक्रवर्ती	२१-१०-७८
४. श्री एम० एस० नरसिंहन	२१-१०-७८
५. श्री एस० पी० मलिक	२१-१०-७८
६. श्री एस० आर० घोष	२१-१०-७८
७. श्री एम० एम० दास	२१-१०-७८
८. श्री एस० के० महत्त	२१-१०-७८
९. श्री के० सिन्हा राय	२१-१०-७८
१०. श्री ए० के० गुप्ता	२१-१०-७८
११. श्री डी० पी० माझती	२१-१०-७८
१२. श्री ए० आर० विश्वास	२१-१०-७८
१३. श्री के० रंगचारी	४-१२-७८

दिनांक ७ फरवरी १९८०

सं० ११७६ बी/ए-१९०१२ (पुस्तकाध्यक्ष टी० के० आर०)/७९-१९५—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ सहायक पुस्तकाध्यक्ष श्री टी० कामेश्वर राव को पुस्तकाध्यक्ष के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो० ३५-८८०-४०-१०००-८० रो० ४०-१२०० रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक २३ नवम्बर, १९७९ के अपराह्न से पवान्नति परनियुक्त किया जा रहा है।

वी० एस० कृष्णस्वामी,
महानिदेशक

भारतीय खान व्यूरो
नागपुर, दिनांक 4 फरवरी 1980

सं. प०-19012/110/79-स्था० प०—विभागीय पदोन्नति
मिति की सिक्कारित पर श्री बी० ए० डॉगरे सहायक
पुस्तकाध्यक्ष को उप पुस्तकाध्यक्ष के पद पर भारतीय खान व्यूरो

में दिनांक 22 मवड्हर, 1978 के अपराह्न से आगामी आदेश
तक महर्वं नियुक्ति प्रदान की गई है।

ए० बालागोपाल,
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान व्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 30 जनवरी 1980

सं. गो-5593/718-ए—निम्नलिखित अधिकारी, जिन्हें भारतीय सर्वेक्षण विभाग में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (ग्रुप 'बी' पद) के पद पर उनके नाम के सामने दी गई तारीख से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया था, उन्हें 17 जनवरी, 1980 से नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है :—

नाम एवं पदनाम	तदर्थ आधार पर स्थापना एवं लेखा अधिकारी के पद पर पदोन्नत होने की तारीख एवं अधिसूचना सं०	कार्यालय जिसमें नियुक्त किए गए
(1)	(2)	(3)
1. श्री य० ए० श्रीवास्तव, अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय	4-1-79 (पूर्वाह्न) (अधिसूचना सं० गो-5495/718-ए दि० 7-5-79)	महासर्वेक्षक का कार्यालय, देहरादून।
2. श्री अमर सिंह रावत, अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय	13-6-77 (पूर्वाह्न) (अधिसूचना सं० गो-5239/718-ए दि० 28-6-77)	दक्षिण मध्य सर्किल कार्यालय, हैदराबाद।
3. श्री एल० पी० कुललिया, अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय	13-7-77 (पूर्वाह्न) (अधिसूचना सं० गो-5257/718-ए दि० 16-8-77)	मानचित्र प्रकाशन कार्यालय, देहरादून।
4. श्री ओ० एन० कपूर, अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय (स्थाना०)	30-11-79 (अपराह्न) (अधिसूचना सं० गो-5578/718-ए दि० 10-12-79)	महासर्वेक्षक का कार्यालय, देहरादून।
5. श्री के० बी० कुण्डामूर्धि, कार्यालय अधीक्षक, (स० प्र० एवं मा० उ० के०) (स्थाना०) (वेतनमात्र रु० 700-30- 760-35-900)	3-10-79 (पूर्वाह्न) (अधिसूचना सं० गो-5589/718-ए दि० 7-1-80)	सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद।
6. श्री पी० सी० जैन, अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय	15-7-77 (पूर्वाह्न) (अधिसूचना सं० गो-5257/718-ए दि० 16-8-77)	दक्षिण पूर्वी सर्किल कार्यालय, भुवनेश्वर।
7. श्री एम० डॉ० ड्वराल, अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय	14-6-77 (पूर्वाह्न) (अधिसूचना सं० गो-5239/718-ए दि० 28-6-77)	पूर्वी सर्किल कार्यालय, शिलांग।
8. श्री सक्षी चन्द्रा, अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय (स्थाना०)	3-9-79 (पूर्वाह्न) (अधिसूचना सं० गो-5557/718-ए दि० 5-10-79)	पश्चिमी सर्किल कार्यालय, जयपुर।
9. श्री गणेश लाल, अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय (स्थाना०)	2-1-78 (पूर्वाह्न) (अधिसूचना सं० गो-5334/718-ए दि० 20-1-78)	दक्षिणी सर्किल कार्यालय, बैंगलर

1	2	3
10. श्री मनोहर लाल अधीक्षक, महासचेतक का कार्यालय (स्थानां०)	30-11-78 (पूर्वाह्नि) (अधिसूचना सं० गो-5451/718-ए दि० 21-12-78)	प्राक मानचित्र उत्पादन संयंत्र, हैदराबाद ।
11. श्री जगत किशोर शर्मा, अधीक्षक, महासचेतक का कार्यालय (स्थानां०)	12-3-79 (पूर्वाह्नि) (अधिसूचना सं० गो-5483/718-ए दि० 23-4-79)	परिचमी सर्किल कार्यालय, अंडीगढ़ ।
12. श्री वाँ खुमा, कार्यालय अधीक्षक, (स० प्र० एवं मा० उ० के०) (स्थानां०) (वेतनमान रु० 700-30-760- 35-900)	1-7-7 (पूर्वाह्नि) 8 (अधिसूचना सं० गो-5431/718-ए दि० 8-11-78)	सचेतन प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद ।
13. श्री जे० पी० शर्मा अधीक्षक, महासचेतक का कार्यालय (स्थानां०)	3-10-79 (पूर्वाह्नि) (अधिसूचना सं० गो-5570/718-ए दि० 29-10-79)	मध्य सर्किल कार्यालय, जबलपुर ।
14. श्री राम लाल, अधीक्षक, महासचेतक का कार्यालय (स्थानां०)	25-6-79 (पूर्वाह्नि) (अधिसूचना सं० गो-5538/718-ए दि० 18-8-79)	पूर्वी सर्किल कार्यालय, कलिकाता ।

के० एल० खोसला,
भारत के महासचेतक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1980

सं० एफ० 11-24/79-ए-I—अभिलेख निदेशक, भारत सरकार एवं द्वारा श्री वी० एल० राजदान स्थायी सहायक कैमिस्ट ग्रेड 1 को 16 जनवरी, 1980 (पूर्वाह्नि) से श्रागामी अधिकारी तक बिल्कुल तर्वर्षा आधार पर स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी (श्रेणी 2 राजपत्रित) नियुक्त करते हैं।

यह तदर्थ नियुक्ति नियमित नियुक्ति के लिए दावे का कोई भी अधिकार नहीं देगी और अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति की अर्हता के हेतु वरिष्ठता संबंधी उद्देश्य के लिए भी नहीं गिनी जाएगी।

उनका वेतन वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में नियुक्त किए जाने पर रु० 960. 00 प्रति माह, नियम 22 सी के अधीन वेतन-मान रु० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-40-1200 पर निश्चित किया गया है।

भीम सैन कालड
प्रशासन अधिकारी
राष्ट्रीय अभिलेखागार
कृते अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1980

सं० 10/23/79-एस-सीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री पी० के० लौडे को दिनांक 21-1-80 पूर्वाह्नि से अगले ग्राहेशों तक, आकाशवाणी, कटक में अस्थायी आधार पर सहायक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

एच० के० विष्वास
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

मूचना और प्रसारण मत्तालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 2 फरवरी 1980

सं० ए०-20012/6/72-सिवन्दी-I—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली के सहायक समाचार

अधिकारी, श्री एस० बी० कांबले को दिनांक 6-12-1979 के पूर्वाह्न से समान कार्यालय में छात्राग्राहक के पद पर नियुक्त किया है।

नरेन्द्र नाथ शर्मा
सहायक प्रशासकीय अधिकारी
छते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1980

सं० ६-२०/७८-डी०सी० (भाग) — राष्ट्रपति ने श्री सरोज कान्ति दास को 10 जनवरी, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय औषधि प्रयोगशाला कलकत्ता में वायोकैमिस्ट के पद पर नियुक्त किया है।

संगत सिंह
उप निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1980

सं० ए० ३८०११/१/७९—ओषधि—सेवा निवृत्ति की आयु के हो जाने पर केन्द्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन, पश्चिम खण्ड, बम्बई के उप औषधि नियंत्रक (भारत) श्री बी० एल० नायक 31 दिसम्बर, 1979 अपराह्न को सरकारी सेवा से रिटायर हो गये हैं।

दिनांक 5 फरवरी 1980

सं० ए०-१९०१२/१०/७९/स्टोर-१—इस निवेशालय की दिनांक 19 अक्टूबर, 1979 की अधिसूचना संख्या ए० १-९०१२/

१०/७८-स्टोर-१ के क्रम में स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक ने श्री बी० आर० नाटेकर को 17 दिसम्बर, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, बम्बई में सहायक डिपो मैनेजर के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

सं० १९०१२/१७/७९-स्टोर-१—स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक ने श्री आर० राजाराम, कार्यालय अधीक्षक को 10 जनवरी, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक छः महीने की अवधि के लिए सरकारी चिकित्सा भण्डार, बम्बई में सहायक डिपो मैनेजर के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 8 फरवरी 1980

सं० ए० १९०१२/१६/७९-भण्डार-१—स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक ने श्री सी० बी० जोशी कार्यालय अधीक्षक को 29 दिसम्बर, 1979 पूर्वाह्न से छः महीने की अवधि के लिये सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, बम्बई में सहायक डिपो मैनेजर के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शिव बयाल

उपनिवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी 1980

सं० ए०-१९०१९/२१/७९-के० स० स्वा०यो०-१—स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक ने डा० के० सेथूमाधवन को 17 दिसम्बर, 1979 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, में आयुर्वेदिक जिक्रिस्क के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

एन० एन० घोष
उपनिवेशक प्रशासन

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 19 दिसम्बर 1979

सं० : ५/१/७९ स्थापना-११/४७१७—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, निम्नलिखित अधिकारियों को तदर्थ रूप से, उनके नाम के सामने प्रत्यक्षित तिथियों तक, स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं :—

क्रमांक	नाम तथा पदनाम	स्थानापन्न रूप में नियुक्ति	अवधि	
			से	तक
1.	श्री एल० बी० भावडे, सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	10-९-७९	9-11-७९ (अपराह्न)
2.	श्री ए० के० काढे, सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	19-९-७९	30-10-७९ (अपराह्न)
3.	श्री एस० आर० पिंगे, सलैक्षण ग्रेड लिपिक	सहायक कार्मिक अधिकारी	19-९-७९	30-10-७९ (अपराह्न)
4.	श्री बी० बी० करंदीकर, सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	2-11-७९	14-12-७९ (अपराह्न)
			9-10-७९	16-11-७९ (अपराह्न)

दिनांक 5 फरवरी 1980

सं० एस०/२७९६/धातु/स्था०-१/५००—अपर निवेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री बीनापिल्लिल केशवमेनन शशिधरन, स्थायी वैज्ञानिक सहायक 'बी' तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक २-४८६८१/७९

अधिकारी (एस० बी०) द्वारा इस अनुसंधान केन्द्र में प्रदत्त सेवाओं से द्वितीय तारीख को 24 दिसम्बर, 1979 अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

(कुमारी) एच० बी० विजयकर
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग
विद्युत प्रयोजना इंजीनियरिंग प्रभाग
बम्बई-5, दिनांक 2 फरवरी 1980

सं० पी० पी० ई० डी०/6(141)/72-प्रशासन/1391—केन्द्रीय सिविल सेवाओं के (अस्थायी सेवा) 1965 के नियमों के नियम 5 के उप नियम (1) के अनुसरण में, मैं इस प्रभाग के अस्थायी किसिनर श्री चन्द्र सन्ती बालभीकि को एतद्वारा यह सूचना देता हूँ कि इस अधिसूचना के प्रकाशन दिनांक से एक महीने की अवधि की समाप्ति पर उसकी सेवाएं समाप्त हो जाएंगी।

ब० वि० थत्ते
प्रशासन अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैवराबाद-500016, दिनांक 5 फरवरी 1980

स० प०ख०प्र०-1/12-/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री ए० सी० अनंती, सहायक सेक्षनाकार को उसी प्रभाग में श्री सी० बी० सम्पथ, सहायक सेक्षन अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है के स्थान पर 13 दिसंबर,

1979 के अपराह्न से लेकर 29 जनवरी 1980 के अपराह्न तक की अवधि के लिए पूर्णतया अस्थायी तौर पर सहायक सेक्षन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 7 फरवरी 1980

सं० भा पा०/स्था०/1-योमस-19/611—भारी पानी परियोजना के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री कोच्युपुंडोडल थोमस, भारी परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी अवैर श्रेणी लिपिक तथा, भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) में स्थानापन्थ वर्त्य श्रेणी लिपिक को उसी कार्यालय में दिसम्बर 26, 1979 (पूर्वाल्प) से जनवरी 25, 1980 (अपराह्न) तक के लिए श्रीमती को० पी० कल्याणी छुट्टी, सहायक कार्मिक अधिकारी, जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर अस्थायी तौर पर, तर्वर्थ आधार पर स्थानापन्थ सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क० शंकरभारायण
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

मई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० ए-32013/8/79-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 1-8-79, 15-9-79, 31-10-79 और 7-12-79 की अधिसूचना सं० ए-32013/8/79-ई० सी० के ऋम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित वस अधिकारियों की तकनीकी अधिकारियों के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति की अवधि प्रत्येक के नाम के सामने दी गई लारीख से 31-5-1980 तक अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हों, बढ़ा दी है :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	स्वीकृत तर्वर्थ नियुक्ति की अवधि
1. श्री के० रंगचारी	.	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	6-1-80 से आगे और 31-5-80 तक ।
2. श्री एम० एल० धर	.	नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार छिपो, मई दिल्ली	28-12-79 से आगे और 31-5-80 तक ।
3. श्री एस० डी० बन्सल	.	वैमानिक संचार स्टेशन, मई दिल्ली	29-12-79 से आगे और 31-5-80 तक ।
4. श्री डी० एस० गिल	.	नियंत्रक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली ।	2-2-80 से आगे और 31-5-80 तक ।
5. श्री एस० पी० साहनी	.	—बही—	1-2-80 से आगे और 31-5-80 तक ।
6. श्री धी० सुश्ममण्णन	.	वैमानिक संचार स्टेशन, नागपुर	9-2-80 से आगे और 31-5-80 तक ।
7. श्री एस० के० दाम	.	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	28-2-80 से आगे और 31-5-80 तक ।
8. श्री एच० एस० गाहसी	.	वैमानिक संचार स्टेशन, लखनऊ	9-3-80 से आगे और 31-5-80 तक ।
9. श्री एच० एस० सी० राव	.	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	18-3-80 से आगे और 31-5-80 तक ।
10. श्री के० एस० नरणस्वामी	.	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	29-4-80 से आगे और 31-5-80 तक ।

श्राव० एन० वास ,
सहायक निदेशक, प्रशासन
कृति निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1980

सं० ए० 32013/7/79-ई०एस०—राष्ट्रपति जी निम्नलिखित सात अधिकारियों को 25 जनवरी, 1980 से अस्य आदेश होने तक नियमित आगर पर विमान निरीक्षक के ग्रेड में नियुक्त करते हैं।

1. श्री अनुपम बागची ।
2. श्री एस० मजुमदार ।

सं० ए० 38013/1/79-ई० सी०—वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित दो अधिकारियों ने निवृत्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत होने पर अपने पद का कार्यभार 31-12-79 (अपराह्न) से त्याग दिया है :—

क्रम सं०	नाम और पदनाम	स्थेशन	सेवा निवृत होने की तारीख
1.	श्री के० के० नारायण, वरिष्ठ संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्थेशन, कलकत्ता	31-12-1979 (अपराह्न)
2.	श्री जे० एच० लास, संचार अधिकारी	भौतीय निदेशक सफदरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली	31-12-1979 (अपराह्न)

आर० एन० दास, सहायक निवेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1980

सं० 1/14/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिवेशक एतद्वारा मुख्यालय, बम्बई के अधीक्षक, श्री ही० कु० खेमाणी को 20 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से और प्रागामी आवेशों तक नियमित आधार पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/167/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिवेशक एतद्वारा श्री पी० वी० विजयकुमार को 23 नवंबर, 1979 के पूर्वाह्न से और प्रागामी आवेशों तक विसंगे की नई दिल्ली शाखा में अस्थायी रूप से सहायक अधियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/168/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिवेशक एतद्वारा श्री तेजेन्द्र सिंह गंधीर को 19 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से और प्रगामी आवेशों तक स्विचन समूह, बम्बई में अस्थायी रूप से सहायक अधियंता के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 1/213/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिवेशक एतद्वारा मुख्य कार्यालय, बम्बई के स्थायी सहायक प्रशासन अधिकारी, श्री ए० डीसेल्स को 20 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से और प्रागामी आवेशों तक तदर्थे आधार पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/455/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिवेशक एतद्वारा वेहराहन शाखा के स्थानापन्न तकनीकी सहायक, श्री एस० डी० गर्ग को नियमित आधार पर 17 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से और प्रागामी आवेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न सहायक अधियंता नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नायर
निवेशक (प्रशा०)
कुते महानिवेशक

3. श्री एच० एम० फुल्ल ।
4. श्री एल० ए० महालिंगम ।
5. श्री डी० पी० घोष ।
6. श्री एल० एम० मायुर ।
7. श्री आर० एन० शास्त्री ।

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय
बम्बई-400020, दिनांक 7 जनवरी 1980

सं०-II/3-ई० (फ०) 2/77-भाग-I—निम्नलिखित कार्यालय अधीक्षकों ने प्रोफ्रेट पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तानिय बम्बई में प्रशासनिक अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह “ख” के रूप में उनके नामों के आगे अंकित तिथियों से कार्यभार सम्भाल लिया है।

क्रम सं०	नाम	कार्यालय संभालने की तिथि
1.	श्री पी० सी० जोशी, सहा० मुख्य लेखा अधिकारी	25-10-1978 पूर्वा०
2.	श्री वी० डी० नाडकर, सहा० मुख्य लेखा अधिकारी	25-10-1978 पूर्वा०
3.	श्री एम० ए० जेठम, प्रशासनिक अधिकारी	28-10-1978 पूर्वा०
4.	श्री आर० एस० देसाई, प्रशासनिक अधिकारी	2-3-1979 पूर्वा०
5.	श्री वी० एस० करन्डे प्रशासनिक अधिकारी	5-3-1979 पूर्वा०

सं०-II/3-ई० (फ०) 2/77-भाग—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, बम्बई के निम्नलिखित समूह “ख” के अधीक्षकों का उनके नामों के आगे अंकित तिथियों को वेहावसान हो गया है :—

क्रम सं०	नाम	वेहावसान की तिथि
1.	श्री पी० आर० कामत, अधीक्षक	7-9-1978
2.	श्री ए० वी० बोरकर, अधीक्षक	28-12-1978
3.	श्री जे० एन० मुरार, अधीक्षक	9-3-1979
4.	श्री डी० टी० मोरे, अधीक्षक	26-3-1979

ह० अपट्टीनीय
समाहर्ता,
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-I.

मर्मवा जल विवाद न्यायाधिकरण

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 फरवरी 1980

सं० 19/13/72-न० ज० वि० न्याया०—डॉ एम० आर० नोपड़ा ने जिन्हें अन्तर्राजीय जल विवाद अधिनियम 1956 (1956 का 33) के भाग 4(3) के अन्तर्गत नमंदा जल विवाद न्यायाधिकरण द्वारा पूर्ण-कालिक असेस्सर के रूप में नियुक्त किया गया था, न्यायाधिकरण का कार्य समाप्त होने पर 1 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से अपना कार्यभार त्याग दिया है।

न्यायाधिकरण के आदेश द्वारा।

सं० 19/34/76-न० ज० वि० न्याया०—श्री बलबन्त सिंह नाग ने जिन्हें अन्तर्राजीय जल विवाद अधिनियम 1956 (1956 का 33) के भाग 4(3) के अन्तर्गत नमंदा जल विवाद न्यायाधिकरण द्वारा पूर्ण-कालिक असेस्सर के रूप में नियुक्त किया गया था, न्यायाधिकरण का कार्य समाप्त होने पर 1 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से कार्यभार त्याग दिया है।

न्यायाधिकरण के आदेश द्वारा

प्रीति रंजन बोस
सचिव

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी शो के सहायक रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पांडियन पञ्चिकेश्वरस लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1980

सं० 7071/560/पी० {सी० V/79—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पांडियन पञ्चिकेश्वर लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय

कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
[मद्रास]

कम्पनी अधिनियम 1956 और हिमगिरी फार्मेंस एंड चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 5 फरवरी 1980

सं० जी०/स्टेट०/560/3146/1208—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हिमगिरी फार्मेंस एंड चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम,

इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और शाहजादा एंड जहजादा लकी स्कीमस (चिट फण्ड) प्राइवेट लिमिटेड
के विषय में

जालंधर, दिनांक 5 फरवरी 1980

सं० जी०/स्टेट०/560/2541/1210—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि शाहजादा एंड शहजादा लकी स्कीमस (चिट फण्ड) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है।

एन० एन० मौलिक
कम्पनी रजिस्ट्रार
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सोमू ड्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1980

सं० 4162/560(3)/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सोमू ड्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आर० रामस्वामी
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1980

सं० 3940/560(5)/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि आर० रामस्वामी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गयी है।

एच० बनर्जी;
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
मद्रास

चंडीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1980

सं० 1222—यस: युक्त इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय पटियाला में है, का परिसमाप्त किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास यह विश्वास करने का उचित कारण है कि कोई भी समाप्त कार्य महीं कर रहा है।

समापक और यह कि कम्पनी के कार्यकलाप का पूर्णतया परिसमापन हो गया है। समापक द्वारा दी जाने वाली अपेक्षित विवरणियाँ (विवरणियाँ XX थीं कमवर्ती मास का अवधि की नहीं दी गई हैं)।

अतः अब कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद-

द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास का अवधार होने पर जुक्सार हॉटस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शात न किये जाने पर रजिस्टर में से काट दिया जाएगा, और कम्पनी को विश्वित कर दिया जायेगा।

एन० एन० मौलिक
कम्पनी रजिस्ट्रार
चण्डीगढ़

प्रकृष्ट प्राईंटी० ई० एस०—

प्राप्तकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 22 जनवरी, 1980

निर्देश सं० प्राईंटी० ए० सी०/एक्यू/III/1-80/465—ग्रन्जन:
जी० सी० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सी०-107, है तथा जो एन० डी० एस० ई०
पार्ट-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 23-6-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथायौक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) प्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों), के दीज
ऐसे अन्तरण के तिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में दुई किसी घाग की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के
तिए घौरया

(क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
समकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा; के लिए;

अतः, धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरिन्दर लाल सहगल व विरेन्द्र कुमार सहगल
पुत्रगण श्री मक्खन लाल सहगल निवासी 4/28,
ठड्ठपू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री ओगिन्दर लाल टन्डन, मनोहर लाल टन्डन पुत्रगण
हंस राज टन्डन, श्रीमती शशि टन्डन पति कस्तुरी लाल
टन्डन, टन्डन ग्राम्स (हिं० अ० प०)
मोर्डन सिल्क इम्पोरियम (हिं० अ० प०), व
श्रीमती नीना टन्डन, पति बी० एल० टन्डन,
गंगाराम बिलिंग, अजमल खां रोड, करोल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
तिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
ताबोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोकृत्ताकारी के पास लिखित
में किए जा रक्खे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्यहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान नं० सी० 107, जो फीहोल्ड
प्लाट श्रेवकल 500 वर्ग गज पर बना है रिहायशी कालोनी
जो नई दिल्ली साउथ एक्टेनेन पार्ट-II के नाम से जानी
जाती है, गंगब जमलदपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

उत्तर :	सड़क
वक्षिण :	मकान नं० सी०-97
पूर्व :	मकान नं० सी०-108
पश्चिम :	मकान नं० सी०-106

जी० सी० अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रन्जन रेंज III, नई दिल्ली।

तारीख 22-1-80

मोहर :

प्रलेप प्राई० टी० एन० एप० —————

ग्रामसर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 फरवरी 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/6-79/5492—उक्त:
मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सहायक अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विवरा उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 10/64 है तथा जो कीर्तिनगर, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 26-6-1979

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के बाह्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अनुरूपित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके बाह्यमान प्रतिक्रिया से ऐसे बाह्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और उक्तरक्ष (अन्तररक्ष) और प्रस्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिक्रिया, निम्नलिखित चौहाय से उक्त प्रस्तरण निखित में वास्त-
विक रूप से स्थित नहीं हिला पाया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वापिसी में कमी
करने वा उसने बचने में गुणिता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बत या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः उक्त प्रविनियम की धारा 269-ए के अनु-
सारण में वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रोनक सिंह पुत्र स्वर्गीय निहाल सिंह
16, प्रिस कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. मैसर्स इंडिया काप्टस के द्वारा विनोद चौपड़ा पार्टनर
इस फर्म के रजिस्ट्रार आफिस, 2-ई/1 फँडेवालान
स्टेन्सन नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्बन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासंबंधी अस्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर अस्तियों
में से किसी अस्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित-
रण किसी अन्य अस्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकरी के
पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित है, वही पर्व होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 10/64 कीर्ति नगर इंडस्ट्रीयल एरिया नई
दिल्ली पर निर्मित फैक्ट्री।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II नई दिल्ली-110002

तारीख : 15-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 फरवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/6-79/5400—
 अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-3/6 है तथा जो राजीरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्रब, उक्त प्राप्तियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मांगे राम पुत्र श्री लीला राम निवासी 3593-94, मोरी गेट, दिल्ली । (अन्तरक)
2. श्रीमती कृष्णावत्ती धर्म पत्नी श्री कुन्दन लाल निवासी सी-3/6 राजीरी गार्डन, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एक मकान जिसका नं० सी-3/6 राजीरी गार्डन में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 142.5 वर्ग गज है।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-II, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4 फरवरी 1980

मोहर :

प्रह्लद प्राईंटी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 फरवरी 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य०/II/8-79/5722—अतः
मुझे, शार० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ
के प्रधीन संभाल प्राप्तिकानी को, यदि विवाद उत्तरे ता भारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी संख्या 19-ए है तथा जो अन्सारी रोड दिल्ली गंज
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के आवृत्त बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण
प्रतिक्रिया के लिए अनुरित को गई है और मुझे यह विवाद करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृष्टिकोण प्रतिक्रिया के लिए दृष्टिकोण के बढ़ाव
विवाद से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रभुरिती
(प्रभुरितियों) के बीच ऐसे प्रतिक्रिया के लिए तब पाया गया
प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) प्रतिक्रिया के दृढ़ विवादों और पर्याप्त कारणों के बीच उक्त
अधिनियम के अधीन वर्तने के अस्वरूप के
दायरे में कमी करने या उससे बचने वाले पूर्विका
के लिए। और

(ख) ऐसी किसी आप या किसी घन ग्रन्थ आस्तियां
को, जिन्हें प्रारंभीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ
यायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 57) के
प्रयोगनार्थ अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था,
या किया जाता चाहिए था, छिपाने से मुश्किले
निष्ठ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुयरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित ढाकियों, अर्थात् :—
6—476GI/79

1. श्री रवीन्द्रा कुमार गुप्ता, श्रीमती निर्मला गुप्ता एवं
मैसर्स श्याम लाल एण्ड सन्स (एच० य० एफ०)
निवासी 4/16-बी आमफ अली रोड, नई दिल्ली
(अम्तरक)

2. मैसर्स एस० चांद व कम्पनी लिमिटेड
राम नगर, नई दिल्ली।
(अम्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लालौपः—

(र) इस सूचना के राजावत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उक्त सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त धारा;

(व) इस सूचना के राजावत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोदृष्टाकारी के पास
तिकित में किए जा सकेंगे।

हप्टटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय में
दिया हुआ है।

अनुसूची

एक विलिंग जोकि प्लाट नं० 19-ए अन्सारी रोड
दिल्ली में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 1377.52
वर्ग गज है। जोकि अन्सारी रोड पर जिसका म्युनिसिपल नं०
4633 विहारिंग खसरा नं० 64 है।

शार० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली

तारीख : 4-2-1980

मोहर :

प्रश्न प्राई० टी० एन० एस०----

आयत्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

रायलिय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक रविवारी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०-एक्य०/II/6-79/5417—अतः
मूल्य, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के प्रधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 137 है तथा जो राजा गार्डन
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्ध प्रनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए प्रस्तुति को गई है और मूले यह विषयास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे रूपमान प्रतिकल के पक्षहृ
प्रति शब्द से पर्याप्त है और प्रस्तुत (अक्तरकों) और प्रस्तुतिरी
(प्रस्तुतियों) से बोध ऐसे प्रस्तुतण के लिए तथा पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुतण लिखित में बास्त-
विक रूप से रूपित नहीं किया गया है।—

(b) प्रस्तुतण में हुई किसी भाव को बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्राप्ति के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(c) ऐसी किसी भाव को किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थं प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के बनुतरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपनियास
(1) अधीन; निम्नलिखित अधिकारी, अवाद्:—

1. श्री मानक चन्द्र पुत्र श्री विश्वनाथ
निवासी बी-3/14 राजीरी गार्डन नई दिल्ली व
श्रीमती जनक रानी विश्वा धर्मपत्नी श्री मदन लाल
निवासी ए-43 राजीरी गार्डन, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. श्री सरदार जगमीत सिंह व श्री सरदार रवीन्द्र पालसिंह
पुत्र श्री सरदार चरनजीत सिंह निवासी 137 राजा
गार्डन, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी
में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
द्वितीय किसी अन्य अधिकता द्वारा, प्रबोहस्ताकारी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण] :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-ए में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

एक मकान नं० 137 राजा गार्डन में स्थित है। जिसका
क्षेत्रफल 224 वर्ग गज है, गांव का एरिया बसई दारापुर दिल्ली
स्टेट दिल्ली है।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राप्तिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-2-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

पर्यालक सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंटइल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 फरवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/6-79/5502—प्रतः:
मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका ऊवन बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ई-153 है तथा जो कमला नगर दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावन्द ग्रन्तमूली में और जो पूर्ण रूप से
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
तारीख जन 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1923
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पात्:—

1. श्रीमती ताराबती धर्म पत्नी स्वर्गीय बंशी लाल
वशंदरा निवासी 153-ई कमला नगर, दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सुदेश वर्मा धर्म पत्नी श्री प्रेम चन्द वर्मा
फारमरली निवासी 4/13 रूप नगर, दिल्ली अब
निवासी 93-ई कमला नगर, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभासित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० ई-153 कमला नगर दिल्ली में है, जिसका
क्षेत्रफल 166.7 वर्ग गज है।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-2-1980

मोदर :

प्रसूप माई० टी० एन० एस०————

आवकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्राप्तकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 फरवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/6-79/5464—प्रतः
मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आवकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० के-79 है, तथा जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथायौक्ति अप्पति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) भी अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतरणे लिखित में वर्णन करने की
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावजूद यह, प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; यीर/या

(क) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे, भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवतु :—

1. श्री अविनाश चन्द्र साहनी जनरल अटारनी श्री तिलकराज
भसीन पुत्र श्री हावेली राम के-90, कीर्ति नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मदन लाल खोसला, पुत्र श्री दीवान चन्द्र
निवासी के-79 कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसका नम्बर, के-79 कीर्ति नगर, में है
गांव का एरिया बसई दारापुर दिल्ली स्टेट दिल्ली, जिसका
क्षेत्रफल 150 वर्ग गज है।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक प्राप्तकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-2-80

मोहर :

प्र० प्र० प्र० आई० टी० ए० ए० ए० ०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जैन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 फरवरी 80

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०-II/6-79/5437—अतः
मूल्य, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी स० 15 ब्लाक ई है, तथा जो राजोरी गार्डन,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के निए अन्तरिक्ष को गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/ग

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्—

1. श्री धर्मरसिंह कुकरेजा, पुत्र श्री राजासिंह कुकरेजा
निवासी जनता साईक स्टोर, स्टेशन रोड, पटना।
(अन्तरक)
2. मसर्ज, गुरुबक्ष सिंह राम चन्द एण्ड कम्पनी प्रा० लि०
8/86, रमेश नगर, नई दिल्ली
गुरुबक्ष सिंह एण्ड रामचन्द के द्वारा
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवौद्धस्ताशरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सटोहरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर इर्स रा, जो उक्त प्रधि-
नियम, के प्रश्नाव 20-क में परिभासित हैं, वही
प्रयोग होगा जो उक्त अश्वाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 15 ब्लाक ई, जिसका क्षेत्रफल 598.44
वर्ग गज राजोरी गार्डन, इलाके के ग्राम बसई धारापुर दिल्ली
राज्य दिल्ली में है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सभाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-2-1980

मोहर:

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002 दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० प० सी०/एक्य०-II/6-79/5480—प्रतः
मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिन उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी-32 है, तथा जो कमला नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरह के दायित्व में कमी करने पर उपरे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें मार्तीश प्राप्त हो अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—

1. श्री राम चन्द्र, पुत्र भासी राम
निवासी ग्राम लिंगासपुर दिल्ली राज्य दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्रीमती कृष्णा देवी धर्म पत्नी श्री रामकुमार गृष्ण
निवासी ग्राम वक्तावरपुर, दिल्ली राज्य दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषेप : —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नमात्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बीसमिन्ट हाल और तीन दुकानों का क्षेत्रफल 1400 वर्ग फिट और 256 वर्ग फिट एक जायदाद का हिस्सा जोकि बनाया प्लाट नं० डी-32, जिसका क्षेत्रफल 233.33 वर्ग गज कमला नगर दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्रानिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली नई दिल्ली-110002
तारीख : 14-2-1980
मोहर :

प्र० प्र० भाई० टी० एन० एस०————
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II 4/14क, आसफाबली मार्ग, नई दिल्ली-110002
नई फ़िल्सी-110002, दिनांक 14 फरवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ०/II/6-79/54448—अतः
मुझे आर० वी० ए० एल० प्रग्रवाल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-प
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या 5-ए, ब्लाक-बी, 45 है, तथा जो मालरोड,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पुण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 12 जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिरक्षित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों)
और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति
लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी व्याय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी व्याय का नियम या अन्य प्रासितियों
को, जिसमें सारलोय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनात्यं प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जामा आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

प्रतः यदि, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-प की उपघारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स रैनटाइरज और फाईनैशरज प्राइवेट लिमिटेड
प्लाट नं० 4, 10 हेलोरोड, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)
2. श्रीमती मुरेन्द्र कौर धर्म पत्नी श्री जोगिन्द्र सिंह सोन्दिं
निवासी 5-ए, ब्लाक बी-45, मालरोड, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रक्रम में कोई भी प्राप्तेः—

- (क) इस सूचना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धीय व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में सापेक्ष होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताभारी के पास
सिविल में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 5-ए, ब्लाक-बी, 45, मालरोड, दिल्ली ।

आर० वी० एल० प्रग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली-110002

तारीख 14-2-80

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----
प्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयवर भाष्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, 4/14 क, आसफ़जली मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली-1, दिनांक 14 फरवरी, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/6-79/5501—प्रतः
मुझे आर० वी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के
प्रधीन संशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है।
और जिसकी सं० सी-1/11 है, तथा जो रजोरी गाड़न, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में पूर्ण रूप से
बर्जित है) रोज़स्ट्रीर्हती प्रधिकारीके कार्यालय, में
रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 27-6-1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित छोड़ी गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल ऐसे, दृष्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिवाप से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्लो) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
क्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरन से दूरी किसी प्राय की बावजूद उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी प्राय मा किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी आना चाहिए था, जिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की बारा 269-व के प्रनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की बाय 269-व की उपचारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, प्रत्यापु:—

1. श्री राम प्रकाश आसीन, पुढ़ श्री मदन लाल
निशासी सी-1/11, रजोरी गाड़न, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. ओरो मरवी देवी पर्वती श्री राम नारायण
जहाजार निशासी महान नं० बी-10, रजोरी गाड़न,
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संघर्ष के अंतर्न के
लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संघर्ष के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन की प्रविधि या उसस्वामी अवित्यों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद
में विवाद होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में
से किसी अवित्य द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहु किसी प्रथा अवित्य द्वारा प्रश्नोद्दस्ताक री के
पास लिखित में किए जा सकें।

इवानोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

प्रमुखपत्री

महान का एक प्लाट नं० सी-1/11, जिसका क्षेत्रफल
450 वर्ग गज है और रजोरी गाड़न इसके के ग्राम बसई
धारापुर दिल्ली में स्थित है।

आर० वी० एल० अग्रवाल
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-1

तारीख: 14-2-1980
मोहर:

प्रकल्प प्राई० बी० एल० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, 4/14 क, आसफाबंदी मार्ग, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 फरवरी, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०/II/
6-79/2682—अबतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जी-3/108 है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधिक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 25-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तुक के वायिक्षण में अधी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में संविधा के लिए;

अब: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपस्थाता (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, वर्षात् :—

4-476GI/79

1. श्री रघुनाथ साही, पुत्र श्री चन्द्र नारायण जे-3/108, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली, श्री मदनलाल पुत्र श्री चान्दननारायण जे-5/162, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र कुमार पुरी पुत्र श्री गिरधारी लाल पुरी उसके द्वारा जनरल प्रेटेंग श्री सुवेण कुमार पुरी जे-13/10, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमढ़ किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधानाय 20-क में परिवर्तित हैं, वही पर्याप्त होया जो उस प्रधानाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० जे-3/108 जिसका क्षेत्र फल 166.7/10 है और राजोरी गार्डन इलाके का ग्रामत लारपुर दिल्ली राज्य दिल्ली में है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002
तारीख 14-2-1980
मोहर :

प्रसूप पाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
260-व (1) के अधीन पूछदा।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 4 जनवरी 1980

निर्देश सं० सी०आर०-62/24293/79-80/ए०सी०क्य०/बी

—अतः मुझे पी० रंगनाथन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 260-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, पहुंचित विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्त्रा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है, तथा जो एच० ए० एल० शुसरा स्टेज इन्दिरा नगर, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाधद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-6-1979

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टप्राप्त अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अल्परण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नानुचित उद्देश्य से उक्त स्थावर निवित में आस्तिक छप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) अमरांग से हुई किसी दाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अध्यकर के दायित्व में करी करने पा उससे बच्चे में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या भिसी वर्षा या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धर्म-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावें अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की आरा 260-व में, मे, उक्त अधिनियम की आरा 260-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवात्:—

1. श्रीमती डॉ० कमला उन्नीकृष्णन्,
श्री एम० आर० उन्नीकृष्णन्, नम्बीसान की पत्नी
नं० 2995, एच० ए० एल० शुसरा स्टेज, इन्दिरा नगर
बैंगलूर ।

(अन्तरक)

2. श्री सन्दीपकुमार महानसारिया श्री एस० एस० महान-
सारिया के बेटा,
मार्फत : श्री बी० एन० राम, नं० 58, भैन रोड,
बैंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत उपति के प्रजंन के सिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंधमें कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजभव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तर्सवंधी अवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि द्वारा म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजभव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रण अवित्य द्वारा, पधारहताजारी के पास लिवित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(प्रस्तावित सं० 995/79-80 तारीख 29-6-1979)।
इमारती जगह जिसकी सं० 3 है, तथा जो एच० ए० एल०
शुसरी स्टेज, इन्दिरा नगर, बैंगलूर में स्थित है।

अक्षयनवी :

पूर्व] :	में जगह सं० 12 और 13
पश्चिम] :	में सड़क
उत्तर] :	में जगह सं० 2
दक्षिण] :	में सड़क

पी० रंगनाथन्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 4-1-1980

मोहर :

प्रकल्प प्राई० टो० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

झजंन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 7 जनवरी 1980

निर्देश सं० सी०आर०-62/24306/79/80/ए०सी०क्य०/

भी—यह: मुझे पि० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ए
के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्भिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 2, नया सं० 39/1 है, तथा जो उशास, सूब्रौट
VI, मेन रोड, मलेशवर्म, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष
अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी
के कार्यालय राजाधी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-6-1979
को पूर्वोक्त सम्भिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्भिति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापित्व में
कभी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के प्रतुसरण
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, प्राप्ति:—

1. श्रीमती सुगुना वाई पत्नि थी० जी० रामाराव,
गोविन्द मंदिर, पुश्यामंटापम स्ट्रीट, तिळायाळ,
तंजूर डिस्ट्रिक्ट तामिलनाडू ।

(अन्तरक)

2. श्री टी० कोनरक सुनुत श्री नरासिंगारम
सं० 2, 8 क्रास, मलेशवर्म, बंगलूर-3

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भिति के ग्रन्ति के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्भिति के ग्रन्ति के सम्बन्ध में कोई भी विवेदः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धीय अवित्यों पर
पूर्वा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रधिकार वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से फिरा अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भिति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्यों द्वारा अवैद्यताभरी के पास
लिखित में किए जा सकेंग।

स्वष्टी हरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभासित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1077/79-80 तारीख 19-6-79)

खाली जगह सं० 2 और नया सं० 39/1, तथा जो उशास
सूब्रौट 13, क्रास, VI३ न, रोड, मलेशवर्म, बंगलूर में है।

चक्रवर्ती :

पूर्व :	VI मेन रोड,
पश्चिम :	साइट सं० 6
उत्तर :	साइट सं० 3
दक्षिण :	साइट सं० 1

पि० रंगानाथन

सभी प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्ति रेंज, बंगलूर

तारीख 7-1-80

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 जनवरी 1980

निवेश सं० सी०आर० 62/24694/79-80/ए०सी०क्य०/धी०—
यतः मुझे पी० रंगनाथन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन संभव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 1104 है, तथा जो एच० ए० एल० दूसरी
स्टेज, इन्डिरा नगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपोक्त अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-7-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का फ्रेश प्रतिशत से प्रधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के बिना तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस्त्र
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए वा छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्तः भ्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

1. श्री के० रंगनाथ, नं० 17,

वामोधर मुखलियार स्ट्रीट, अलस्सूर,
बंगलूर-8

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती आर० कमलम्मा

(2) श्रीमती एच० सरस्वती स्वामी

(3) श्री के० सदानन्दा

(4) श्री एम० कृष्णास्वामी, नं० 1104,

एच० ए० एल० दूसरी स्टेज, इन्डिरा नगर,
बंगलूर - 38

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी अवित्यों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैतस्तात्कारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त ग्रन्तः—इसमें राजपत्र शब्दों और तदों का, जो उक्त अधिनियम के अधाराय 20-क में परिचालित हैं, वही
प्रयोग होगा, जो उस अधाराय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1335/79-80 तारीख 30-7-79)

घर सं० 1104, तथा जो एच० ए० एल० दूसरी स्टेज,
इन्डिरा नगर, बंगलूर में स्थित है।

अकबरन्दी :

पूर्व : में प्राह्वेट सम्पत्ति

पश्चिम : में सङ्क

उत्तर : में जगह सं० 1105

दक्षिण : में जगह सं० 1103

पी० रंगनाथ
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 14-1-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राइंटी ८० एन० एस०

आवकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बंगलूर

बंगलूर शिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० सी०आर० 62/24165/79ब80/ए०सी०क्य०/बी
—यतः मुझे पि० रंगनाथन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 916 है, तथा जो दूसरी मैन, चारबां ब्लाक,
राजाजीनगर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
राजाजीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 5-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्ट्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह
विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यामान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्ट्यामान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तुविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी तथा की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिल्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी व्यवय या प्रम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित विवरों, अधीतः—

1. श्री एस० जी० शिवकुमार

दि० श्री एस० एस० गुरसिंहपा, सं० 916
दूसरी मैन, चारबां ब्लाक, राजाजी नगर,
बंगलूर 10

(अन्तरक)

2. श्रीमती टि० एन० अंबुजा, श्री एम० श्री रामा की पत्नी
सं० 916, दूसरी मैन, चारबां ब्लाक, राजाजीनगर
बंगलूर-10

(अन्तरिती)

3. (1) एम० आर० राम०

(2) प्रकाश राम० गुप्ता

(3) रामाय्या

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति र)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजनवी में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजनवी में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास लिखित
म किए जा सकेंगे ।

साझेदारी :—इनमें प्रयुक्त गढ़ीं और रवौं नहीं, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

मनुसूची

(दस्तावेज सं० 816/79-80 तारीख 5-6-1979)

घर संपत्ति सं० 916 तथा जो दूसरी मैन चारबां ब्लाक,
राजाजीनगर, बंगलूर में स्थित है ।

पि० रंगनाथन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 16-1-80

मोहर :

प्र० प्र० श्री ई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूरु
बंगलूरु, दिनांक 14 जनवरी, 1980

निर्देश सं० सी०प्रा० 62/24298/79-80/ए०सी०क्ष०/वी
—यतः मुझे पि० रंगनाथन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यदृ विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से प्रधिक है
और जिसकी सं० 137, नया सं० सि० एच० 22, है तथा जो
लक्ष्मीपुरम, पहला मैन, रोड, चामराज मुहल्ला, मैसूर में
स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
दर्खित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैसूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 21-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुसूचित की गई है और मुझे
यदृ विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वास्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरदों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अनुसरण के
लिए तय पाया गया प्रतिक्रिया विभिन्निक्त उद्देश्य से उक्त अनुसरण
लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अनुसरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन करदेने के अनुसरक के शायित्व वे कभी
करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी विहीन आय या किसी अन्य या अन्य बास्तियों
को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अनुसूचित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया, या या किया जाना चाहिए था, जिसमें में
मुश्किल के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, वे, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपषारा (1)
के अधीन विभिन्निक्त अविकल्पों, अवधारणा—

1. डा० वाथ० घण्टाजी

श्री वाथ० निरवाणप्पा के बेटा, म० 321,
दूसरा ब्लॉक जयनगर, बंगलूरु

(अन्तरक)

2. श्री एस० जे० जिनेश (मैनर), बै० गार्डियन श्रीमती
एस० पी० जिवयलक्ष्मी, श्री एस० पि० जीवेन्द्रकुमार की
पड़ती, न० 48, रामविलास रोड, के० आर० महल्ला,
मैसूर ।

(अन्तरिती)

को यदृ तूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिनी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में होई भी आश्रेत :—

(क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासंबंधी अविकल्पों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि ये भी अवधि बाह
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में
हे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस पूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बदल किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा उक्ते ।

स्पष्टीकरण - -इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अधार्य 20-क में पर्याप्त
मापित, हे, ही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(इस्तावेज सं० 886/79-80 तारीख 21-6-79)

उर जगह सं० डि० 937, और नया सं० सि० एच० 22,
तथा जो लक्ष्मीपुरम पहला मैन रोड, चामराज मुहल्ला मैसूर
में स्थित है।

चक्रवन्दी :

पूर्व :	में पहला मैन रोड,
पश्चिम :	में व्यासेज,
उत्तर :	में खाली जगह
दक्षिण :	में कान्तराज प्रसं रोड,

पि० रंगनाथन्

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूरु

तारीख : 14-1-1980

मोहर :

प्रस्तुप थाई० शी० एम० एस०-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/24341/79-80/ए० सी० क्य०/शी०

—यतः मुझे पी० रंगामाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उपचार 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की आरा 269-प के प्रधीन समाप्ति विधिकारी को पहले विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- इयरे से प्रधिक है और जिसकी सं० 194/1, है तथा जो चौथा मैन रोड, आमराज पेट, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसावंगुडी बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 21-6-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के तारीख से 45 दिन की प्रवधि या उक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिया (अन्तरियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उपचारण लिखित में आस्तविक रूप से कठिन नहीं लिया गया है :—

(क) आजारण से इई किसी आव ली वाले, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर हेने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा लिए। और/या

(ख) ऐसी जैसी आव वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामं प्रन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किना वाला शाहौदा था, छिपाने में सुविधा दे लिए;

शतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की आरा 269-प की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्पतः :—

1. श्री शी० आर० रघुनन्दन

रेप्रेसेन्ट कर रहे हैं: श्री पी० ए० होलडर

श्री शीनिवासन भूति,

सं० 44, ग्यारहवां, कास, दूसरा ब्लाक, जगतगर,
बंगलूर-560011

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती (1) लक्ष्मी

(2) शी० वी० सुधा

सं० 194/1, चारवां मैन रोड, आमराजपेट, बंगलूर-560018
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त तथाति के अंतर्गत कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवंत के संबंध में शीई शी धाक्केप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या उक्त सम्पत्ति की पर सूचना जी तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि आव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस गृनन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के नीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितपद किसी प्रवधि व्यक्ति द्वारा प्रवोद्धस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ;

सम्बोधकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों पौर पदों का जो उक्त अधिनियम के प्रधाराय 20-क में परिवर्तित है, वही अव होगा, जो उक्त प्रधाराय में दिया गया है।

अनुसूची

(प्रस्तावेज सं० 866/79-80 तारीख 21-6-79)

पर सम्पत्ति सं० 194/1, तथा जी आर्वां मैन रोड, आमराजपेट बंगलूर-18 में है।

चक्रवन्दी :

उत्तर : कमसरवंसी लेन

दक्षिण : आर्वां मैन रोड

पूर्व : सम्पत्ति सं० 194

पश्चिम : सम्पत्ति सं० 193

पी० रंगामाथन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 14-1-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना-411004, दिनांक 17 जनवरी 1980

निवेश सं० सी० ए० 5/ए० 5/ए० आर० हवेली-जुलाई-79/466—
यतः मुझे शिशिर कुमार त्यागी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सारंग 113/3 है, तथा जो कोरेगाव पार्क
पूना में स्थित है (और इससे उपावडा प्रनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय हवेली-
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जुलाई, 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का लाभ है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतिरोध विवित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से बुरी किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 ना 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरितो द्वारा प्रहट नहीं किया
गया था या हिस्सा जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपायकर
(1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

1. ब्लाईस एडमायरल (स्टायर्ड),

मास्कर सदाशिव सोमण

5-ए, सेलीश अपार्टमेंट, 15 लेन, प्रभाल रोड,
पूना-411004।

(अन्तरक)

2. श्री नारायण दास जगन्नाथ राठी,

5, बंड गार्डन रोड, पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पक्ष्मत्व में कोई भी आन्द्रेप:—

(क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अस्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से
किसी अस्तियाँ द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अस्तियाँ द्वारा, अत्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान: सी० ए० एस० क्र० 113/3, कोरेगाव पार्क पूना 1।
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1350 जुलाई, 1979
को सब रजिस्ट्रार हवेली-I के दफ्तर में लिखा है।)

शिशिर कुमार त्यागी
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख: 17-1-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंट टौ० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

अर्जन रेज, पूना

पूना-411004, दिनांक 23 जनवरी 1980

निर्देश सं० सी०ग०-५/एस०आर०-हवेली-II/ग्रगस्त 79/467
—यतः मुझे शिशिर कुमार त्यागी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'दस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन संख्या प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है
कि स्थावर ममता, विवाह उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० 389, नारायण पेठे है तथा जो पूना में स्थित
है (प्रोट इससे उपाचार अनुभूति में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस०आर० हवेली-II में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 7-8-1979

को गुरुवार सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का
कारण है कि पश्चापवृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का अन्तर है जिसके से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरडो) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उब याकौ तथा अविकौ,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विकल्प में यात्निक
रूप से नियत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरव से हुई किसी आय को बाबन ३११ अधिनियम के
पश्चोन कर देने के प्रत्यक्ष के बायित
में कमी करन पर उसमें वर्तने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या क्षम-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनभाव
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाता था, या जिसा
जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिये;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ को उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित वर्णितयों, पर्वत :—
5—476GI/9

1. नूतन एंटरप्राइजेस,
1379, भवानी पेठ, पूना-2।

(अन्तरक)

2. नवल सहकारी गृह रचना संस्था मर्यादित
389, नारायण पेठ, पूना-30।

(अन्तरिती)

3. जमा सद लघोकी सोसायटी के फ्लैट में रहते हैं।
(वह व्यक्ति, जिसके प्राप्तिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना मारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के उद्दिष्ट में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इत्य सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरधंषी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के पीछे पूर्वोक्त व्यक्तियों ने
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इत्य सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के
पीछे उक्त स्थावर सम्पत्ति में विवरण
किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्ताकरण के पात्र
विवित में किये जा रहे;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदृश स्वर्णों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिवर्तित
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में
दिया गया है।

अनुमूल्य

गोनरेशप फ्लैट्स की इमारत 389 नारायण पेठ पूना-30।
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नू० 1232, दिनांक 7-8-79
को सब रजिस्ट्रार हवेली-II के दफ्तर में लिखा है।)

शिशिर कुमार त्यागी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (मिरीकण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 23-1-80

सोहूर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 11 फरवरी 1980

निर्देश सं० सी०ए०-५/एस०आर०-हृवेली/468/79-80—
यतः मुझे शिशिर कुमार त्यागी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 383, गनवार पेठ है तथा जो पुना में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हृवेली, पुना में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. नूतन एंटरप्राइजिस
1329, भावानी पेठ, पुना।
(अन्तरक)

2. गणेश कृष्ण सहकारी गृह रचना
383, व शनवार पेठ, पुना-30।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीकरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और उसके ऊपर के मकान जो 383-वीं गनवार पेठ,
पुना-30 में मौजूद हैं। जिसका क्षेत्रफल 7000 स्क्वा०
फिट है।

शिशिर कुमार त्यागी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना।

तारीख : 11 फरवरी 1980
मोहर :

प्रख्यात प्रधानमंत्री दीपेन्द्र प्रधान—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कॉर्पोरेशन पूना सतारा रोड, पूना

पूना-411009, दिनांक 11 फरवरी, 1980

निर्देश सं० सी० ए० ५/एलआर, बम्बई/469/79-80—यतः
मुझे शिशिर कुमार त्यागी
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० नं० 43, 44 तथा 45 सं० नं० 54 तथा 54
है तथा जो खंडाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के प्रधीन दिनांक 3-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और नुस्खे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल का न्यूनतम प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपस्थाता
(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः:—

1. खंडाला, लैण्ड और डेवलपमेंट कारपोरेशन, आली
चंद्रस, तामारिंड लेन, फोर्ट, बम्बई-400023
(अन्तरक)

2. एलबी, दुगल हैंजीनियरिंग कंपनी प्राइवेटलिमिटेड
होवेस्ट हाऊस, नरीमान पार्क, बम्बई-400021
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त:— हमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

खंडी की जमीन और शमिना जिसका धेन फल 151, 500
स्केबर यार्ड्स तथा 1,26,673 स्क्वायर मीटर है और जो
खंडाला ता० मावल जिला पूना में स्थित है। जिसका खण्ड नं०
43, 44, 45, 47 और 48 है, आर० एस० नं० 45 (पार्ट)
आर० एस० नं० 434 (पार्ट), 44 और 45 (पार्ट)।

शिशिर कुमार त्यागी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 11-2-1980

मोहर:

प्रकल्प प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कॉमिटी ब्रॉडस पूसा सतारा रोड, पूना
पूना, दिनांक 13-2-1980

निक्षे सं० सी० ए०/५/मालेगांव/४७०—यतः मुझे शिशिर
कुमार त्यागी
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सकम आवधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० गट नं० 608 और 603/69 है, तथा जो मौजे दाभाडी ता० मालेगांव में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मालेगांव में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, ने उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

1. (1) गंगू नंदा काकलीज
(2) श्रीमती शाता बाई गंगू, काकलीज, रा० मालेगांव
(3) श्रीमती राजाबाई दगा पाटिल

(अन्तरक)

2. श्री उत्तम लक्ष्मण देवरे
एडाइत मला, मालेगांव ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन बिहरि और पंप सेट के साथ जो गट नं० 608 और 603/69 मौजे दाभाडी तालुका मालेगांव में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 4 हेक्टेयर है।

शिशिर कुमार त्यागी
सकम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 13-2-1980

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 13 फरवरी, 1980

निवेश सं० सी०ए० 5/द्वेली-I/471—यतः सुन्ने शिशिर कुमार ईयागी
आयकर अधिनियम, 1962 (1962 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 34-ए बी, 35 फायनल प्लाट नं० 489, सब प्लाट नं० 11, बेलनकट नगर, पूना-9, है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय हूबेली-I, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यष्टपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार है मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत वे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय वे वाद्य उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, प्रत, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखितव्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) राम चन्द्र वतावर देशपांडे
(2) श्रीमती उषा रामचन्द्र देशपांडे,
648, नारायण पेठ, पूना-30

(अन्तरक)

2. श्री बसंत मोरेश्वर खेरे,
54/1, अरण्येश्वर वर्षन सोसायटी, पूना-9

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायालियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, और थी अवधिबाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टदीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और उसके ऊपर की इमारत जो सं० नं० 34-ए-बी, और 35 फायनल प्लाट नं० 459, सब प्लाट नं० 11 बेलनकर नगर, पूना-9 में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल प्लाट 533.4 स्क्वायर मिटर, इमारत 1840.75 स्क्वायर फिट।

शिशिर कुमार ईयागी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
सक्रम प्राधिकारी
अर्जन रेंज, पूना

तारीख 13-2-1980

मोहर :

इच्छप पाई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 5 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 250/79-80—यतः मुझे पि० रंगानाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269प के अधीन सहायक आयिकारी को यह विवरण करने का कारण है कि आयकर संपत्ति इसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० घर नम्बर 12-5 और 12-6 है, तथा जो लिंगमुगुर (छावणि) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लिंगमुगुर, अंडर डाक्यूमेंट नं० 428, विनांक 16-6-79 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल में लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवरण करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरको) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में दर्शाया हुआ कर्यात् नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी व्याय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या

(ख) ऐसी किसी व्याय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय व्यायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः पथ, उक्त अधिनियम की आरा 269प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की आरा 269प की उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्पण :—

1. श्री संगनानौडा ककिर गोडा, तोटगंडि कुर्त कोटि तालुका गदग।
(1) सुलेमान अलि झुबेदि,
(2) शिमनि गोखावि शेख अलि झुबेदि
घर नं० 1-4-130 मेहबूब नगर,
आनंदा प्रदेश

(अस्तरक)

2. (1) मैसर्स मारति द्रेडिंग कंपनि
(2) श्री जे० एस० देषपांडे
(3) श्री गोरिशंकर
घर नं० 12-5 और 12-6 लिंगमुगुर।

(अन्तस्तिती)

को यह सूचना आरो उक्ते पूर्वोक्त सम्बति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्बति के धर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उपाबद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरनी अधिकतयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टिबद्ध किसी अन्य अधिकत द्वारा, अबोहस्तावारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छी तरफ :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20 के में परिमाचित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 12-5 और 12-6 जो लिंगमुगुर (छावणि) में स्थित है।

पि० रंगानाथन,
'सकाम आयिकारी'

निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख 5-12-79
मोहर :

प्रकल्प धाई० टी० एन० एल०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीकण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 फरवरी 1980

निवेदन सं० अमृतसर/79-80-31—यतः मुझे एम० एल०
महाजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा जाता है), की वारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 2500/- रुपए
से अधिक है।

ओर जिसकी सं० एक प्लाट दसोंदा सिंह रोड पर है तथा और
अमृतसर में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुभूति में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम०
एल० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक जून, 79

को पूर्वोक्त पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिये समतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यहांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उम्मेद
दृश्यमान प्रतिफल से, पेसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया
प्रतिफल, निम्ननिमित्त उद्देश से उक्त अन्तरण विविध में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य पास्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-का
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पद्धोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया या जो किया
जाता जातिये वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की वारा 269-व के अनुसरण में
मेरे उक्त अधिनियम की वारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, विवरित व्यक्तियों, अस्ति:—

- (1) श्री राज कुमार जैन पुत्र श्री शियो भगवान जैन वासी
अमृतसर हाल कनाल रोड कानपुर द्वारा श्री विजय
कुमार जैन पुत्र श्री शियो भगवान जैन निवासी कटरा
अहलूवालिया अमृतसर (अन्तरक)
- (2) श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र प्रीतम सिंह वासी बाजार निमक
मन्डी, अमृतसर

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० पर और किराएदार हो
(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) यदि और कोई व्यक्ति हचि रखता हो
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताकरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना वारों तक पूर्वोक्त पत्तिके अधीन
निए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त पत्तिके अधीन के सम्बन्ध में होई जी घाँटेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवृत्ति या उत्तममध्यी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी
प्रवृत्ति वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

इन्हींकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोट वर्षों का, जो उक्त प्रधिनियम के पद्धोयाय 20-क में परिवर्तित है,
वही पर्व होगा, जो उस अव्याय में दिया गया है।

अनुभूति

एक प्लाट नं० 529/729 (406 स्क्यूर मी०) दसोंदा सिंह
रोड पर जैसा कि क्षेत्र नं० 716 दिनांक 5-6-79 रजिस्ट्री
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीकण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 6 फरवरी 1980

मोहर:

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

प्रज्ञन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 7 फरवरी 1980

निदेश सं० अमृतसर/79-80/312—यतः मृगे एम० एल०
महाजन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिपा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं०प्लाट दसोन्हासिंह रोड पर है तथा जो ए.एस आर
अमृतसर में स्थित है (और इसे उपावद भने सूची में और बूर्झ
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस आर,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
अमृतसर के अधीन दिनांक जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
'जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सुरेश कुमार पुत्र श्रीयो भगवान वासी आद्यनपुर राही
श्री विजय कुमार पुत्र श्री शियो भगवान वासी अमृतसर
कटरा आहलूवालिया अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री भनिल कुमार पुत्र प्रीतम सिंह वासी बाजार निमक
मन्डी अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 पर और कोई छिराहदार हो
(वह व्यक्ति जिसके प्रक्रियोग में सम्पत्ति है)

(4) यदि और कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में इच्छा रखता हो
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर यह सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी प्रवधि बाबू में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

एष्ट्रीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

एक प्लाट 406 स्क्वे० मीटर (न० 579/729) दसोन्हा
सिंह रोड पर जैसा कि सेल डीड न० 1062/I दिनांक 8/7/74
रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सहायक आयकर अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

प्रज्ञन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 7-2-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंस टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 जनवरी 1980

निवेश सं० अमृतसर/79-80/313—यतः मुझे एल०

महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के प्रधीन संभव प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० प्लाट रेस कोर्स रोड पर है तथा जो एसआर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जून 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृश्य प्रतिपादित अधिक है और प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और प्रत्यरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तब यामा वया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त प्रस्तरण लिखित में वाहिनिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी याव की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कशी बरने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी याव या किसी व्यय या भव्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अप्पितियों, अवाहतः:—

6-476GI/79

(1) श्री अशोक कुमार पुत्र ज्ञान चन्द वासी कट्टरा तुलों
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरमिन्द्र सिंह पुत्र श्री सन्तोष सिंह निवासी
सुलतानविंड, रामनगर, अमृतसर।

(प्रत्यरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 पर और कोई किराएदार हो तो ।
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) यदि और कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाबेप:—

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी अप्पितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अप्पितियों में से किसी अप्पिति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भव्य अप्पिति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रम्याम 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होता, जो उस प्रम्याम में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्लाट, नं० 385 रेसकोर्स रोड पर जैसा कि सेल ईड
नं० 1804 विनं०क 12-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी अनुसर शहर में
प्राप्त हुई।

एम० एल० महाजन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)
अर्जन रज, अमृतसर

दिनांक : 24-1-1980

मोहर :

प्रूप्र आई० टी० एन० एस०--
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 7 जनवरी 1980

निदेश सं० अमृतसर /79-80/314—यतः, मुझे, एम० एल०
महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।
और जिसकी सं० कृषि भूमि धरिआला में है तथा जो पी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस आर पट्ट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 79 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह अतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अवतार सिंह पूत्र ईन्द्रसिंह बासी धरिआला पट्टी। (अन्तरक)
2. श्री गुरदयाल सिंह पूत्र धानन सिंह बासी धरिआला पट्टी। (अन्तरिती)
3. जैसा कि सं० 2 पर और कोई किराएदार। (वह अवित्त, जिसके अधिभीण में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई अवित्त इसमें लौटी रखता है। (वह अवित्त डिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधीय व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 35-12 भरला धरिआला में जैसा कि सेल डीड नं० 1194 13-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी पट्टी में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 7-2-1980

मोहर :

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०—————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर मायकर मायकर (निरीक्षण)

अजंत रेंज I, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 फरवरी 1980

निर्वेश सं० ए० एस० आर०/79-80/315

मत: मुझे एम० एल० महाजन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट मकबूल रोड पर है तथा जो अमृतसर में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जून 1980
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती आनन्द कौर पत्नी स्वर्गीय डा० राधाकिशन
निवासी 22/मकबूल रोड अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री सवरन कुमार पुत्र श्री मुरली धर निवासी० अमृतसर
कैंट अमृतसर

(अन्तरिती)

जैसा कि सं० नं० 2 और कोई किसाएदार

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मति है)
यदि और कोई व्यक्ति इसमें व्यक्ति सखता है।

(4) (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंत के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 22 1650 रु० गज मकबूल रोड पर
जैसा कि सेल डीड नं० 920 दिनांक 30-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी
अमृतसर में वर्ण है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी,
महायकर मायकर मायकर (निरीक्षण),
अजंत रेंज अमृतसर।

दिनांक : 2 फरवरी 1980

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकी/भोपाल/79-80/1453—

मत: मुझे कु० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० मकान है, तथा जो विलासपुर में स्थित है (और इससे उपरबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विलासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-6-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृष्टमान प्रतिक्रिया के एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाय या किसी घन या प्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधार्त:—

(1) श्री माहर सिंह पुत्र श्री बरन सिंह राजपूत कोरका तह० बाते गाँव जिला विलासपुर।

(दास्तावच)

(2) श्री सतलाल पुत्र स्व० श्री भगवानदीन यादव, कोरका कटधौरा जिला विलासपुर।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन कायंबाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी घाषेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एवज्ज्ञान:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 21, घास 315 बर्गफूट स्थित कोरका तह० कटधौरा जिला विलासपुर

कु० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

विरीकी सहायक आयकर आयुक्त
पर्वत रेज, भोपाल।

दिनांक: 4 फरवरी 1980

मोहर:

प्रकरण संख्या ३०० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-व (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राध्यक्ष (निरीक्षण)

ग्रन्थनं क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1980

निर्देश संख्या ३०० ए० सी०/एम्बी/भोपाल ७९-८०/१४५४—
म्रतः मुझे कृ० कां० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व
के पश्चीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिस की सं० प्लाट है, तथा जो बिलासपुर में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्टा अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के पश्चीन 15-६-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(1) श्री कालेश्वर प्रसाद, पुत्र श्री रमाली प्रसाद, मसाम
गांज, बिलासपुर।

(प्रत्यक्ष)

(2) श्री मोहन सिंह पुत्र श्री रहेल सिंह जूनी लालौन,
बिलासपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्थन के
लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्थन के मध्यम से कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित होता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी प्रत्यक्ष द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के मध्याम 20-क में परिचायित हैं,
वही पर्याप्त होगा, जो उस मध्याम में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के पश्चीन कर देने के अन्तरक के
बायालय में कमी करने या उपरसे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी इन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हे भारतीय आयन्हर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनन्हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अनुसूची

प्लाट नाम 2080 बर्गफूट स्थित बाड़ न० ७, नजूल शीट न०
18, जूनी लालौन, बिलासपुर

कृ० कां० राय
सकाम प्राधिकारी

निरीक्षण सहायक आयकर प्रायुक्त
ग्रन्थन रेज, भोपाल

म्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपस्थाना (1)
के पश्चीन, विम्बलिंगित अविक्षियों, अर्थात्:—

दिनांक : 4 फरवरी 1980

मोहर :

प्रूप भाई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1980

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्सी/भोपाल-७९-८०/१४५५—

अतः मुझे कृ० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन संभास प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० मकान है, तथा जो रत्नामाल में स्थित है (और इससे उपाखण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, के कार्यालय, रत्नामाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 26-६-1979 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हातिम अली पुत्र हाजी अब्बास भाई मुस्ला जी लकड़ पीठा, चांदनी चौक, रत्नामाल।

(अन्तरक)

(2) श्री कुतुबुद्दीन पुत्र श्री फिदाहुसेन द्वारा श्री अब्बास भाई बोहरा साईकिल वाला लकड़ पीठा, चांदनी चौक, रत्नामाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूलनियमपत्र नं० 15/11, "वीसाजी मेशन की गली, स्टेशन रोड, रत्नामाल।

कृ० का० राय

संभास प्राधिकारी

निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 4 फरवरी 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट डॉ॰ एन॰ एस॰—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के प्रश्नोन्न सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फरवरी 1980

निदेश सं० आई ए सी/एक्वी०/भोपाल में 79-80/1456—
अतः मुझे, हू० कौ० राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिस की सं० मकान है, तथा जो लश्कर में स्थित है (और
इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, खालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-6-1979
को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिकृत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक नियित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिक में
कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों
को, जिन्हे प्रारंभी आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के प्रारंभ निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता :—

(1) श्री मदन मोहन पुत्र श्री जगन्नाथ प्रसाद खण्डेलवाल,
मोर बाजार, लश्कर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी पत्नी श्री कृष्ण मोहन गुप्ता,
गोरखी गेट के सामने जीयाजी चौक, लश्कर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरोप करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अवैत के
लिए लाइंगादियाँ रखना हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रवैत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
मामाला दूती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्तान्तरी के पास लिखित
पैकिए, या सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अवैत होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

खण्डर मकान बियरिंग न० 80/2 स्थित कम्पू० रोड, लश्कर।

हू० कौ० राय
सकाम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक प्रायकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 11 फरवरी 1980

मोहर :

प्रधन प्राई. टी० एन० एस०—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फरवरी 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल 7९-८०/१४५७—

मत: मुझे, ह० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० मकान है, तथा जो लक्षकर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, न्यालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 22-६-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निष्पत्तिवित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक है से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे इच्छने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्ते आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधीननाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए।

अतः आ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरमें, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) अधीन सिन्हसित अस्तियों, अवृत्ति :—

(1) श्री मोहन मोहन पुत्र श्री जगन्नाथ प्रसाद खण्डेलवाल, मोर बाजार, लक्षकर।

(प्रत्तरक)

(2) श्री राज कुमार पुत्र श्री कृष्ण मोहन अभिभावक श्री कृष्ण मोहन पुत्र श्री गिरीज किंशोर गुप्ता, गोरखी गेट के सामने, जीवाजी चौक, लक्षकर।

(प्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्याकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तदसंबंधी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षि द्वारा अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खण्डर मकान विवरिंग नं० 80/2 स्थित कम्पू रोड, लक्षकर।

ह० का० राय

सकाम प्राधिकारी

निरीक्षक सहायक आयकर (आयकृत)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 11 फरवरी 1980

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फरवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल 79-80/1980—

अतः मुझे, कृ० कॉ० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० मकान है; तथा जो लक्षकर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, ग्रामियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाथा गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उगाचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
7-476GI/79

(1) श्री मदन मोहन पुत्र श्री जगन्नाथ प्रसाद खण्डेलवाल,

मोर बाजार, लक्षकर।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण मोहन पुत्र श्री गिरीज किशोर गुप्ता, गोरखो

गेट के सामने, जियाजी चौक, लक्षकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस्यद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खण्डर मकान बियरिंग नं० 80/2 स्थित कम्पू रोड, लक्षकर।

कृ० कॉ० राय

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर (आयुक्त)

अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 11 फरवरी 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंसी टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन धनेन, भोपाल
भोपाल, दिनांक 11 फरवरी 1980

निर्वेश सं० प्राईंसी ए० सी०/एम्बी/भोपाल/79-80/1459—

अतः मुझे कू० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह संकरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-6-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह संकरने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, म; उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० वीरेन्द्र कुमार ओंकारवास जी 26-27 ॥
मार्ग, स्ट्रीट न० 5, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) सर्वेशी चैतराम, कमल घन्द, व विजयसिंह सभी पुत्र
श्री छोगमल जी जैन 86, जवाहर मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तसूची

दो मंजिला मकान रकवा 2497 वर्गफुट स्थित 26-27,
जवाहर मार्ग, स्ट्रीट नम्बर 5, इन्दौर।

कू० का० राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 11 फरवरी 1980
मोहर :

प्रख्यूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन धोव्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फरवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/79-80/1460—
अतः मुझे हु० कां० राय

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन संशम प्राधिकारी को, यह विवाद करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विषया उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से पर्याप्त है।
और जिस की सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपागद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्सा प्रधिकारी के कार्यालय, हन्दीर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 11-6-1979
को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि रथायूवौशि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का दम्भू
प्रतिशत से अधिक है और प्रभारक (प्रभारकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धारण में वास्तविक रूप से रखित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई हिसी आय की वादत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधोन कर देन के प्रभारक के
शायित्य में कमी बढ़ने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; घोषणा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य पासितियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या प्रन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ प्रस्तरिती हारा प्रकट महीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः धब्द, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के प्रनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धात्:—

- (1) श्रीमती मुभद्रा भान पत्नी श्री बीनू भाई गांधी 117,
जैल रोड, इन्दौर व 2. श्रीमती पुष्पा गौरी पत्नी श्री
कान्ती लाल शाह 22, जैल रोड, इन्दौर । (अन्तरक)
(2) श्री मदन लाल पुत्र श्री रामचन्द्र सोनी, सांवेर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तदम्बन्धी अधिकारियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंत
अधिकारियों में से किसी अधिकारी,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी भव्य अधिकारी हारा, अधीक्षित व्यक्ति के
पास लिखित रूप से किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही यथं होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

तीन मजिला मकान रकवा 740 वर्गफुट स्थित 22/2 देवी
प्रहिल्या मार्ग (जैल रोड) इन्दौर ।

कां० राय
संशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 11 फरवरी 1980
मोहर :

प्रैरुपा आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत भरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन थेन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फरवरी 1980
निवेश सं० आई० ए० सी०/ग्रक्षी/भोपाल/79-80/1461—

अतः मुझे कु० कां० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिस की सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-6-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दूस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(र) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती गुल बाई पत्नी श्री राम गोपाल अग्रवाल 54, कलाली मोहल्ला, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री सत्यनारायण पुत्र श्री मांगी लाल शर्मा 64, जूना पीठा, इन्दौर व 2. श्री धीसा लाल पुत्र श्री कल्याण मल शर्मा 10/5 जूनी कसेरा बाखन, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जोकी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्थलीकरण :— इसमें प्रथम और पदों का, जो उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 12 माप 9750 वर्गफुट स्थित नौलखा, इन्दौर।

कु० कां० राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 11 फरवरी 1980
मोहर :

प्रख्यात प्राईंट टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, पश्चात् आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फरवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/79-80/1462--

अतः मुझे, कृ० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास कर का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० मकान (भाग) है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण। अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-6-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तरापांगा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रूपचन्द उर्फ श्यामलाल उर्फ सामनदास 297 नेपियर टाउन, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री चैतन दास पुन्न श्री तीरथदास मूलचन्द 297, नेपियर टाउन, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 297 का भाग माप 1243 वर्गफुट स्थित नेपियर टाउन, जबलपुर।

कृ० का० राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 11 फरवरी 1980

मोहर :

प्रेस आई० टी० एन० एस०-----

आधकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फरवरी 1980

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/79-80/—श्रतः मुझे
कृ० का० राय

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प(1) के अधीन सभी प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० प्लाट है, तथा जो मैहर में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, मैहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 16-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल स, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
परम्परागत प्रतिशत अधिक है और यह कि प्रत्यक्ष (अन्तररक्त)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों
को, जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाता चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के
अनुबरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की
उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारों, अर्थात् :—

(1) श्री जुगल किशोर पुत्र श्री सालिगराम सक्सेना, मैहर।
(अन्तरक)

(2) मैसरी ए० एच० इन्टर प्राइसेस जैने पेट्रोल पम्प के पीछे,
मैहर, जिला सतना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारियों पर सूचना की
तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
पम्प अधिक द्वारा, अधोव्स्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

संबोधण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधि-
नियम', के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ द्वारा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट माप 66,500 वर्गफुट जैने पेट्रोल पम्प के
पीछे मैहर।

कृ० का० राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 11-2-1980
मोहर :

प्रकर प्राई० दी० एव० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक 11 फरवरी 1980

निर्देश स० प्राई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/79-80/1464—

अतः मुझे कू० कौ० राय

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (यिथे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विनाश उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की स० प्लाट है, तथा जो सागर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सागर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 17) के अधीन 5-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पश्चह प्रतिशत अधिक है और बस्तरक (बस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्रिया, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिक्रिया लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(ए) प्रतिक्रिया में हुई किसी प्राय की शब्दत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए। और/या

(ब) ऐसो किसी प्राय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या सन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामेश्वरवर प्रसाद पुत्र श्री पंडित जगेश्वर प्रसाद कुमे, शुक्रवारी मोहल्ला, सागर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री भावजी भाई व 2. श्री भीमजी भाई दोनों पुत्र श्री कानजी भाई पटेल, निवासी भगवान गंज वार्ड, सागर।

(अन्तर्गत)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मालिप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामीक्र में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, तो भी उक्त पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित द्वारा प्रश्नोद्घस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों योर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट माप 11,925 वर्गफुट स्थित जानन्द सा मिल के पीछे, भगवानगंज वार्ड, सागर।

कू० कौ० राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 11-2-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० पट०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए(1) के पश्चीम पूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फरवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/79-80/1465

अतः मुझ, कृ० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ५४वाँ उक्त प्रधिनियम कहा जाता है), की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रष्ठिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो सागर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा प्रधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-9-1979

को पूर्वान्तर सं० सं० उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत प्रष्ठिक है और प्रत्यक्ष (अंतरको) और प्रत्यक्षिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अस्तरण निवित में वास्तविक रूप से अचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुर्दृष्टि किसी आय जो बाकूत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एसो किसी आय वा किसी बन या पर्याय स्थानियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घने कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री रामेश्वर प्रसाद पुत्र श्री पंडित जगन्नाथ प्रसाद दूष्मे, शनी चरी मोहल्ला सागर।

(अन्तरक)

(2) श्री विश्वाम भाई व श्री कांजी भाई पटेल निवासी भगवानगंज बांड, सागर (अन्तरिती)

जो यह सूचना जाये हरके पूर्वोक्त सम्बत के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या त अंधी अविक्षयों पर सूचना की तामोल से 30 दिन ती अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी पर्याय व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसम प्रवक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्राप्तिय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही पर्याय होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का ज्ञाट माप 12,475 वर्गफुट स्थित गजानन्द सा मिल के पीछे, भगवानगंज बांड, सागर।

कृ० कां० राय
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 11 फरवरी 1980
मोहर :

प्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) का
प्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) का

धारा २६९-ग (१) के प्रधीन सूचना

आरत सरकार

कार्यालय, राजस्वकान्यका करन्माला (नियोजन)

अर्जन थेट्र, भोपाल

भोपाल, ददोक ११ फरवरी १९८०

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/७९-८०/१४६६—
प्रता। मुझे दु० का० का० राय,

प्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके संपादनकारी अधिनियम कहा जाता है); की धारा
२११ के अधीन संकायों का विवर १ सम्पत्ति, जिसका उचित
विकार २३३०००/- रुपये में अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो आवास भौमिका है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी कार्यालय साझरमें समिस्तीकरण अधिनियम, १९०८
(१९०८ का १६) के अधीन, १२६-१०२९ को—।

पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार भूम्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मझे यह
विवास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का
उपर्युक्त छोड़ने, उसके वृक्षों, प्रतिकल के से, ऐसे
वृक्षों का अनुसूचित करना अवैध है और
अन्तरिक्ष (अन्तरक्ष) का अनुसूची (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रनारक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय अधिकार अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, १९२२ का
धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सविस्ता के लिए;—।

अतः, अब, उक्त अधिनियम को धारा २६९-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग की उपधारा
(१) के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्यों सम्पर्कित—।

८-४७६GI/79

(१) श्री रामेश्वर प्रसाद पूर्व श्री पंडित जगन्नाथ प्रसाद द्वारा,
मानीचरी मोहल्ला, सागर।

(प्रत्यन्तरका)

(२) १. सर्वेश्वर मुख्य भाई पूर्व श्री पंडित जगन्नाथ प्रसाद द्वारा
भाई पूर्व श्री रामजी भाई पटेल व ३. हीरली
भाई पूर्व श्री जेठा भाई पटेल, भगवानगंगा, सागर।

(प्रत्यन्तरी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई कठिनी नहीं;

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन का तारीख से ३००
दिन की प्रतिधि या उसके अधिक समय से अधिक अधि-
तोमील में ३०० दिन की प्रतिधि, जो भी प्रतिधि वादाएं
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर अवधि तो भी भी
अक्सर अधिक्षित होता है।

(ख) इस सूचना के उत्तरान्तर सम्पत्ति के उत्तरान्तर सम्पत्ति के
द्वितीय भीतर लगातार सम्पत्ति के उत्तरान्तर सम्पत्ति के
अन्य अधिक्षित द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी वे पत्र/क्रिकिल
में किए जाएंगे।

संघीकरण:—इसमें अनुशृणु गव्यों और पूर्वान्तर अधिनियम के अध्याय २०-क में विवरित है। अहीं
दर्श होता है, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूल का प्लाट माप २०,२९० वर्गफूट स्थित भगवान गंगा
बाड़, सागर।

११८ का० राय

संस्करण प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (नियोजन)

अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक ११० फरवरी १९८०

मोहल्ला

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन थेन, भोपाल

भोपाल, विनांक 11 फरवरी 1980

निर्देश सं० श्राई० ए सी/एसी/भोपाल/79-80/1467—
अतः मुझे, कृ० कॉ० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व (1) के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भाटापारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, भाटापारा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 13/6/1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरित में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से द्वारा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय किसी अन्य आयस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः; अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राम कुमारी बाई पत्नि श्री हरी शंकर मिश्र,
भाटापारा, जिला-रायपुर।

(प्रतरक)

(2) सर्वश्री (1) कृष्ण कुमार व (2) श्री सुभाष कुमार
दोनों पुत्र श्री मुन्नालाल अभिभावक श्रीमुन्ना लाल
जयसवाल पुत्र श्री नन्द लाल, भाटापारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बल्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोद्धरणार्थी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

दृष्टिकोण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिखाया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान पी० एच० नं० १५ स्थित ग्राम हथूरी,
भाटापारा, जिला-रायपुर।

कृ० कॉ० राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजेन रेज, भोपाल

तारीख : 11-2-1980

मोहर :

प्रलूप भाई० टी० एन० एस०——
 प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ग (1) के अधीन मूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 11 फरवरी, 1980

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/79-80/1468:—
 भ्रतः मुझे, कृ० कॉ० राय, 78
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थापत्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- ८० प्रे प्रधिक है
 और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो सागर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ९-६-१९७९ को (वार्षिक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँह यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और उक्त प्रधारक (अंतर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वितीय दृष्यमान से उक्त प्रधारण के लिए उप पाया गया प्रतिफल, निम्ननिम्नित द्वितीय से उक्त प्रधारण निवित में बास्तविक रूप से नियित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई दिल्ली भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वितीय में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी दिल्ली भाय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नड़ी किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए।

बता: यद्यपि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिम्नित व्यक्तियों, वर्षीय:—

- (1) श्री रामेश्वर प्रसाद पुत्र पंडित श्री जगन्नाथ प्रसाद दुबे, शनीचरी मोहल्ला, सागर।
 (प्रत्यक्ष)
 (2) श्री सोम जी भाई पुत्र श्री लड्डा भाई (2) लाल जी भाई पुत्र श्री प्रेम जी भाई और (3) मेघ जी भाई पुत्र श्री नारायण भाई पटेल, भगवानगंज वार्ड, सागर।
 (प्रत्यक्षित)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधारियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेप:—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापत्र सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखते में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही प्रथे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट माप 20,299 वर्गफुट स्थित भगवान गंज वार्ड, सागर (म० प्र०)।

कृ० कॉ० राय,
 सकम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 11-2-1980.

मोहर :

प्रसाद प्राह्लदी एवं एस०(१४)

प्रायुक्त विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
विधा 249 (1) के प्रभाव सुन्दर

भारत सरकार

क्रायलिय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन थेला, भोपाल

सोपाल, दिनांक 11 फरवरी, 1980

निर्देश सं० प्राई ए सी/एक्सी/भोपाल/79-80/1469:-
 ग्रामः मुझे, कु० का० राय,
 आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् उक्त भविनियम कहा गया है),
 की वारा 269-व के अधीन संघम प्राधिकारी को, यह
 विष्वास वस्ति का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका
 उपचान बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
 और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो सागर में स्थित है (और इससे
 उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्टा
 भूधार्यादि के कार्यालय, सागर में जिस्ट्रीकरण मध्यनियम, 1908
 (१९०८-का १६) के अधीन, तारीख ७-६-१९७९
 सौदाहरणा कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से ज्यादा के दृष्टिकोण
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे अब विष्वास

मोश्वरकृत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है, और भूमि भड़क विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पूर्णप्रतिशत अधिक है और प्रभारक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिक्ष के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित चबूत्र से उक्त अन्तरग लिखित में वास्तविक रूप से कठित रही किया गया है:-

(क) अन्तर्राज से हुई किसी प्राय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायदित में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य आस्तियों को, जिनमें भारतीय ग्रामकर घण्टियम, 1922 (ल०१२-३०५४ ल०१०), ०५० अप्र०१० घण्टियम, या घन कर अधिनियम १९५७ (१९५७ ल०१० संवि०२७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने विषय के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्त संरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज को^{१०८} उद्धारा, (P) के जघीन, चिन्मलिङ्गि ग्रन्तियाँ अर्थात्:—

(१) श्री रामेश्वर प्रसाद पुढे पंडित आगमनाथ प्रसाद पुढे,
शनीवरी मोहुल्ला, सागर ।

(प्रत्यारक)

(2) सर्वश्री (1) मदन जी भाई पुत्र श्री शिवजी भाई पटेल, (2) रंतक जी भाई पटेल पुत्र श्री राम जी भाई पटेल (3) जंता भाई पत्र श्री ग्रन्जन भाई पटेल नियासी भगवान गंगा बाड़, सागर ।

(प्रत्यक्षिती)

को यह सूचना (अंतर्राष्ट्रीय करकार) पूर्वविभाग समाजसर्कार के अधीन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पादक के प्रबन्ध के सम्बन्ध में काहा भाषा अस्तित्व प्रकृति

(क) इस सूचना को एप्पल म प्रकाशनों को तारोखास 45 दिन की अवधि या तर्सेक्सी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकाशनों व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्तिगत रूप से

(७) 'हम सूखना' के राजपत्र में 'प्रकाशन की तारीख प्रस्तुत है
45 दिन के बीतरे उक्त संघर्ष समिति के पहले बय
किसी 'अन्य अद्वितीया अशोहस्त्रारी' के पास
लिखित में किये जा सकते

ज्ञानदीक्षा का अनुसार अमरपुरा ज़िले में अमरपुरा का, जो उक्त अधिकारियों के अध्याधार 20-के परिसरालियह है, वहाँ स्थान होगा जो उस अध्याधार में दिया गया है।

अनसवी

भूमि काटसाह मास 13002 अर्पणकुट सिन्धु भगवत्त गंड, वार्ड,
सामर।

कुमार कां० राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण)
विजेन्द्र रेणु, भोजपुरल ।

तारीख : 11 फरवरी, 1980
मोहर :

क्रमांक संख्या: वीड़ी-एन-१०३७८५

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा

269-व(1) के मध्यीन सूचना

भारतीय संसद

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायकर (निरीकण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फरवरी, 1980

सं० भाई एसी/एक्चरी/भीवाल/79-80/1470—ग्रन्ति: मुझे,
कृ० कां० राय,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
को धारा 269-व(1) के मध्यीन संकेत प्राधिकारी को, यह विवाह संसद
के लिए कारबंध किए जाने के संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹25,000/- हरि से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो सागर में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 के 16) के मध्यीन, 9-6-1979

की पृष्ठभूमि शैली के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
कल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मगे यह विवाह संकेत करने का
कारण है कि यथा प्रौढ़कर्ता संपत्ति का संवित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पक्का ह प्रतिकल से
अधिक है और प्रभारक (प्रभारकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों)
के बीच इसे मनुष्यको लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अनुसूचणा लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के व्यवीन कर देने के प्रत्यक्षक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन्तमा क्षत्याकालिकों की
को जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
शक्ति वाहिए था, कियाने में मूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व(1) के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) की अधिकारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दसोप्रकार प्रसाद पुत्र पंडित अगम्बाल प्रसाद द्वारा,
शनीचरी मोहल्ला, सागर।

(2) सर्वेश्वरी (1) बेल जी भाई पुत्र श्री प्रेम जी भाई,
(2) प्रेम जी भाई, पुत्र श्री शिवाजी भाई (3) लक्ष्मा
भाई पुत्र श्री मूल जी भाई, निवासी—भगवान गंग बाड़,
सागर।

(निरीकण)

को यह सूचना १५ दिनों में संपादित करने के लिए अनुमति दी गयी है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में क्षेत्री भी अधोलिपि :—

(ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रक्रिया या उससंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
वापरीकरण से 30 दिन की प्रक्रिया, जो भी प्रवाधि कानून में
प्राप्त होती है, तो उक्त द्वारा प्रश्नोत्तर, अधिकारी ने
से किसी क्षमिता द्वारा;

(इ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्नोत्तरार्थी के पास
निविदा में किए जा सकेंगे।

स्थावरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधानाय 20-के
परिभाषित है, वही प्रय हागा, जा उस
अध्याय में दिया गया है।

असूसची:

सूमि कम प्लाट, माप 16, 45, 1 कर्पुद स्थित भगवान गंग
कर्प, सागर।

कृ० कां० राय,
संसदीय प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायकर (निरीकण)
अर्जन रेज, भोपाल
तारीख: 11 फरवरी, 1980
मोहर :

प्रधान आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन सेवा, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फरवरी 1980

निदेश सं० आई० ए सी/एक्सी/भोपाल/79-80/1471:—
अतः मुझे, कू० कौ० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इससे
उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-6-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कषित
किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आवश्यकता के बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
द्वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सन न, म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अपत्ति:—

(1) श्री नील रत्न बनर्जी पुल स्व० श्री शिव चरण बनर्जी
1416/8, बी-10, गुप्तेश्वर रोड, मदन महल,
जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्नेहलता मालवीय पति श्री हुणोविन्द
मालवीय सहायक कीट विज्ञानी, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्तिद्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से द्वितीय किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोगशाली के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रय होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 80, माप 2800 वर्गफुट खसर म० 342,
गुप्तेश्वर वाड़, जबलपुर।

कू० कौ० राय,
सक्षम प्राधिकारी,
(निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त),
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 11 फरवरी, 1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन धोन्न, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 1980

निदेश सं० आई ऐ सी/एक्वी/भोपाल/79-80/1472:—
अतः मुझे, कु० कां० राय,
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-6-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यातः:—

(1) श्री श्याम राव छोटे राव गोव शिंदे देगौर पार्क कालोनी, खरगोन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्दा बाला पति श्री पारसमल मेहता 20/3, नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रवोहस्तान्त्री के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान रकवा 1663 वर्ग फुट स्थित 3/3, नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर।

कु० कां० राय
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12 फरवरी 1980

मोहर :

प्रधानमंत्री को द्वारा उक्त एकांक (१) —

आयकर प्रधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६०-ए.(१) के प्रधीन सूचना—

भारत सरकार

(कोर्टीनिय, महायकर आयकर प्रधिनियम (निरीक्षण))

प्रर्जन ब्लैक, भोपाल

भोपाल, डिसेंबर १२ फरवरी १९८०]

निदेश सं० आई. ए. सी/एक्वी/भोपाल/७९-८०/१४७३:—
अतः मुझे कु० क०० राय,

आयकर प्रधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा २६०-ए के प्रधीन समम प्रधिकारी को, यह विवाह करने को कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका घटित मूल्य २५,०००/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० मंकोन (धौंगा) है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, २-६-१९७९ को एकोन सम्पत्ति के घटित आजार मूल्य से अन्तर के अवधारणामें प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि प्रधानमंत्री के सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पद्धत प्रतिक्रिया से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित अद्यत्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से घटित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यरण से हुई किसी पाय की वावत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एकेसी अक्सीडेंसी का लिखी धूत याचन के वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त प्रधिनियम या आयकर प्रधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा ब्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लियाः।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की अनुसूची २६०-ए की अनुसूचणा में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा २६०-ए की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(१) श्री मनोहर दास उक्त मनोहर कुमार पुत्र श्री अन्दी रमानी द्वारा श्री मरली भर पद श्री देवी दास अन्दी रमानी २९ वैद्यराम ब्रह्मण्ड भोपाल।

(अन्तरक)

(२) (१) श्री मोहम्मद ईशाक पुत्र श्री मोहम्मद ईसमाइल व (२) श्रीमति मुस्लिम बी पति श्री मोहम्मद ईशाक, ईश्वरीहुर पुरा, औपाल।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना धारा करके पुनरावत सम्पादन के बावजूद अन्तरिती करना चाहता है।

उक्त सम्पत्ति के घरें के सबै भू कोइ भी अंगूष्ठ:

(क) इस 'सूचना' के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों परे सूचना की सामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में सकाशन की द्वारा द्वारा ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्तरिती की पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधानाय २०-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधानाय में दिया गया है।

अनुसूची

चार मंजिला मकान का भाग एकड़ा २७० बर्ग फट स्थित टोल वाली मस्जिद के पास, शायी जाता रोड, भोपाल।।

क० क०० राय,
समाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
प्रर्जन ब्लैक भोपाल

तारीख: १२ फरवरी १९८०,
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटीडी० एन० एम०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
बारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 1980

निदेश सं० आई० ऐ० सी०/एक्टी/भोपाल/79-80/1474:—

अतः मुझे, कु० का० राय,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा याया है), की बारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा०
प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रम के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रम से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिक्रम का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और प्रमत्तरक
(प्रमत्तरकों) और प्रमत्तरिती (प्रमत्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रमत्तरण के लिए तथा याया याया प्रतिक्रम, निम्नलिखित
उदाहरण के उक्त प्रमत्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया
नहीं किया गया है:—

(क) प्रमत्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन करदेने के प्रमत्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व की उच्चारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धतः:—
9-476GI/79

(1) श्री हीरालाल पुल श्री शंकर लाल भावसार 265,
तिलक नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश पुल श्री मुलक राज कपूर 25/26, लुपराम
नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में होई भी आलोचना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भंजिला मकान रकमा 1880 वर्ग फुट स्थित 265 तिलक
नगर, इन्दौर।

कु० का० राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 12 फरवरी 1980

निदेश सं० आई० ऐ सी/एक्बी/भोपाल/79-80/1475:—
अतः मुझे, कृ० का० राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो भोपाल में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 11-6-1979
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट सही किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः:—

(1) श्रीमति धर्मा बाई पत्नि श्री चिमन दास निवासी ईद
गाह हिल्स, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री सुन्दर दास पुनर श्री ईश्वर दास 103, पदम नगर
कालौनी, खण्डवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पूर्ण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 22 का भाग प्लाट नं० 17 माप
1685 वर्गफुट स्थित हाजी करीमबक्श कालौनी, छोला,
भोपाल।

कृ० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-2-1980

मोहर :

प्रखण्ड घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 1980

निदेश सं० आई ऐ सी/एक्वी/भोपाल/79-80/1476:—

मतः मुझे, कृ० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन संधार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मिलान (भाग) है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख

11-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (अन्तरकी) और पर्याप्तरती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निखित में वास्तुविक रूप से रुक्षि : नहीं किया गया है :—

(३) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त विवरण, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरण के वावित्य में कमी करने या उससे उच्चने में सुविधा के लिए, और/वा

(४) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्राप्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसर में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्रीमती धर्मी बाई पलि श्री चिमनदास ईदगाह हिस्स, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री टिलू मल पुत्र श्री हरधर दास सिन्धी मार्केट, वर्तमान 23, करीम बक्श कालौनी, छोला, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्रेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योद्यस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योकरण :—इसमें प्रयुक्त 'शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मिलान नं० 23 का भाग, प्लाट नं० 19 रक्षा 1673.40 वर्गफुट स्थित हाजी करीम बक्श कालौनी, छोला, भोपाल।

कृ० का० राय;
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12 फरवरी 1980

मोहर :

प्र० श्री आई० टी० एम० एस० —————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 1980

निवेदण मं० आई० ऐ० एम० एस०/भोपाल/79-80/1477:—
अतः मुझे, क्र० का० राय,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्टा अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-6-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिगाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उआया (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात्:—

(1) श्री उमेद लाल व श्री गुलाब चन्द दोनों पुत्र श्री खेम
चन्द निवासी इश्वारिम गंज नं० 3, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती गीता बाई पत्नि श्री जमना प्रसाद व
(2) श्री अरुण कुमार पुत्र श्री जमना प्रसाद द्वारा
श्री गीरी शंकर पुत्र श्री जमना प्रसाद चौरसिया, घाटी
भड़ू जा, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के व्यवस्था के
लिए कार्यालय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के व्यवस्था के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किये गये व्यक्ति द्वारा ग्रन्थान्तरी के पाप
निवार में किए जा सकेंगे।

दण्डोकरण:—इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिप्रेक्षित हैं, वही
ग्रन्थ होगा जो उम ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंत्रिना मरुत पक्का रक्का 490 वर्गफट स्थित 8/2,
इश्वारिम गंज, भोपाल।

क्र० न०० राय,
मक्कम प्राविकारी,
सहायक ग्रामकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज भोपाल।

तारीख 12 फरवरी 1980।

मोहर:

प्रकल्प धाई० टी० पन० एव०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के प्रधीन मूल्य

भारत सरकार

कार्यालय, सदृश्यक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 फरवरी, 1980

निवेश सं० के० एन० एल०/16/79-80:—ग्रतः मुझे,
गो० मि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन 24 बीघे 19 विस्वे है तथा जो गांव
पुन्दरक जिला करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्ष भी गई है और मुझे यह विद्वास
करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत प्रदिक्षित है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के निए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृश्य से उक्त प्रत्यक्षण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आवय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन बर करने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आवय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाबंध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, जिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के
अनुसार ये, ये, उक्त अधिनियम को धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, ग्रहणित :—।

(1) श्री रणधीर सिंह सपुत्र श्री सुलतान सिंह सपुत्र श्री मदा
उर्फ मदरा श्रीमति लक्ष्मी विद्वाव, श्रीमति सुलतानी
सुमित्रा सपुत्रीया श्री मदा उर्फ मदरा निवासी पुन्दरक।
(अन्तरक)

(2) डॉक्टर भुमेर चन्द्र सपुत्र श्री नर्थू मल चौड़ा बाजार
करनाल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आदे करके त्रूटीय प्रमाणि के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त प्रमाणि के अर्जन के प्रमाणि में कोई भी प्राप्तेर 1—

(३) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधि मा उत्तमस्थी अवक्षियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी
प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवक्षियों में से किसी अवक्षित द्वारा;

(४) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त दृश्यमान सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी ग्रन्थ अवक्षित द्वारा, ग्रन्थोदस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीतरग—इनमें यदुत गढ़ों और एदों का, जो उक्त
अधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं प्रथं होता जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 24 बीघे 19 विस्ते जोकि गांव पुन्दरक जिला
करनाल में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्री
कर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2334 दिनांक
21-6-1979 में दिया गया है।

गो० मि० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सदृश्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक।
नामांक्षणिक : 6-12-1980
मोहर :

प्रकाश प्राईटी • एन • एस—

आयावर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 फरवरी, 1980

निदेश सं० एस० आर० एस०/30/79-80:—अतः मुझे,
गो० मि० गोपाल,
आयावर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के प्रभीन सञ्चाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 4035-4041 नौहरिया बाजार
है तथा जो मिरमा में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिरमा
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख, जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से ही किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के प्रभीन कर देने के अस्तरक
के वायित्व में कर्ता करने वा उक्ते उच्चने में
सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी उन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या बन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के बिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुस्तरमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री कन्हैया लाल सपुत्र श्री राम लाल निवासी 24-ए
रविन्द्रा श्रेणी कलकत्ता-73।

(अन्तरक)

(2) श्री मनी राम सपुत्र श्री शिव राम मकान नं० 4035-
4041 करनानीया बाली गली, नौहरिया बाजार
मिरमा।

(अन्तरिती)

(3) 1. श्री भीकम चन्द
2. श्री जफार हुसैन,
3. श्री जलू राम
4. श्रीमति राम प्यारी।

(वह अप्रिक्त जिसके अनिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पब्लिक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी छापेय।—

(क) इस पूर्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में
से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिकत द्वारा अप्रोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रबोध 269-ए में
परिभ्रान्ति हैं, वही पर्याप्त होया, जो उस प्रबोध
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 4035-4041 जोकि करनानीया गली
नौहरिया बाजार मिरमा में स्थित है और जिसका अधिक विवरण
रजिस्ट्रीकर्ता सिरमा के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2612 दिनांक
10-7-79 में दिया गया है।

गो० मि० गोपाल,
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 6 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०——

(1) श्री जगदीश नाल मरान मण्ड थी राम नाल मदान
जगाधरी।

(अन्तरक)

प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 फरवरी 1980

निदेश सं० जे० डी० आर०/5/79-80—ग्रतः मुझे,
गो० सि० गोपाल,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से प्रधिक है

और जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग 1853 मूर्गगज है तथा जो
मुकर्जी पार्क, जगाधरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,
जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, तारीख जून, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तत्पर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रधानिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(2) मैमर्स मन्त्र अलोक उधोग, मुकर्जी पार्क, जगाधरी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्वन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवृद्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवृद्धि, जो भी प्रवृद्धि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जोकि फैक्ट्री बिल्डिंग जमीन जोकि 1853
वर्ग गज है तथा मुकर्जी पार्क, जगाधरी में स्थित है तथा जिसका और
प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री
क्रमांक 1587 दिनांक 26-6-79 में अंकित है।

गो० सि० गोपाल
मक्षम प्राधिकारी
महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

ग्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्यक्षरण में,
मै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 7-2-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 फरवरी 1980

निदेश सं० के० एन० प.ल०/23/79-80—अतः मम्मे
गो० मि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 4 बीघे 2 बिस्ते जमीन है तथा जो करनाल में स्थित
है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई,
1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मम्मे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी हिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाः—

(1) (i) मीं मांगे चाहूँ श्री पूर्ण गिंह मालूम श्री नाशगण, (ii)
श्रीमति मन भरी विश्वा श्री हेत राम, (iii) श्री चमेल
मिह, श्री बलजीत मिह मणुत्रान श्री लक्ष्मण निवासी
मीठन मोहनला, कस्बा करनाल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति कुलवन्त सेठी पत्ति श्री प्रताप चन्द्र सेठी, निवासी
माल रोड, करनाल शहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजनीत में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
संतुष्ट होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनीत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदण्ड
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोत्साक्षारी के पाज लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधाराय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अधाराय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 4 बीघे 2 बिस्ते जमीन जो कि शहरी इलाके करनाल
में हिस्ता है तथा जिसमा और प्रविस्त विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल
के नारीनप में रजिस्ट्री क्रमांक 2754 दिनांक 3-7-79 में अंकित
है।

गो० मि० गोपाल
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 7-2-1980

प्रोटोटर :

पढ़प आई०टी०एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 फरवरी 1980

निदेश सं० जी० आर० जी०/18/79-80:—अतः मुझे,
गो० मि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को
धारा 269-व के प्रधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 23,000/- रु० में प्रधिक है

और जिसकी सं० भूमि 71 कनाल 13 मरले हैं तथा जो गांव
भौड़सी जिला गुडगांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाख्य अनुमती
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
गुडगांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, तारीख जून 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के लिए प्रमुखित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान
प्रतिफल का प्रमुख प्रतिशत प्रधिक है और प्रमत्तरक
(भन्तरकों) और प्रमत्तरिती (प्रमत्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्वरण के लिए तब आया था प्रतिफल, निम्नलिखित
उक्त उक्त प्रमत्तरण निषित में वास्तविक रूप में उचित
नहीं किया गया है —

(क) अन्वरण में दुर्लक्षित किसी आय की वावन, उक्त अधिनियम
के अंतर्गत कर देने के प्रमत्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में मुक्तिशा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना ताहिं था, लियाने में
मुक्तिशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
प्रधीन, निम्नलिखित अधिनियम, प्रवाति:—

10—476GI/70

(1) श्री मदन नाल मधुत श्री गिव प्रमाद कस्तूरी अंगरी,
सुरनी मधुतियां गिवप्रमाद श्रीमति भगवानी पत्नी
श्री गिव प्रमाद, रेलवे कालोनी, मेन्डूल पलेस, बाबर
रोड, न्यू देहली ।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री ओम प्रकाश मधुत कैप्टन फॉर्म चन्द, ई-
278, नारायण विहार, नई दिल्ली, (2) श्रीमति कृष्ण
कान्ता पत्नी श्री ओम प्रकाश, निवासी ई-278,
नारायण विहार, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में होई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में इकान की तारीख
से 45 दिन की प्रबंधि या तस्संबंधी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि,
ओ भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी प्रथम अधिक द्वारा, प्रथोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

प्रबंधोक्तरण :—इसमें प्रपूरा गम्भीर पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति 71 कनाल 13 मरले भूमि जोकि गांव भौड़सी जिला
गुडगांव में स्थित है तथा जिसका और प्राधिक विवरण रजिस्ट्री-
कर्ता गुडगांव के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1522 दिनांक
30-6-79 में दिया गया है ।

गो० मिह गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 7 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०—————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 फरवरी 1980।

निदेश सं० एफ० टी० वी०/10/79-80—अतः, मूल्ये,
गो० सि० गोपाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए०
से अधिक है

और जिसकी सं० 70 कनाल 18 मरले भूमि है तथा जो कि गांव
करनौली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फतेहाबाद
में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरोग के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरोग लिखित ने
प्रत्यरोग रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रस्तरित
द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना
आहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ए के प्रनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यां, अर्थात् :—

(1) श्री बन्दा सिंह सपुत्र श्री गुरबक्स सिंह सपुत्र श्री नरथ
मिह, गांव करनौली तह० फतेहाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मम्पुर्ण भिह मपुत्र श्री नाल मिह मपुत्र श्री हकीकत
सिंह, गांव करनौली तह० फतेहाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के
लिए कार्यवादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवित्यां पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यां में से किसी अवित्यां द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अवित्यां द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि जोकि 70 कनाल 18 मरले व गांव करनौली
तह० फतेहाबाद में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण
रजिस्ट्रीकर्ता फतेहाबाद के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1616
दिनांक 15-6-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 7 फरवरी, 1980
मोहर :

प्रस्तुप आई०टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 फरवरी 1980

निदेश मं० डी० एल०आई०/6/79-80:—अतः, मुझे, गो० मिह० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ब के अधीन संभव प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० कुपि०भ०मि 173 कनाल 15 मरले हैं तथा जो कि रेवन्यू ईस्टेट बल्लबगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्षहूँ प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के व्यापक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी व्यवय या प्रम्य आसितियों को, जिन्हे आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या व्यवन्वकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की आरा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-ब की उपाधारा (1) अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स मोटर एन्ड जनरल काइनेन्स लिमिटेड, ग्रासफ अली रोड, न्यू देहली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स एम्कार्ट्स जै० सी० बी०, एच/2, कनाट सरकम, न्यू देहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्त्वसम्बधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोदृष्टाकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख सब्दों घोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रमाण में दिया गया है।

ग्रन्ति

सम्पत्ति कुपि०भ०मि 173 कनाल 15 मरले जोकि रेवन्यू ईस्टेट बल्लबगढ़ में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता देहली के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 320 दिनांक 27-6-79 में अंकित है।

गो० सि�० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 7 फरवरी, 1980
मोहर :

प्रस्तुप भाई० दी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 फरवरी, 1980

निवेश सं० पानीपत/11/79-80:—प्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी स० भूमि 48 बीघे 3 बिस्ट्रे है तथा जो कि पट्टी राजपूतान पानीपत में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपाखद्ध अनुसूची में और पूण रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के प्रधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, प्रत्यक्तः—

(1) श्रीमति विमला चौधरी विधवा लक्ष्मण दास निवासी, पानीपत।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री हृदयराम सपुत्र श्री लक्ष्मण दास सपुत्र श्री लोबीराम निवासी 421/8, पानीपत। 2. श्री सिंगू राम सपुत्र श्री लक्ष्मण राम, राम गोपाल, तेलू राम सपुत्रान श्री हृदयराम, 421/8 पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धान

सम्पत्ति भूमि 48 बीघे 3 बिस्ट्रे जोकि पट्टी राजपूतान पानीपत में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्री कर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1847, दिनांक 13-7-1979 म दिया गया है।

गो० सि० गोपाल,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 8-2-1980
मोहर :

प्रकाश प्राई. टी. एन. एस.—

(1) श्री प्यारा मिह पुत्र किशन मिह गांव नागरा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) 1. श्री बलवंत मिह पुत्र प्रेम मिह, 2. नरन्जन कौर
पत्नी बलवंत मिह 3. बलदेव मिह पुत्र बलवंत मिह
92, रेडीओ कालोनी, जलन्धर।

(अन्तरिती)

269-ख(1) के अधीन सूचना

(3) जैमा कि ऊपरन ० २ मे है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है।)

भारत सरकार

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है।)

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 4 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० पी० न० 2032—यतः मुझे, बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एप्यू से अधिक है।

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
मक्कूदपुर में स्थित है (आंतर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 22-6-1979

को वर्तमान सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ने रूप के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पापा गवा प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंध के अधिन्द में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायदाद जैमा कि विनेख न० 2587 दिनांक 22-6-79 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जलन्धर

तारीख : 4 फरवरी, 1980

मोहर :

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 4 फरवरी, 1980

निदेश नं० ए० पी० नं० 2033:—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जलन्धर मास्टर मोटा मिहनगर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और ग्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त प्रतिनियम, के अधीन कर देने के अवधारण के द्वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में मुश्किल के लिए। बी० दहिया

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन वा अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यकर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए वा, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रविनियम की धारा 269-प की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रजिन्द्र मिहनगर हरनाम सिंह मोहला करार खान जलन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरदर्शन कौर पस्नी जोगिन्द्र सिंह डब्ल्यू० एस०-२ बस्ती गूजां जलन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जयदाद जैसा कि विलेख नं० 1818 दिनांक जून 1979 को रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी जलन्धर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, जलन्धर।

तारीख : 4 फरवरी, 1980।

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, विनांक 4 फरवरी, 1980

निवेश सं० ऐ० पी० 2034:—यतः मुझे, बी० एम० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव कन्थाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-6-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रभारण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चद्देर्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें सार्वत्रीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व(1) के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व(1) की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन रेंज, जलन्धर।

(1) श्री राम प्रकाश सकद्वी पुल दीवान चर्च 41/2
बाहुलगड़ रोड़, सोनीपत।

(अन्तरक)

(2) श्री सवरन सिंह पुल फकीर मिठु गांव कन्थाना गूरु
तहसील जलन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह अवित, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जो अवित सम्पत्ति में इच्छा रखता हो।

(वह अवित, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथित के
लिए कार्याद्वियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंड़व में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवितों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितों में से किसी अवित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अवित द्वारा, प्रावृद्धस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रद्याय 20क में परिमापित हैं, वही प्रबंध होगा जो उस प्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 1755 जून 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, जलन्धर।

विनांक : 4 फरवरी, 1980।

मोहरः

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 फरवरी 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2035:—यतः मुझे, बी० एस० वहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संतप्त आदिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जलाला-बाद गरबी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव्यंति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात्:—

(1) श्री पश्चन कांत पुत्र श्री उम प्रकाश पुत्र तुकम चन्द टंडन वासी जलाला बाद गरबी तहसील फाजिल्का, जिना फिरोजपुर। (अन्तरक)।

(2) श्री जीत मिहू, अवतार मिहू, मुख्तियार मिहू, हरमीत मिहू पिसरान गुरबज्जा मिहू पुत्र वरबारा मिहू वासी जलाला बाद गरबी तह० फाजिल्का। (अन्तरिती)

(3) जैमा कि ऊपरनं० 2 में है।
(वह अवक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो अवक्ति सम्पत्ति में शक्ति रखता है।
(वह अवक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए रायवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्षियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षियों में से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध हिसी अन्य अवक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिचायित हैं, वही प्रत्येक होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा अवक्ति जैसा कि विलेख नं० 1099 दिनांक जून, 1979 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फाजिल्का में लिखा रखा है।

बी० एस० दहिया,
मक्षम अधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 11 फरवरी 1980

मोहर :

ब्रह्म प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, प्रशासन आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 11 फरवरी 1980

निवेदण नं० ०३० नं० 2036—यतः मुझे, बी० एस० दर्शया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पालनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिपकी यं० जैसा कि अनुमूली में लिखा है नथा जो गांव अबाला जटा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मूगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गायापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यारिती (प्रत्यारितियों) के बीच ऐसे असरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल अधिनियम उद्देश्य न उत्ती प्रत्यरोग निष्ठित में वास्तविक रूप से नहिं नहीं किया गया है।—

(6) उक्त धारा 269व का पार हो गवा, उक्त अधिनियम के अधीन करदन न भन्तरह में दायित्व में कभी करने पा उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(7) ऐसी किसी पाय या किसी बन या प्रत्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के लिए,

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रयुक्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन अधिनियम व्यक्तियों, अर्थातः—

11—476GI/79

(1) श्री निरमल मिह पुत्र नाम मिह पुत्र गांव जहूरा पुनिम स्टेशन टाडा जिला हुशियारपुर।
(अन्तरक)

(2) श्री जुगिन्द्र मिह महीन्द्र मिह पुत्र जीत मिह मनोहर मिह पुत्र नथा मिह पुत्र देवी चन्द गांव अबाला जटा पुनिम स्टेशन टाडा जिला हुशियारपुर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचिन रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्त्यावन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमापित है, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धान

सम्पत्ति नथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1021 दिनांक तुराई 1979 में रजिस्ट्रीकर्ता प्रत्येक जारी मूगा में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया,

नक्षप्र प्राप्तिकरी,

प्रशासन आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 11 फरवरी 1980

मोहर :

प्रकल्प प्राई० टी० एम० एस०—

बाबत प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की वारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत बाबत

कामीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 फरवरी 1980

निदेश सं० प० पी० 2037—यतः मुझे, बी० एम० दहिया,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-ग
के अधीन संक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से प्रधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
अंवाला जट्ठा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीर्हर्ता अधिकारी के कार्यालय
भूंगा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन तारीख जुलाई, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तिरत की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपि उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (प्रमत्तरकों) और अन्तरिती (प्रमत्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चर्देश्य से उक्त प्रनालण निखिल में व्याप्तिक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(6) प्रनालण से हुआ इन्हा प्राप्ति की बाबत, उक्त प्रधिनियम
के प्रयोग कर देने के प्रतिक के दायित्व में कपी करने
या उससे बचने में सक्षिका के लिए; और/या

(ख) ऐपो किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासितियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाही दा, दियाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की वारा 269-ग की उपचारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री निर्मल मिह पुत्र श्री नाभ मिह पुत्र श्री शेर मिह गाव
जहुरा पुलिस स्टेशन टांडा तहसील बसुहा जिला
होणियारपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरमेज कोर पत्नी श्री निर्मल मिह पुत्र श्री नाभ
मिह गांव अंवाला जट्ठा पुलिस स्टेशन टांडा तहसील
ओर जिला होणियारपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो अवित सम्पत्ति में छुनि रखता है।

(वह अवित, जिनके बारे में ग्राहो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संभव में कोई भी ग्राहोः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में स्थित व्यक्ति किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास लिन्दित में
किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विनेद नं० 1020 दिनांक
जुलाई 1979 को रजिस्ट्रीर्हर्ता अधिकारी, भूंगा में लिखा गया
है।

बी० एम० दहिया

संक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 11-2-1980

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आय
269वं (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 फरवरी, 1980

निवेश सं० ए० पी० 2038—यत् मुझे, बी० एस० बीहोया,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन संकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी

सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव अंबाला जट्ठा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा प्रधिकारी के कार्यालय भूगा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एक ही प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधिनियम के प्रवीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन पा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवति:—

(१) श्री जगा सिंह पुत्र श्री देवी चन्द्र पुत्र श्री नरेण सिंह, गांव अंबाला जट्ठा तहसील और जिला होशियारपुर।
(अन्तरक)

(२) श्री मोहन सिंह पुत्र श्री हरदिवाल सिंह पुत्र श्री सद्दी और श्रीमती जोगिन्द्र कौर पत्नी मोहन सिंह पुत्र हरदिवाल सिंह, गांव अंबाला जट्ठा तहसील और जिला होशियार पुर।
(अन्तरिती)

(३) जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है।
(वह अवक्त, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(४) जो अवक्त सम्पत्ति में हस्ति रखता है।
(वह अवक्त, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवक्त के लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवक्त के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से किसी अवक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर परों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा अवक्त जैसा कि विलेख नं० 689 दिनांक जून, 1979 को रजिस्ट्रीकर्टा प्रधिकारी होशियारपुर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया

संकाम प्रधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन्ट रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-2-1980

मोहर:

प्रस्तुति आई० टी० एम० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-ए (1) के प्रबोन्ह सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर दिनांक 11 फरवरी 1980

निवेश सं० ए० पी० नं० 2039:—यतः मुझे बी० एस० दहिया

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रमिल है और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है जो गांव हरदोयला तह० दसूहा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय दसूहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रभारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरण विवित में वास्तविक रूप व अधित नहीं किया गया है:—

(क) अनुरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तर्ती प्राप्त प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपषासण (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रणजीत सिंह पुत्र खजान सिंह मुख्तार खाम सुजान सिंह पुत्र के प्रमार सिंह गांव हरदोयला।

(अन्तरक)

(2) श्री मनकीन सिंह, बलजीत सिंह, स्वीन्द्र सिंह, मुरिन्द्र सिंह पुत्र हजारा सिंह गुरनाम सिंह पुत्र बलबीर सिंह गांव जलोटा तहसील, दसूहा।

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि ऊपरनं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुची रखता है।

वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन से प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में हिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है,

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1812 दिनांक जुलाई 1979 में रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी दसूहा में लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सकम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 11-2-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 फरवरी, 1980

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 2040:—यतः मुझे, बी० एस० बहिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उद्दा प्रविनियम' नहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन संभाल प्राधिकारी को यह विवाह संस्थान का कारब्द है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो तलबन्डी भाई में स्थित है (और इससे उपायद्वं अनुसूची में शीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय फिरोज पुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जूलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यान प्रतिक्रिया के लिए प्रस्तुरित को बई है और मझे यह विवाह करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृष्ट्याय प्रतिक्रिया पद्धति प्रतिशत प्रधिक है और यह (यस्तरका) और अस्तरियी (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिकरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दूर्द किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के द्वायकरण में दूर्दी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; दौर/दा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रतिनियम, 1951 छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उक्ताने में सुविधा के लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम की वा. १२८०। के प्रमुखरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्रीमती विद्या वती विधवा श्री बलबन्त राये पुत्र करोड़ी भल वासी तलबन्डी भाई।
(अन्तरक)

(2) श्री गुरदियाल सिंह पुत्र शेर सिंह श्रीमती मनवनाथ रानी पली गुरदियाल सिंह वासी तलबन्डी भाई तह० और जिला फिरोज पुर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना बारे उक्ते पूर्वान्त सम्पत्ति के गंत के निए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त उक्तानि के पर्वत के मम्बन्द में काँड़ भा घाजेप:—

(५) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्षम्भान्ती अधिकारी पर सूचना की तामाज से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रदाय बाद में समाप्त होती हो, के पीतर उक्तोंपन अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(६) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रतिनियम के प्रयोग 20-व में यक्त परिचयित हैं, वही यह होगा जो उस प्रयोग में दिया जवा है।

प्रत्यक्षी

सम्पत्ति तथा अधिकत जैसा कि विलेख नं० 2403 दिनांक जुलाई, 1979 में रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी फिरोजपुर में लिखा गया है।

बी० एस० बहिया,
संभाल प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 11 फरवरी, 1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्थर

जालन्थर, दिनांक 11 फरवरी, 1980

निदेश नं० ऐ० पी० नं० 2041:—यतः मुझे, बी० एस० द्वाहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जोरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 156) के अधीन, तारीख जून, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पक्का प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ब) ऐपों किसी आप या निसो ब्रन्त या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त नियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया तथा क्या जान च हिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः श्रव उक्त अधिनियम द्वी धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अर्द्धतः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विरज लाल पुत्र श्री दिया राम पुत्र श्री रंगी मल उर्फ़ ग्रंथी मल वा पदम कुमार पिसर मुतबना श्री किशोरी लाल पुत्र लबू राम वासी जोरा खास ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुन्ही राम पुत्र श्री जगन नाथ पुत्र श्री मूल चन्द वासी जोरा ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस पुंछना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस पुंछना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधान 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधानाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विनेश नं० 2327 दिनांक जून, 1979 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जोरा में लिखा गया है।

बी० एस० द्वाहिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्थर

तारीख : 11 फरवरी, 1980 ।

मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्राप्तकर प्राप्तकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 जनवरी 1980

निवेदन नं० ए० पी० नं० 2042—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दर्शके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव पनवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दसूहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इष्यमान प्रतिफल के बिना अन्तरेत की गई है पौर पुने छह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त व्यक्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तद पाया गया प्रतिफल निम्ननिम्नत उद्देश्य में उक्त प्रत्यक्षण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबा उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शास्त्रिय में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी जिसी आप या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्रह्मकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधानार्थ अन्तरिती दारा रक्ट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की व्याप्तिरा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों का प्रति :—

(1) श्री आसा सिंह पुत्र ईशर सिंह मिलखा सिंह पुत्र सुरजीत सिंह बासी गांव पनवा।

(अन्तरक)

(2) श्री जरनेल सिंह पुत्र बन्ना सिंह आदि गांव पनवा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में शुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को वह पूछना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(अ) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधानार्थ 20-क में परिवर्तित हैं, वही अर्थ होगा, जो उग प्रधानार्थ में दिया गया है :

ग्रन्तसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1141 दिनांक जून 79 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी दसूहा में लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राप्तिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 19 जनवरी, 1980

मोहर :

प्रसूप प्राई० ई० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रश्नीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, मन्त्रालय का आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 11 फरवरी 1980

निदेश नं० ए० पी० नं० 2043:—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्रायिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है।

मौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव हरदो-
गला में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दसूहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख प्रक्तुबर, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
मौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
निकित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(र) प्रत्यरण से हुई हिसी प्राय की वज्रत, उक्त अधि-
नियम के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए;
प्रौर/पा

(च) ऐसो किसी पाय या किसी प्रत या यन्य पारिनियों
को जिन्हे प्राप्त कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
मुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रवृत्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के प्रश्नीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रबृत :—

(1) श्री जगीर सिंह पुत्र श्री सुदागर सिंह गांव भाँगड़ा।
(अन्तरक)

(2) श्री बूदा सिंह दिलबाग सिंह, गुरदियाल सिंह, गुरदेव
सिंह सपुत्र सोहन सिंह गांव हरदोथला तह० दमूहा
जिला होशियारपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के
लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के स्वरूप में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना ही तारीख से 30 दिन को प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

हपड़ीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित
है, वही प्रबंध दोगा, जो उप प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2558 दिनांक
प्रक्तुबर, 1979 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दसूहा में लिखा गया
है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 11 फरवरी, 1980।
मोहर :

प्रस्तुप शाई० री० पून० एत०—

आरकर यज्ञनियम, 1961 (1961 का 43) की
शारा 389वा (1) के संबंधित मुद्रना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायकत (निरीक्षण)

श्रीराम रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2044—यतः मुझे, बी० एस०.
दहिया,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख
के प्रतीम संकलन माधिकारी को, यह विवास करने का कारब दे
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दु
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोट कपूरा रोड़, मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जन, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये भग्नतरित को गई है और मुझे वह विस्तार करने का कारण है कि वहाँपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और भग्नतरक (भग्नतरकों) और भग्नतरिती (अक्षतरितवाँ) के बीच ऐसे भग्नतरण के सिए तथा वाया ब्रिटिश, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भग्नतरण लिखित में बास्तविक कर के लिख नहीं किया गया है—

क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त प्रधि-
नियम के पश्चान कर देने के प्रत्यरक के दायित्व
में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(v) ऐसी किसी आदि या किसी घन या पर्यावरणीयों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोधनार्थ प्रस्तुरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी घाना आदि या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की घारा २६७-ए के व्यवस्थाएँ में
में, उक्त प्रधिनियम की घारा २६७-ए को उपलाई (1)
भव्यता, निम्नलिखित व्यवस्थाओं, अर्थात् ।—

- (1) कुमारी सवरन आनन्द पुत्री शूभ्री लाल भाटिया पुत्र
बिशन दास भाटिया, सुरिन्द्र कुमार भाटिया, (2)
मुदरेन कुमार भाटिया, (3) सुनीता भाटिया पुत्री
श्रीमती पार्वती भाटिया उक्त लाजवंती भाटिया विधवा
चूनी लाल भाटिया पुत्र बिशन दास भाटिया वासी
43, कीर्ति नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

- (3) श्री कृष्ण जुनेजा पत्नी हरबन्स लाल जुनेजा वकील पुत्र निमायत राये जुनेजा, बासी कोट कपूरा रोड, मक्टसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग म सम्पत्ति है)।

- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रष्टो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

उभा सम्पत्ति के प्रबन्ध के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरनभी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राज्यपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर सम्पति में हितवड़ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वचालीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उच्चता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय के में विध्या गया है।

प्रत्यक्षी

सम्पत्ति तथा स्वयंभूत जसा के विलेख नं० 1119, चिनांक
जून, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी मुक्तसर में लिखा गया
है।

बी० एस० इद्विया,
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालनधर।

तारीख : 12 फरवरी 1980

मोहर

प्रकाप घाई० दी० एस० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निवेश सं० ए० पी० नं० 2045—मतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्तर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मख्य में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 15 जून, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति वित्तियत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तथा पाया गया प्रतिभूति निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कार देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौरथा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की वारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की वारा 269-व की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमृत लाल पुत्र राम नाथ वासी, मखु तहसील जीरा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुदेश रानी पत्नी अमृत लाल वासी मखु तहसील जीरा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवृत्त के लिए कायदाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रवृत्त के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवृत्ति या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितबद्ध किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा, अधो-हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संपूर्णकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है, वही प्रत्येक दूसरे व्यक्ति द्वारा, अधो-हस्ताक्षरी के पास दिया गया है।

मखुसूची

आयदाव जसा कि विलेख नं० 2175 दिनांक 15/6/79 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा में लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 12 फरवरी 1980

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निदेश सं० ए० घी० न० 2046—यतः मुझे, बी०एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो परजीआं
कलां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाह कोट में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29 जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरिक) और
ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री करम सिंह पुन्न सन्तोष सिंह पुन्न नरपट सिंह वासी
परजीआं कलां तहसील, नकोदर।

(अन्तरक)

(2) श्री जसविन्दर सिंह, नरिन्द्र सिंह, सतबीर सिंह सपुत्र
जरनैल सिंह, वासी परजीआं कला तहसील, नकोदर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रोः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रश्नत शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रविनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभासित है, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:—जैसा कि विलेख नं० 686 दिनांक 29/6/79
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शाहकोट में लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 13 फरवरी 1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निवेश सं० ए० पी० नं० 2047:—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26/6/1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के द्वारा, निम्नलिखित व्यक्तियों शर्ति:—

(1) श्री अमर सिंह पुत्र दलीप सिंह वासी वस्ती दानशमन्दा मुखतार आम द्वारा दलजीत सिंह, कुलवत्त सिंह सपुत्र अमर सिंह अब मु० के० में।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम जीत सिंह पुत्र हरनाम सिंह जसबीर कौर पत्नी हरनाम सिंह वासी न्यु गरेन मार्केट 27, जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2673 दिनांक 25/6/79 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जलन्धर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज, जलन्धर।

तारीख : 13-2-1980।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निवेद सं० ए० पी० नं० 2048:—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो नवां शहर में स्थित है (आँग इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हीरा सिंह पुढ़ अर्जन सिंह वासी गांव भागोरान तहसील नवां शहर।

(अन्तरक)

(2) श्री सरदार जसविन्दर सिंह पुढ़ डा० कानूल सिंह वासी मकान नं० 654 गुरु नानक गली नवां शहर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंच पर्याप्त भां माश्ना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाख में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1936 दिनांक 28-6-79 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 13-2-1980।

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2049:—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उपतात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सत्रप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो बंगा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कायलिय नवां शहर में रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमाणित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररक (अन्तररकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्रिया, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण विविध में वास्तविक रूप से नहिं नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रमत्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें मैं सुविधा के लिए ;

अतः यह, उक्त प्रधिनियम की धारा 269g के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ब की उपलब्धा (1) के अधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों, अवश्य :—

(1) श्री रत्न लाल पुत्र सोहन लाल आदि वासी गांव बंगा तहसील नवां शहर ।

(अन्तरक)

(2) मैसरज बंगा राईस मिल्ज बंगा तहसील नवां शहर डारा मक्खन लाल पुत्र राम कुमार पुत्र जमना दास वासी गांव बंगा तहसील नवां शहर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के मध्यम में कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पूर्वोहस्ताक्षरी के पास स्थिति में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विद्या गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1730 जून 1979 को रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी नवां शहर ने लिखा है ।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर ।

तारीख : 13-2-1980 ।

मोहर :

प्ररूप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाप्रबु आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 13 फरवरी 1980

निदेश नं० ए० पी० नं० 2050:—यतः मुझे, बी० एस०,
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नवां शहर
में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवां शहर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
27-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रबन्धकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० कामुल सिंह पुन्न चरन सिंह वासी नवां शहर।
(अन्तरक)

(2) श्री ब्रज मोहन सिंह, शिव चरन सिंह पुन्न सच्चिय सिंह
वासी मोहला वास मन्डी नवां शहर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1899 दिनांक 27-6-79
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी,
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 13-2-1980।

मोहर :

प्रस्ता ग्राइंटो० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निदेश नं० ए० पी० नं० 2051—यतः मुझे, बी० ए० स०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजार्य अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात् —

(1) 1. श्री गुरबल्ला सिंह पुन बुड़े सिंह 2 सोहिन्द्र सिंह पुन गुरबल्ला सिंह मोता सिंह नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) 1: श्रीमती आशा रानी पत्नी फकीर चन्द 2. चमन लाल पुन हीरा लाल एन० एम० 12, मोहला करार खान जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधीय व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि लिखेख नं० 1694 दिनांक जून, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 13 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निवेश सं० ऐ० पी० नं० 2052—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269-ब के अधीन संशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जलन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरस्थान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरस्थान प्रतिफल से, ऐसे दूरस्थान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आप को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की ओरा 269-ब के अनुसरण में, वै, उक्त अधिनियम की ओरा 269-ब की उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, वर्षातः:—

13-476GT/79

(1) श्रीमती गायत्री देवी पत्नी राम चन्द, सत्यावती विधवा साधु राम वासी 116 अमान नगर, जलन्धर।
(अन्तरक)

(2) श्री काबुल सिंह पुत्र सुरेण सिंह, सत्तनाम कौर पत्नी पी० डी० शर्मा, कुलदीप कौर पुत्री काबुल सिंह मकान नं० 116 अमान नगर, जलन्धर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हव्वि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2059 दिनांक 11-6-79 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सभाम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जलन्धर

तारीख : 13 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रख्यात शाहौदी० टी० एस० एस०

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जलन्धर

जलन्धर, विनांक 14 फरवरी 1980

निदेश नं० ऐ० पी० नं० 2053—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा पो अरमुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वसुहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से ज्ञाम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्चात् प्रतिकल से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी अधितः—

(1) श्री दीदार सिंह पुन भगवान सिंह अस्तरक वसुहा।

(अस्तरक)

(2) श्री जोगिन्द्र सिंह, बाली सिंह तथा बिरसा सिंह सुपुत्र प्यारा सिंह, निमंल सिंह, अमरीक सिंह, गुरदेव सिंह सुपुत्र बत्ता सिंह गांव अरमुर तहिं दसुहा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है,

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रहता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रक्रेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि बाद सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1389 जून, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वसुहा ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जलन्धर

तारीख : 14 फरवरी, 1980

मोहर :]

प्रलूप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, विनांक 14 फरवरी 1980

निवेश सं० ऐ० पी० नं० 2054—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गाँव नसीराबाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सुलतानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और भगतरिती (प्रत्यक्षितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मेहर सिंह पुत्र के हर सिंह वासी गाँव बारीबरा तहसील पोडीआ (शाहजहानपुर) उत्तर प्रदेश।
(अन्तरक)

(2) श्री रजिन्द्र सिंह पुत्र जावन्द सिंह 2. भजन सिंह पुत्र फुमन सिंह, मलकीयत सिंह पुत्र फुमन सिंह गाँव नसीराबाल तहि० सुलतानपुर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सूचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कायवा हियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी अन्य व्यक्तियों द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 330 जून 79 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी सुलतानपुर ने लिखा है।

बो० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 14 फरवरी, 1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपायारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1980

निवेश सं० ऐ० पी० नं० 2055:—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नसीरेवाल (सुलतान पुर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, सुलतानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रूपित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री चनन सिंह पुत्र जवाला सिंह वासी नासीरावाल तहसील सुलतानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री रजिन्द्र सिंह पुत्र जावन्द सिंह, बलविन्दर सिंह पुत्र फुमन सिंह गाँव नासीरावाल तहिं० सुलतान पुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो अवित्त सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—जैसा कि विलेख नं० 515 जून 79 को रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी सुलतान पुर में लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 14 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रलूप शाहौदी० टी० एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जनन्धर
जनन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1980

निवेदन नं० ऐ० पी० नं० 2056:—यतः मुझे, बी० एम० दहिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नसीराबाल
(सुलतान पुर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुलतान
पुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यातः—

(1) श्री साधु सिंह पुत्र ज्वाला सिंह वासी गांव नसीराबाल
तहिं० सुलतान पुर।

(अन्तरक)

(2) श्री फुमन मिंह पुत्र जावन्द मिंह पुत्र वरयाम मिंह वासी
नसीराबाल तहिं० सुलतान पुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यदाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:—जैसा कि विलेख नं० 514 जून 1979 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुलतानपुर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जनन्धर।

तारीख : 14-2-1980।

मोहर:

प्रकाश आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 14 फरवरी, 1980

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 2057—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा बसती शेष में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसर्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसर्यमान प्रतिकल से, ऐसे दूसर्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात्:—

(1) श्री सोदून लाल पुत्र नाजर राम मकान नं० 37/3 अवतार नगर जलन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री देव राज सूद पुत्र नरेंजन दाम, निर्मल पाल सूद पुत्र देव राज सूद, बजोहा जिला जलन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही प्रथा होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि लिखेख नं० 2446 दिनांक जून 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जलन्धर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 14 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रकाश प्राईंट बी० एस० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत गवर्नर

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1980

निदेश नं० ऐ० पी० नं० 2058:—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के अधीन सूचना प्राप्तिकारी हो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव चुरपुर तहिं सुलतानपुर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुलतानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वकता संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रबहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अंतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रबहुण विभिन्न में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रबहुण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उक्त सूचना में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269वाँ के अनुसार इसमें, इस अधिनियम की धारा 269वाँ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित अविष्यों, अवधारितः—

(1) श्रीमती रच्छपाल कोर पत्नी करतार सिंह वासी गांव चुरपुर तहिं सुलतानपुर। (अन्तरक)

(2) श्री दनीप सिंह प्रीतम सिंह व्यारा सिंह, मुख्यतयार सिंह सपुत्र सन्ता सिंह वासी गांव चुरपुर तहिं सुलतानपुर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी घावेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षिया द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अभ्यर्थी अविक्षिया द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20-क में परिभासित हैं, वही धर्यं होगा, जो उस प्रयोग में दिया जाया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 327 जून 1979 को रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सुलतानपुर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 15-2-1980

मोहर :

प्र० प्र० श्री ० टी० एन० एस० —————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, जलन्धर
 जलन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1980

निवेश सं० ए० पी० नं० 2059:—यतः मुझे, बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
साबोवाज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुलतानपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या प्रथ्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --:

- (1) श्री संगारा सिंह पुत्र जोता सिंह गांव साबोवाल तहसील
सुलतानपुर।
(अन्तरक)
- (2) श्री बाबू राम पुत्र लम्हु राम गांव साबोवाल तहसील
सुलतानपुर।
(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपरनं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिस अधिभोग में
सम्पत्ति है) :
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहों अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 664 जून 79 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी सुलतानपुर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,

सतम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जलन्धर

तारीख : 15-2-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जेन्ट रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

मं० आर० ए० सी० नं० 989—यतः, मुझे के० के० वीर,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के प्रतीक अन्तर्भूत विश्वास करने का सारण है कि
सारांग नामित तिराज उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है,

और जिसकी सं० है, जो स्थित है (और
इसमें उत्तरबद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्री हार्ट अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति जा उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
रतिकृत ते, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐत अन्तरण के निए तर यादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य न उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नथित नहीं
किया गया है :—

(८) अन्तरण में हुई फिसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरह के वायित्व
में हारी करने या उपो वरने में युविधा के लिए;
प्रीर/गा

(९) ऐसी फिसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उसके प्रधिनियम या धनकर प्रधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया तो हिंदा या छिगने में मुविधा के लिए;

(1) श्री वेदांतम कृष्णमूर्ति, (2) वेदांतम लक्ष्मनगायण
(3) वेदांतम गणपति (4) वेदांतम श्रीनिवास, (5) वेदांतम
कणिराज, (6) वेदांतम श्रीम प्रसाद गुंटूर (ग्रन्तरक)

(2) श्री इत्तालूरी सीताराममूर्ति ओंगोल (ग्रन्तग्रन्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रतीन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रतीन के अन्तर्ब में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रहारन की तारीख से 45
दिन को प्रतिधि या तरस्मबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की जापी न हो 30 दिन की प्रतिधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के बीच पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजस्व में प्रहारन की तारीख से 45
दिन के बीच उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्य व्यक्ति द्वारा अत्रोहस्तान्तरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

संदर्भो हरणः—इसमें रक्षा गवर्नर और वर्दो रा, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रयोग 20-6 में परिमाणित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गुंटूर रजिस्ट्री अधिकारी मं० प्राथिक अंत 30-6-79 में
रंजीहुन दस्तावेज नं० 8510 में निगमित अनुसूचि संपत्ती ।

के० के० वीर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
प्रतीन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवधियों, अर्थात् :—

14—476GI/79

तारीख 10-1-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

निदेश सं० आर० य० सी० न० 990—यतः मुझे के० के० बीर,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दस्तके पापत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
इकि स्थावर मन्त्रिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो स्थित है (और इससे
उपाख्य अनुसूची में और यूर्ज रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, एलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के
पछ्य अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तररण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण
निवित में वास्तविक रूप से नहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन हर देने के अन्तरक के
वायिरण में कमी करन या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
या या या या या जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की नपाराया, (1)
के अधीन विश्वनियित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तमना मर्वेस्वराराव (2) तमना श्रीरामाचंद्रमर्ति
एलूर (अन्तरक)

(2) श्री सुपलिल रामाचंद्रराव (2) मत्यनारायण जे०
(3) नागिमेहिं रामदाम (4) वाणिमेहिं गंगाधर राव
एलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(न) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसमध्यान्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मन्त्रिति में हितबद्ध
हिसी अन्य अधिकारी, प्रधोस्तान्त्री के रान
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पबों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही
मर्यादा द्वारा जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एलूर रजिस्ट्री अधिकारी सं० पाक्षिक अंत 30-6-79 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 2088 में निर्गमित अनुसूची संपत्ती

के० के० बीर,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1980
मोहूर:

प्र० प्र० आई० टी० एम० एस० ----

आवृत्ति अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० आर० ये० सी० नं० 991—यतः, मझे के० के० वीर
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके उपर 'आयकर प्रधिनियम' भी दिया है), की धारा 269-ए
के द्वारा उन वापिशारों का, यदि विश्वास करने का कारण
(i) स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो स्थित है (और
इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ताडेपल्लीगूडेम में भारतीय
रजिस्ट्रक्टर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
19-7-79 को
दूसरी पाप्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
रतिहा व या प्रतिरोध की गई है और मूले यह विश्वास
हटने वा कारण है कि यथादृष्टि सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान रतिहा से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल के
पास प्रतिगत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों)
और प्रत्यक्षी (प्रत्यक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
उस दृश्या गता प्रतिकृति, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष
तिहा व राजाकार का से नहिं होती किया गया है:—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रतीत कर देने के प्रत्यक्ष के
शायदि में नहीं करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
अनन्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाये प्रत्यक्षी हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः, यदि, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसर
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अवाद्यः:—

(1) श्री चलमचली सीतारामामूर्ति ताडेपल्लीगूडेम
(अन्तरक)

(2) श्री मंडवा वेंकटरमन ताडेपल्लीगूडेम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के
लए कायंवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तें द्वारा
किसी अन्य अविक्षित हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योगः—इतमें प्रत्यक्ष शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ताडेपल्ली गूडेम रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिश अंत 15-7-
79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 7601/79 में निर्णयित अनुसूची
संपत्ती।

के० के० वीर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 10-1-80

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० आर० ये० सी० नं० 992—यतः मुझे के० के० वी०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है, जो स्थित है (और इसमें उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस्टूट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रतारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण हैं ताकि यह गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के विविध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

अनुसूची

एलूर रिजिस्ट्री अधिकारी सं० पारिक अंत 80-6-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2123 में निर्गमित अनुसूची संपत्ती।

(ख)ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

के० वी०वी०

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वेन्नावल्ली रामाचंद्रमूर्ति (2) श्रीमती वेन्नावल्ली लक्ष्मीनरसम्मा, एलूर
(अन्तरक)

(2) श्री सूरिनीडि रंगाराव, भीमवरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को त्रिविंग या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य उक्तित द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इतम् प्रयुक्त शब्दों और तदों जा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

तारीख : 10-1-1980

मोहर :

प्रकल्प वार्दू दी० एव० एस०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भारतीय सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० आर० ए० सी० नं० 993—यतः मुझे, कौ० कौ० वी०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 ना 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संभव प्राधिकारी जो यह विषयाम करने हा कारण है कि स्थावर संगति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० है, जो के स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फलूर में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथमान प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विषयाम करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृथमान प्रतिशत से, ऐसे वृथमान प्रतिशत का पन्द्रह अंश से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष लिखित में वास्तविक रूप से दिया नहीं किया गया है।

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी आय की वादा उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के शायित्व में कमी करने या उक्त वस्तु में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा अक्ट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रत्यक्षरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवतुः—

1. (1) श्री वशेला नारायण स्वामी (2) शेषागिरि राव (3) वेंकटा लक्ष्मण राव एलूर (अन्तरक)

2. श्री सुरिनेति वेंकटा कृष्णराव, भीमावरम (अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंध के लिए जारीशहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई नी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तासंवंती अवधियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नपति में हितधड़ किसी अन्य अवधित द्वारा भवोहस्ताभरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिचालित है, वही प्रयोग होगा, जो उन बध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एलूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-79 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 2124/79 में निगमित अनुसूची संपत्ती।

कौ० कौ० वी०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-1-1980

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० आर० ए० मी० नं० 994—यतः मुझे, कौ० कौ० वी०, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, एलूर में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के फलह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से नुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

एलूर रजिस्ट्री प्राधिकारी के पाक्षिक अंत 31-7-79 में अंजीठन दस्तावेज नं० 2913 में तिगमित अनुसूची संपत्ति।

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सामिलियों को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कौ० कौ० वी०
सभम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

अत, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-1-1980

मोहर :

1. (1) श्रीमती मडलानु नाणरतनम कोडलाराव पालेम,
(एलूर तालुक) (अन्तरक)

2. श्री निःद्रोनु वेंकटराव, मुक्कामला (तनुकु
तालुक) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रस्तुत प्राई० टी० एन० एम०-----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० आर० ए० सी० नं० 995—पत०, मुझे, के० के० वी०, ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रामकर जून 79 है, जो स्थित है (ग्राम इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी के कार्यालय गुंटूर में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहिं लिया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई निसी प्राय को बाबत उक्त अधिनियम के प्रयोग नह देने के प्रत्यक्ष के रायित्व पर कमो नह वा उससे बचा में पुरिदा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहेथा, इसमें मुविदा के लिए.

1. (1) श्रीमती मन्नादि भ्रमणंभा (2) श्री एम० अच्छुता नंदराव गुंटूर (अन्तरक)

2. श्री पंडयला श्रीगमुल, चंद्रलूह, (अदृकि तालुक) (प्रकाशय जिला) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुंटूर रजिस्ट्री अधिकारी से पालिक अंत 30-6-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3518 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० वी०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 10-1-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा।]

269-घ (1) के अधीन सूचना॥

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० आर० ए० सी० नं० 996—यसः मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ट अधिकारी के [कार्यालय, विशाखापटनम में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कंचला रमनम्मा, विण्यनणरम (अन्तरक)

(2) श्री ताटिकोडा जगन्नाथ, अनकापल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्याप्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणात्मकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विशाखापटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पालिक ग्रांत 30-6-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4962 में निश्चिन अनुसूची संपत्ती।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-1-1980

मोहर :

प्रकृति पाठें दीं एवं एस—

(1) श्रीमती सूखनेनि बैकट सुखमा गंडाला
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वासुदेव कुरुप विजयवाडा (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० प्रा० ए० सी० नं० 997 (997)—यतः मुझे, के० के० वी०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्रम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से प्रधिक है,

और जिसकी सं० है, जो स्थित है (और
इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन जून 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्ड्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
है से इतिहासी किया गया है:-

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण
में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपषारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात्:—
15—476GI/79

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में
से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में वित्त-
बदल किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधिवक्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही
मर्यादित होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 15-6-79
में पंजीकृत वस्तावेज नं० 4187 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० वी०
सक्रम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 10-1-1980

मोहर :

प्रस्तुप मार्ग ३० टी० एम० एस०—

(1) श्रीमती बोल्टु लीलावती, काकीनाडा (अन्नतरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) डा० एम० नागभूषणराव विलाम (अन्नतरितो)

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० आर० य० सी० न० ९९८—यतः मुझे,
के० के० बी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० है, तथा जो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा के 269-ग अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आय 269-प की उपकारण (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणात्मकी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाश्चिक अंत 15-6-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3710 में निर्गमित अनुसूची संपत्ती।

के० के० बी०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-1-1980

मोहर :

प्रकृष्ट धाई० ढी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० आर० य० सी० न० 999—यतः मुझे, के० के० और,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-व
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो स्थित है (और इससे
उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, विश्वास पटनम में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-6-79
को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और प्रमुख (प्रमुखों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमुखण के निए तय पाया
गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमुखण लिखित वे
वास्तविक रूप से अधित वही किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की वावत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रमुख के दायित्व
में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्राम्य घासियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आम-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रयोजनार्थ
अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने वे सुविधा के लिए।

(1) श्री एन० सुब्बारेण्टि, मद्रास (प्रमुख)

(2) श्री के० झे एस० सेनी, विश्वास पटनम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्त
के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी वादेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उससम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत
अवित्यों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड
किसी अन्य अवित्य द्वारा, प्रबोहस्तान्तरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

उपर्योगण:—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन
नियम के अध्याय 20-क में परिवाधित हैं, वहीं
अथ होग। जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

विश्वास पटनम रिजिस्ट्री अधिकारी से पक्षिक अंत 15-6-79
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4225/79 में नियमित अनुसूची
संपत्ती।

के० के० वीर
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

बता: यदि, उक्त अधिनियम की वारा 269-व के अनुष्ठान
में, ये, उक्त अधिनियम की वारा 269-व भी उपलब्ध (1)
अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवाद्।—

तारीख : 10-2-80
मोहर :

प्रेषण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० आर० ए० सी० नं० 1000—यतः मुझे, के० के० वी०, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, मचलीपटनम में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-6-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर तापा गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय व्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री पिनपला बैकटेस्वराराव (2) श्री पिनपला भारत्करराव (3) श्री पिनपला बैकटा शिवरामा कृष्णनराव मचलीपटनम (अन्तरक)

2. डा० आर० सौभाग्यवति मचलीपटनम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से हिसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृश्यतामुखी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूची

मचलीपटनम रजिस्ट्री प्राधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1562 में निर्गमित अनुसूची संपत्ती।

के० के० वी०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-1-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, हैदराबाद
 हैवराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० आर० ए० सी० नं० 1001—यतः मुझे के० के०
 वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब
 के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो स्थित है (और इससे
 उपायद्र अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय, मचलीपटनम में भारतीय रजिस्ट्रकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-6-79
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 अन्तर अतिशय से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथ याप्त गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पिंजपला बैंकटेश्वरराव (2) पिंजपला बैंकटा
 शिवरामकिंणराव मचलीपटनम (अन्तरक)
 (2) श्रीमती डा० आर० सौभाग्यवति मचलीपटनम
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
 भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोद्दृताकारी के पास
 निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
 अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

मचलीपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-79
 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1543 में निर्गमित अनुसूची संपत्ती।

के० के० वीर
 सक्रम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 10-1-80

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजनन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 1002—यतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्टी अधिकारी के कार्यालय, भवलीपटनम में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून 79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री मोटूरी सीतारामाच्चा भवलीपटनम (अन्तरक)

(2) श्रीमती टी० इंदिरा, मल्लापल्ली (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजनन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उल्लेखन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

मन्त्रीपटनम रिजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1643 में निर्गमित अनुसूची संपर्की।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

के० के० वीर
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजनन रेंज, हैदराबाद

यतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

तारीख: 10-1-80

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 1003—यतः मूल्य के० के० भीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णलूप से वर्णित है); रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजामंडी में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः पथ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

(1) श्री रंकिरेडि कुबेराराव, दौसेष्वरम (अस्त्रेष)

(2) श्रीमती हर्षीदूषिसा बीगम राजामंडी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैहस्तान्त्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ३—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजामंडी रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिस्तान अन्त 30-6-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2737 में निर्गमित अनुसूची संपत्ती ।

के० के० भीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 10-1-80
मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर श्रद्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकस्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 1004—यतः मूसे
के० के० खीर

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- हपये से अधिक है
और जिसकी सं० है, जो स्थित है और इससे
उपायबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्टा
अधिकारी के कार्यालय, राजामंड्री में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून

को पूर्वोक्त सम्भति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; प्रौद्योगिकी

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्यु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कोवि वेटा बद्रीसारायण, राजामंडी

(प्रस्ताव)

(2) श्री के० वि० आर० नरमिह भूति, राजामंडी
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाचिक सूचना ।

उक्त संस्थान के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविकल्पों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में से किसी अविकल्प द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज्यक्रम में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवौहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्टेटीकरण :—इसमें प्रवृत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
ग्रथ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मानसिकी

राजामंड़ी रिजिस्ट्री अधिकारी में पालिक घंट 30-6-79
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2927 में निर्गमित अनुसूची
संपत्ति ।

कै. कै. वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेज, हैदराबाद

तारीखः 10-1-80

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन०एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निराकाश)

भर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 1005—यतः, मुझे के० के०
वीर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन पञ्चाम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है, जो स्थित है (और इससे उपबढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेक्टर्स अधिकारी के कार्यालय, राजामंडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19/6/1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रखिया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देते के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारियों प्रथात्:—

16—476GI/79

- (1) श्री कोवि वेंटू ब्रिनारायण, राजामंडी (अन्तरक)
- (2) श्री कोल्लूरी वेंकटा श्यामा राष्ट्राकृष्ण सर्मा, राजामंडी (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ निमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृत स्वतंत्रता के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्राप्त्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस प्राप्त्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमामंडी रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिक धंत 30-6-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2826 में निर्णयित अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर
सहम प्रधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त, (निराकाश);
भर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 10-1-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद विनाक 10 जनवरी 1980

निदेश स० आर० ए० सी० न० 1006—यतः—मुझे के०
के० थीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269वा
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी स० है, जो स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्ररता अधिकारी के कार्यालय, पोन्दूर में भारतीय
रजिस्ट्ररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून 79

को पूर्वोंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) के
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269वा के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

(1) श्री प्रद्ववरपू वरहालू नरसिंहम, शिकाकुलम
(अन्तरक)
(2) श्री प्रद्ववरपू वेंकटा मूर्यालू, शिकाकुलम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में प्रमाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंकित व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बदल हिसी अन्य अवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही पर्व होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पोन्दूर रिजिस्ट्री अधिकारी से पाकिस्तान 30-6-79
में पंजीयन दस्तावेज न० 1533 में निर्गमित अनुसूची
संपत्ति

के० के० थीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-1-80

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

निवश रंग आर० ए० सी० न० 1007—यतः मुझे के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा
269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची म प्रौर्णलूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन
अधिकारी के कार्यालय, कोल्हूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या सम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः घन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

(1) श्रीमती के० मुमद्रम्मा (2) श्री कठमनेनि
आन्दाराव कोल्हूर (अन्तरक)
2 के० किळमूर्ति (2) के० रामाचंद्राय (3) के० किळनंदम
(4) के० सत्यनारायण (5) के० वेंकाटेस्वरू (6) के०
सत्यनारायण कोल्हूर (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टिकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयृष्ट होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

मनुसूची

कोल्हूर रिजिस्ट्री अधिकारी से पालिक अत 30-6-79 में
पजीड़ित दस्तावेज न० 590, 591, 589, 593, 592 और
588 में निर्गमित अनुसूची सपत्ती।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
दिनांक : 10-1-80 अर्जन रेंज, हैदराबाद
मोहर:

प्रख्य शाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन्त रेज ठवकर बंगल गिरीपेठ नागपुर-10
नागपुर-10, दिनांक 21 दिसम्बर 1979

फा० सं० आई० ए० सी०/प्रजन्त/109/79-80—यतः मझे
एस० के० विष्या,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी स० म्यूनिसिपिल कोर्पोरेशन न० 844, बांड नं
37164 है तथा जो मोहननगर, नागपुर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
12-6-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को आबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आशितयों
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

प्रतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन विम्बलिंगित व्यक्तियों, अवृत्तः—

(1) श्रीमती रोमानी पत्नी एफ० एस० बूटनिसे, (2) श्रीमती
सेसेसि पत्नी अथीनी डीसोशा, 102, सी साईट, प्रपार्टमेंट्स
अमोमिल्टरीरोड, जूह बाब्बे,
(अन्तरक)
(3) श्री योमस जोसेफ, 4, श्रीमती अगस्तस पत्नी योमस,
मोहननगर, नागपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अपत्ति के प्रजन्त के निए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रय होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मकान न० 844 नया, मोहननगर बांड न० 37/84,
नागपुर।

एस० के० बिस्लया
सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजन्त रज, नागपुर

तारीख : 21-12-79

मोहर:

प्राकृप थाई० डी० एन० एस०-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कावीदाम, सहायक भावहार भाष्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज उपकर बंगल गिरीपेठ

नागपुर

नागपुर, दिनांक 22 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० फा० माय० ए० सी० /अर्जन/107/79-80-
यतः मुझे, एस० के० बिलम्बा

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-ग के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सर्वे नं० 171/1 है तथा जो खाजी में स्थित
है (ओर इससे उपाबद्ध ग्रन्त सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरोडा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 27-6-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष लिखित में वास्तविक रूप से कहिया
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य
में कमी करने या छास से बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या माल प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए जो छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री राजाराम मारोत्तराव पिसाल (2) श्री रामचन्द्र
मारोत्तराव पिसाल (3) श्रीमती अनुसयावाई विनायकराव
सालुके धीगेवाडी त० रोरेगाव (4) श्रीमती सहबाई, विज्ञु,
लेंगवेर्थ पीप्पोडे, (बुझ) (5) मुभान (6) शिवाजी, (7)
संजय सवका पिता राजाराम (8) आनन्द रामचन्द्र पीसाल
1, 2, तथा 5 से 8, रहने वाले सरकार पटेल वाई,
बरोडा, त० बरोडा जि० चन्द्रपूर (प्रत्यक्ष)

9. नियोजित विवेकानन्द गृह निर्माण सरकारी संस्था,
बरोडा त० बरोडा, नि० चन्द्रपूर (अन्तरिती)

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रभु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा

(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोद्दाशरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीन्द्रण :—इसमें प्रमुख ग्रन्तों पीर दरों ता, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषियोग्य 4.50 एकर जगह जिसका सर्वे मं० 171/1
तथा जो खाजी में स्थित है।

एस० के० बिलम्बा

सलाम अधिकारी

सहायक भायकर भाष्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

तारीख : 22-12-79

मोहर :

प्रकाश प्राइवेट टी० एम० एस०—

जावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा
269 प(1) के अधीन सूचना।

भारत बाबार

कार्यालय सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन नंबर 57 रामतीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० 80/अर्जन—प्रतः मुझे अमरसिंह विसेन
भाषकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा दिया है), १ घारा
269-व के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का छारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार
मूल्य 25,000/- वा० से अधिक है।

ग्रीष्म जिसकी संख्या ५ लूपर रोड इलाहाबाद का भाग है तथा
वो इलाहाबाद में स्थित है (ग्रीष्म इससे उपाख्य अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-6-79

पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के बृद्धमान प्रति-
फल के बिष्ट अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि अवधूर्वात्म सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, इसके
बृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे बृद्धमान प्रतिफल के तत्त्व ही प्रतिष्ठित
हो चुका है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों), के बीच ऐसे अन्तरण के निपुणतया आया जाया प्रतिफल,
विवरित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक है
वे सहित नहीं लिखा गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आदा की वाचत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिसी
में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए।
जोर/वा

(क) दोही किसी आदा या किसी वन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाषकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया
वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अहं, अहं, उक्त प्रधिनियम की आदा 269-व के अनुधरण में,
वे, उक्त प्रधिनियम की आदा 269-व की उपचारा (1) के
अधीन विवरित अवित्तियों, अवति:—

1. श्री मंकर जा द्सी के० लालूद इलाहाबाद
(प्रस्तरक)
2. श्री ललू कुमार व प्रतिल कुमार (प्रस्तरिती)
3. उपरोक्त विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इन सूचना के राशनक में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उससंबंधी अवित्तीयों पर सूचना को
दारीम से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाद में
गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्णांक अवित्तीयों में से
किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राशनक में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोकृताधरी के गास लिखित
— किया जा सकें।

इन्हींकरण:—इसमें प्रबुद्धत नहीं हो रही वर्ती का, जो
उक्त प्रधिनियम के प्रबुद्धत 269-व में
परिभाषित है, वही वर्त होता जो, उक्त
प्रबुद्धत में दिया जाया है।

अनुसूची

अधल सम्पत्ति संख्या ५ लूपर रोड इलाहाबाद व आराजी संख्या
१६ एम० फतेहपुर विठ्ठाली सी बीनाई० विस्तारणित रोड पर
स्थित इलाहाबाद का भाग (भूमि के प्लाट का क्षेत्रफल ४९०.८५
वर्गमीटर) व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीज व पगर्म-३७
जी संख्या २६२८ में वर्णित है, जिनका पंजीकरण सब रजिस्टर
इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 15-6-1979 को हो चुका
है।

अमर सिंह विसेन
सम्म अधिकारी
तारीख: 15-1-80
लोहर:

प्राकृप भाई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कावीन्द्रिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज उपकर बंगल गिरीपेठ

नागपुर

नागपुर, दिनांक 22 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० का० आय० ए० सी० /अर्जन/107/79-80-
मत: मुझे, एस० के० बिलम्बा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-व(1) के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- स्पष्ट से अधिक है

और जिसकी सर्वे नं० 171/1 है तथा जो खांजी में स्थित
है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वरोडा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
तारीख 27-6-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ आया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्पष्ट से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की बादत उक्त अधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(क) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए वा छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री राजाराम मारोत्तराय पिसाल (2) श्री रामचन्द्र
मारोत्तराव पिसाल (3) श्रीमती अनुसयाकार्ण विनायकराव
सालुके धीमेवाडी त० रोरेगाव (4) श्रीमती सहवाई, बिळू
लेंम्बेश पीम्पोडे, (बुक) (5) सुभान (6) मिवाजी, (7)
संजय सवका पिता राजाराम (8) आनन्द रामचन्द्र पीसाल
1, 2, तथा 5 से 8, रहने वाले सरकार पटेल वाई,
वरोडा, त० वरोडा जि० अन्दपूर (अन्तरक)

9. नियोजित विवेकानन्द गृह निर्माण सरकारी संस्का,
वरोडा त० वरोडा, नि० अन्दपूर (अन्तरिती)

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के प्रमु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) की उपचारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीन :—

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में है
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोक्षताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीहठण :—इसमें प्रयुक्त नम्बरों प्रारंभी ता, जो उक्त अधि-
नियम के अन्याय 20-क में परिवारित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अन्याय में लिपा गया है।

अनुसूची

कृषियोग्य 4.50 एकर जगह जिसका सर्वे नं० 171/1
तथा जो खांजी में स्थित है।

एस० के० बिलम्बा
समान अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 22-12-79

मोदूर :

प्रकरण आई० ई० एन० एस०—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजनन रेंज उपकर बंगल गिरिपेठ
नागपूर-10

नागपूर-10, दिनांक 24 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० प्रजन /108/79-80—
पत्र: मुझे एस० के० विलम्ब्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्म अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खसरा नं० 266/2, मौजा लेड्डा, वार्ड नं० 72, है त० जो नागपूर में स्थित (है और इससे उपबंध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नागपूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-6-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरीत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ती के उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल के, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल के पन्द्रह (25) प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण में ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के विविध में कभी भूते था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया जाहिए था, जिपने में सुविधा के लिए;

वतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, जाहिए—

1. श्री कमलाकर श्रीपतराव धारापुरे तथा अन्नान लड़का प्रेशाल, खुरे टाउन थरमेट, नागपूर, (अन्तरक)
2. डा० बलवंत श्रीपतराव धारापुरे तथा उसका भ्रजाग लड़के प्रसाद तथा श्रीराम, बांस्वे, (अन्तरक)
3. दीलीप नारायण धारापुरे श्रीमती विजया राजरायन धारापुरे दू० प्रतीमा नारायण डारबडे, धरपेठ, नागपूर (अन्तरक)
4. जिवन जोती कोशापरेटिव हाउसींग (प्रपार्टमेन्ट सोसायटी लीमिटेड, नागपूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यान्वयी करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के नियम में कोई भी आमंत्रण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रबंध होगा जो उस अठाय में दिया गया है।

प्रमुखस्त्री

खसरा नं० 266/2 मौजा लेड्डा वार्ड नं० 72, नागपूर, में हितपत है।

एस० के० विलम्ब्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज, नागपूर
तारीख : 24-12-79
मोहर :

प्रस्तुत प्राईटी टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर-10, दिनांक 26 दिसम्बर 1979

फा० सं० आय ए० सी०/अर्जन /110/79-80—यतः
मृशे एस० के० विल्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मकान नं० 309 पुराना 557 नया सर्कल नं० 6
है तथा जो नागपुर, में स्थित है (और इससे उपाङ्क अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18)
के अधीन तारीख 6/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-
फल के लिये प्रभारित की गई है पौर मृशे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
प्रधिक है और प्रभारक (भन्तरकों) पौर प्रभारितों (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित
चर्तृपत्र से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लिखित नहीं
किया गया है :—

(ज) प्रधारण से हुई लिखी गयी हो बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
घोर/या

(ब) लेखी लिखी गयी हो बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

बत: बद, उक्त अधिनियम, की धारा 369-ब के प्रमु-
ख रूप में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित लिखितों, वर्तात ।—

(1) श्री विदाकर वासुदेवराव शाटे, सर्कल नं० 6, वार्ड नं०
26, नवाबपुरा, नागपूर (भारतारक)
(2) श्री लुनकरन भंवरलाल भुतडा, सर्कल नं० 8/13,
इतवारी, नागपूर (भारतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाये में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याएँ का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 309 जुना 757 नया, सर्कल नं० 6, वार्ड नं०
26, भोड़ार दरवाजा रोड, नवाबपुरा, नागपूर ।

एस० के० विल्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज, नागपर

तारीख : 26-12-79

मोहर :

प्रकरण नं. ३१० टी० एम० एस०—

आवश्यक अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की आदा
26७ व (1) के संबंध में

भारत ब्रह्माद

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन लेट ५२ रामतीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक १५ जनवरी १९८०

निवेश सं. ए० ८०/अर्जन—अतः मुझे आमर सिंह विसेन
आवश्यक अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), व आदा
26७ व (1) के संबंध में आयीन सकम प्राधिकारी को मह विवाह करने
का आवश्यक है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य २५,०००/- वा० से अधिक है

और जिसकी संख्या ५ लूप्त रो इलाहाबाद का भाग है तथा
जो इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपापद अनुसूची
में और पूर्ण सूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख १५-६-७९

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-
फल के लिए अवधित की गई है और मुझे यह विवाह करने का
आवश्यक है कि वकारपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिकरण
के अधिक है और अस्तरक (अन्तर्कर्ता) और अन्तरिक्ती (अन्तरि-
तियों), के बीच ऐसे अभ्यरण के लिए तथा पाया जाया जाया प्रतिफल,
विवाहित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिक्रिय में वास्तविक है
वे उचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण है त्रौंह किसी आय की आवश्य उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्कर्ता के बायित्य
में कभी करने वा इससे उच्चने में सुविधा के लिए।
लोर/वा

(क) देशी किसी आय वा किसी वन वा अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया
जा या जिवा जाना जाहिए वा, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की आदा 26७-व (1) के अनुप्रयोग में,
उक्त अधिनियम की आदा 26७-व (1) के उच्चनार्थ (1) के
बायीन विवाहित अधिकारी, बचात्।—

1. श्री मंकर ला दस्टी नं. ३० आदस्ट इलाहाबाद
(अस्तरक)
2. श्री प्रतुल चुमार व प्रनिल चुमार (अन्तरिक्ती)
3. उपरोक्त विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी बरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में छोड़ भी आवेदन :—

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५५
दिन की अवधि या वस्तुबंधी अप्रिक्तियों पर सूचना की
तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में
नमाम्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अप्रिक्तियों में से
किसी अप्रिक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
५५ दिन के भीतर उक्त आवश्यक संपत्ति में हितद्वय
किसी अभ्य अवक्तु द्वारा अधोस्तावरी के पास लिखित
“ठीक वा सचेत”।

सालोकरण :—इसमें प्रबुद्धत वनों और पर्यावरण के अध्याय २०-वा० में
परिमापित है, वही वर्व होगा जो, उस
अध्याय में दिया जाया है।

मनुष्यों

अबल सम्पत्ति संख्या ५ लूप्त रोड इलाहाबाद व आराजी संख्या
१६ एम० फरेहुर बिठवाठेल सी बीनाई० खिस्तामणित रोड पर
स्थित इलाहाबाद का भाग (भूमि के प्लाट का क्षेत्रफल ४००.८५
वर्गमीटर) व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व पर्गम-३७
जी संख्या २६२८ में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्टर
इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक १५-६-१९७९ को ही चुका
है।

आमर सिंह विसेन
सकम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेज, लखनऊ

तारीख: १५-१-८०

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंट ही० एन० पृ० १—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन शेत्र-57 रामतीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, विनांक 15 जनवरी 1980

निदेश मं० बी०-४४/अर्जन—यतः मृ० अमर मिह
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवाद करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसमें उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी संख्या 5 लूथर रोड इलाहाबाद का भाग है तथा
जो इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 12-६-७९

को पूर्णीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टिकोण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मृ० यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिकोण प्रतिफल से ऐसे दृष्टिकोण
प्रतिफल का अद्यह परिणाम से प्रधिक है और अन्तरक
(पन्तरकों) और अन्तरिती से (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के निए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण में ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी छिसी आय या किसी उर या अन्य आदितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 1) पे उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवर्त नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपाधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्जात् :—

17—476GI/79

(1) श्री शंकरमा दस्टी के० मा ट्र०, इलाहाबाद
(अन्तरक)

2. श्री विष्णु शरन सिंह रघुवंशी (अन्तरिती)

3. श्री शंकर मा उपरोक्त (वह अधिक, जिसके
अधिकारी में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन भी अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोरस्ताकारी के
पास विवित में फिर जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्व होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनूसूची

अन्तरण सम्पत्ति 5 लूथर रोड इलाहाबाद व शाराजी संख्या
96 एम० फतेहपुर विलास छैल, सी० बाई० चिन्मामणि रोड पर
स्थित इलाहाबाद का भाग (भूमि के प्लाट का क्षेत्रफल
365 वर्गमीटर) व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेसडीड
व कार्म 37-जी संख्या 2590 में वर्णित है जिनका पंजी-
करण सब रजिस्टार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक
12-६-७९ को हो चुका है।

अमर मिह बिसेन
सकाम प्राधिकारी
महायह आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज लखनऊ

तारीख 15-1-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एन० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 6 फरवरी 1980

निवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/633—अतः मुझे
एम० एल० चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० घटाट नं० 58 है, तथा जो जयपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
12 जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भीतरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रस्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई हिसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वेतन के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी आय या हिसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या हिसी जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रेम मिठू पुत्र श्री मरदार सिंह निवासी अरबड़,
जिला नागौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जमना देवी चाण्डक पत्नि श्री पी० सी० चाण्डक
एच-19, सुभाष मर्ग, सी-स्कीम, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के मन्त्रमध्य में कोई भी ग्राहक :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घटाट आफ लैण्ड, जिसके नं० 58 है, तथा जो हरीकिशन
सोमानी मार्ग, हथरोई एरिया, अजमेर रोड, जयपुर जी उप
पंजियक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1435, दिनांक 12-6-79 पर
पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सहम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 6 फरवरी, 1980

मोहर :

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
 (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)
 CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 12th February 1980

No. A-19036/1/80-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint the following Inspectors of Police as Deputy Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation until further orders.

Name and Date of appointment

S/Shri

1. Narayan Jha—17-12-1979 (Forenoon)
2. M. Thangavelu—16-1-1980 (Forenoon).

Q. L. GROVER,
Administrative Officer (E)/CBI

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 8th February 1980

No. 11/116/79-Ad.I-4379.—The President is pleased to appoint Shri Harish Chandra Joshi, an officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 19 January, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Joshi will be at Dehradun.

No. 7/3/79-Ad. I-4380.—The President is pleased to appoint the following officers as Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, in substantive capacity, with effect from 3rd December, 1977.

1. Shri M. P. Rao
2. Shri B. K. Maratha
3. Shri V. V Rao.

OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA,
 New Delhi, the 8th February 1980

No. 278/CA.I/123-79.—The Additional Deputy Comptroller & Auditor General (C) has been pleased to appoint the following Section Officers (Commercial) of the offices mentioned in column 3 below who are at present on deputation on foreign service to the organisations mentioned in Col. 4 below to officiate as Audit Officers (Commercial) under the "NEXT BELOW RULE" with effect from the date mentioned in column 5 below until further orders.

Sl. No.	Name of the Officer	Office to which belongs	Office where working on deputation	Date of promotion
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Shri C. V. Menon	MAB & EO Director of Commercial Audit (Coal), Calcutta.	Kerala Tourism Development Corporation Ltd., Trivandrum	14-9-79
2.	Shri John Verghese	MAB & EO Director of Commercial Audit, Madras.	Tamil Nadu Industrial Development Corporation Ltd., Madras.	14-9-79
3.	Shri Sasadhar Mukherjee	Accountant General-II West Bengal, Calcutta.	Electronics Corporation of India Ltd., Hyderabad.	16-10-79
4.	Shri J. L. Kalra	MAB & EO Director of Commercial Audit, New Delhi.	Municipal Corporation of Delhi, Delhi.	16-10-79
5.	Shri S. Shankara	Accountant General Karnataka, Bangalore.	Karnataka Agro-Industries Corporation Ltd., Bangalore.	17-10-79

M. S. GROVER
Deputy Director (Comm.)

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
 OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
 ANDHRA PRADESH-II

Hyderabad, the 12th February 1980

No. Admn. 1/8-132/79-80/350.—Shri G. Rama Raju, Accounts Officer, Office of the Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-1-1980 (AN).

R. HARIHARAN
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

No. 11/116/79-Ad. 1-4381.—The President is pleased to appoint Shri Ram Saran Verma, an officer belonging to Uttar Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 28th January, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Verma will be at Allahabad.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE
 DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
 SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 6th February 1980

No. 7(36)/11058.—Further to this Office Notification No. 7(36)/9509 dated 14-12-1979, Shri S. T. Shirsat is allowed to continue to officiate in the post of Fire Officer on an *ad hoc* basis upto the end of March, 1980 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

S. R. PATHAK
General Manager

COMMISSION ON PUBLIC EXPENDITURE

New Delhi, the 7th February 1980

No. 1(4)-A/CPE/79.—On transfer from the Ministry of Finance, Deptt. of Expenditure, Shri A. N. Wadhwa, Investigator Gr. I of the Planning Commission, who was on deputation to that Ministry is appointed as Research Officer in the Commission on Public Expenditure on usual deputation terms in the Scale of pay of Rs. 700—1300 w.c.f. the forenoon of 11th Jan. 1980, until further orders.

J. N. KAUL
Under Secy. (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
 CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 2nd February 1980

No. Au/Admn/Misc/Con-785.—Shri C. N. Bhatt, Officiating Audit Officer of this office retired from Government Service w.c.f. 31-1-1980 (AN).

Smt. R. KRISHNAN KUTTY
Director of Audit, C. Rly.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

New Delhi, the 6th February 1980.

No. 40011(2)/79/AN-II.—1. The undermentioned Accounts Officers were transferred to the Pension Establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster No.	Grade	Date from which transferred to Pension Establishment	Organisation
(1)	(2)	(2)	(4)	(5)
	S/Shri		(afternoon of)	
1.	Roshan Lal Puri (O/239)	Officiating Accounts Officer	31-10-1979	Controller Western of Defence Accounts, Command, Meerut.
2.	Des Raj Bhatia (P/464)	Permanent Accounts Officer	30-11-1979	Do.
3.	K. A. Sankaran (P/270)	Do.	30-11-1979	Do.
4.	Ram Lal Madan (P/465)	Do.	30-11-1979	Do.
5.	D. N. Khurana (P/461)	Do.	30-11-1979	Do.
6.	Hari Krishan Lal Mullick (P/242)	Do.	30-11-1979	Do.
7.	Bishambar Nath Sharma (P/165)	Do.	31-12-1979	Do.
8.	C. Muthuramalingam (P/78)	Do.	30-9-1979	Controller of Accounts (Fys), Calcutta.
9.	N. C. Bhattacharjee (O/133)	Officiating Accounts Officer	31-10-1979	Controller of Defence Accounts, Patna.
10.	M. P. Padmanabha Pillai (P/559)	Permanent Accounts Officer	31-10-1979	Controller of Defence Accounts (Officers), Pune.
11.	S. M. Lowlekar (P/4)	Do.	31-10-1979	Do.
12.	Satwant Singh (P/76)	Do.	31-10-1979	Controller of Defence Accounts (AF), Dehra Dun.
13.	Mukund Chand Joshi (P/266)	Do.	31-10-1979	Dehra Dun Do.
14.	Om Parkash Sharma (P/26)	Do.	31-10-1979	Do.
15.	Kulwant Singh (P/565)	Do.	31-10-1979	Do.
16.	Chaman Lal Paul (P/106)	Do.	31-10-1979	Controller of Accounts (Fys), Calcutta
17.	Yash Pal Mehta (P/65)	Do.	31-10-1979	Joint Controller of Defence Accounts (Funds), Meerut.
18.	Raghu Nath Sehrai Sharma (P/570)	Do.	31-10-1979	Controller of Defence Accounts (ORs) North, Meerut.
19.	Mohinder Singh (O/342)	Officiating Accounts Officer	31-10-1979	Do.
20.	Gurcharan Singh Ahuja (P/359)	Permanent Accounts Officer	31-10-1979	Do.
21.	G. K. Ramachandran (P/257)	Do.	31-10-1979	Controller of Defence Accounts (ORs), South, Madras.
22.	R. Anantharaman (O/171)	Officiating Accounts Officer	31-10-1979	Controller of Defence Accounts (Navy), Bombay.
23.	D. A. Ramakrishnan (P/566)	Permanent Accounts Officer	31-10-1979	Do.
24.	Peshauri Lal Anand (P/153)	Do.	31-10-1979	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
25.	B. L. Sethi (O/102)	Officiating Accounts Officer	31-10-1979	Do.
26.	Madan Lal Kakkar (P/563)	Permanent Accounts Officer	30-11-1979	Do.
27.	Chandra Bhushan (P/25)	Do.	30-11-1979	Controller of Defence Accounts (AF), Dehra Dun.
28.	Om Prakash Sarin (D/44)	Officiating Accounts Officer	30-11-1979	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
29.	V. Varadarajan (P/126)	Permanent Accounts Officer	30-11-1979	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Pune.
30.	M. G. Ranade (O/168)	Officiating Accounts Officer	30-11-1979	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Pune.
31.	Sardari Lal Sethi (P/280)	Permanent Accounts Officer	30-11-1979	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.
32.	V. P. Gupta (O/251)	Officiating Accounts Officer	30-11-1979	Controller of Defence Accounts (ORs) North, Meerut.

1	2	3	4	5
33.	Madan Lal Sharma (P/596)	Permanent Accounts Officer	30-11-1979	Controller of Defence (DRs) South, Madras. Accounts
34.	M. Ramakrishnan (P/27)	Do.	30-11-1979	Controller of Defence (DRs) South, Madras. Accounts
35.	D. S. Ghosh (P/167)	Do.	30-11-1979	Controller of Defence Accounts Patna.
36.	Wazir Chand (P/454)	Do.	30-11-1979	Controller of Accounts (Fys) Calcutta
37.	E. Bhanunny (P/552)	Do.	31-12-1979	Do.
38.	N. Sivaankaran. (P/419)	Do.	31-12-1979	Do.
39.	Sardari Lal Ahuja (D/84)	Officiating Accounts Officer	31-12-1979	Controller of Defence Accounts (DRs) North, Meerut.
40.	Jaswant Rai Malhotra (P/425)	Permanent Accounts Officer	31-12-1979	Do.
41.	R. Balaji (P/174)	Do.	31-12-1979	Controller of Defence Accounts Southern Command Puno.
42.	A. M. Balasubramanian (P/64)	Do.	31-12-1979	Do.
43.	Chiranji Lal Gupta (P/484)	Do.	31-12-1979	Do.
44.	S. C. Bhattacharjee (P/307)	Do.	31-12-1979	Controller of Defence Accounts Patna.
45.	Gordhan Dass (P/243)	Do.	31-12-1979	Do.
46.	H. Krishnamurthy (B/135)	Officiating Accounts Officer	31-12-1979	Controller of Defence Accounts (DRs) South, Madras.
47.	P. Satyanarayana Rao (P/544)	Permanent Accounts Officer	31-12-1979	Do.
48.	K. S. Ramachandran (P/181)	Do.	31-12-1979	Controller of Defence Accounts (DRs) South, Madras.
49.	V. A. Narayanaswamy (D/11)	Officiating Accounts Officer	31-12-1979	Do.
50.	S. Ratnasabapathy (D/71)	Do.	31-12-1979	Controller of Defence Accounts (Officers), Pune.
51.	K. R. K. Naidu (B/282)	Do.	31-12-1979	Do.
52.	H. K. Kapoor (G/NYA-A/642)	Do.	30-11-1979	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.
53.	Bhagwat Parshad Sharma (P/526)	Permanent Accounts Officer	31-12-1979	Do.
54.	Om Prakash Bhuchar (P/79)	Do.	31-12-1979	Do.
55.	R. P. Bhardwaj (P/531)	Do.	30-11-1979	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.
56.	Harnam Dass Dua (P/130)	Do.	30-11-1979	Do.
57.	S. N. Ghosh (D/148)	Officiating Accounts Officer	30-11-1979	Do.
58.	N. S. Datar (D/NYA-A/786)	Do.	30-11-1979	Controller of Defence Accounts South, Madras.
59.	A. G. Kaimal (P/453)	Permanent Accounts Officer	30-11-1979 (Voluntary Retirement)	Do.
60.	S. P. Pathak (P/341)	Do.	31-12-1979	Controller of Accounts (Fys), Calcutta.

K. P. RAO,
Addl. Controller General of Defence
Accounts (AN)

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 20th February 1980

No. D(22)/AI.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri A. S. Dosaj, Overseer, to officiate as Assistant Manager (Tech) Govt. of India Press, Faridabad, with effect from the forenoon of 19-7-1979, until further orders.

No. P(3)/AI.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri B. S. Parthasarthy, Overseer, to officiate as Assistant Manager (Technical), Government of India Press

(Forms Unit) Santragachi, Howrah, with effect from the forenoon of 14-11-1979, until further orders.

B. N. MUKHERJEE
Joint Director (Admn.)

**MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE**

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 7th February 1980

No. 4/80/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri T. R. Dutta, Offg. Staff Officer (Subst. &

Permt. A.S.O.) retired from service with effect from 31st December, 1979 (A/N).

(Sd.) ILLEGIBLE
Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 6th February 1980.

No. 12/550/67-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Dr. T. N. Jaitle, Deputy Director (Export Promotion) in the Office of Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Director (Gr. II) (Export Promotion) on *ad hoc* basis in the same office with effect from the forenoon of 21st January, 1980, until further orders.

No. A-19018/55/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. P. Sondhi, Deputy Director (Food) in the Office of Development Commissioner (Small Scale Industries) as Director (Gr. II) (Food) in Small Industry Development Organisation on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 23rd May, 1978 and upto the 30th June, 1979.

No. A-19018(448)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri W. A. Shambekar, a permanent Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation & Statistics) in the Small Industries Service Institute, Ahmedabad as Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation/Data Bank) on *ad hoc* basis in the same Institute with effect from the forenoon of 1-9-1979, until further orders.

No. A-19018(453)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri Danda Papa Rao, a permanent Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation & Statistics) in the Small Industries Service Institute, Cuttack as Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation/Data Bank) in the Same Institute on *ad hoc* basis with effect from the afternoon of 28th December, 1979, until further orders.

No. A-19018(451)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri T. N. Singh, a permanent Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation and Statistics) in the Small Industries Service Institute, Ranchi as Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation/Data Bank) on *ad hoc* basis in the Branch Small Industries Service Institute, Silchar with effect from the forenoon of the 20th September, 1979, until further orders.

The 7th February 1980

No. A-19018/461/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. M. Gedam as Deputy Director (Metallurgy) at Regional Testing Centre, Madras with effect from the forenoon of 18th January, 1980 and until further orders.

The 8th February 1980

No. A-19018(395)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri B. P. Maiti as Assistant Director (Grade I) (Mechanical) in the Extension Centre, Kalyani with effect from the forenoon of the 3rd January, 1980, until further orders.

No. A-19018(430)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Radhey Shyam, as Assistant Director (Grade I) (Metallurgy) in the Extension Centre, Kolhapur, under the Small Industries Service Institute, Bombay with effect from the 9th January, 1980 (F.N.), until further orders.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 29th January 1980

No. A-1/1(1150).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri K. C. Moitra, Superintendent in DS&D, Calcutta to officiate as Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta with effect from the afternoon of the 11-1-1980 *vice* Shri R. P. Bhattacharya, AD(Admn.) (Gr. II) retired.

The 7th February 1980

No. A-1/1(1148)/80.—The President is pleased to appoint Shri Ashoke Kumar Mohapatra, candidate nominated by the Union Public Service Commission on the result of Engineering Services Examination, 1978 as Assistant Director (Grade I) (Training Reserve) (Grade III of the Indian Supply Service, Group 'A') with effect from the forenoon of 24-1-1980.

The 8th February 1980

No. A-1/1(79).—Shri M. Singh, Permanent Dy. Director of Supplies (Gr. I) and officiating Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1980 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-1/1(622).—Shri S. Venugopal, Permanent J.F.O. and officiating Assistant Director (Supplies) (Grade I) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1980 on attaining the age of superannuation (58 years).

ADMINISTRATION SECTION A-6

No. A-17011/171/80-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri M. M. Jain, Examiner of Stores (Met) in the Jamshedpur Inspectorate under this Directorate General to officiate as Assistant Inspector (Met) on *ad hoc* basis in the same Inspectorate w.e.f. the forenoon of 4th December, 1979 and until further orders.

K. KISHORE
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL
(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 30th January 1980

No. 890B/A-32013(AO)/78/19A.—The *ad hoc* appointments of the following officers to the posts of Administrative Officer (Previously as Assistant Administrative Officer) in the Geological Survey of India are regularised with effect from the dates shown against each of them :—

- Name and Regularisation*
1. Shri S. N. Chowdhury—21-10-78
 2. Shri A. K. Chattaraj—21-10-78.
 3. Shri Jag Jiban Chakraborty—21-10-78.
 4. Shri M. S. Narasimhan—21-10-78.
 5. Shri S. P. Mallick—21-10-78.
 6. Shri S. R. Ghosh—21-10-1978.
 7. Shri M. M. Das—21-10-78.
 8. Shri S. K. Mahanta—21-10-78.
 9. Shri K. Sinha Roy—21-10-78.
 10. Shri A. K. Gupta—21-10-78.
 11. Shri D. P. Maiti—21-10-78.
 12. Shri A. R. Biswas—21-10-78.
 13. Shri K. Rangachari—4-12-78.

The 7th February 1980

No. 1176B/A-19012(lib-TKR)/79-19A.—Shri T. Kamewara Rao, Senior Assistant Librarian, Geological Survey

of India, is appointed on promotion as Librarian in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the afternoon of the 23rd November 1979, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 4th February 1980

No. A-19012(110)/78-Estt. A Vol.I—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri V. S. Dangre, Assistant Librarian is promoted to the post of Deputy Librarian with effect from 22nd November, 1978 (afternoon), until further orders.

S. BALAGOPAL
Head of Office

SURVEY OF INDIA
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE
Dehra Dun, the 30th January 1980

No. C-5593/718-A.—The undermentioned officers who were appointed to officiate in the post of Establishment and Accounts Officer (Group 'B' post) in the Survey of India on *ad hoc* basis with effect from the dates as stated against each, are appointed to officiate as such on regular basis w.e.f. 17th January, 1980.

Name and Designation (1)	Date of promotion as Establishment and Accounts Officer on <i>Ad-hoc</i> basis vide Notification No. (2)	Office to which posted (3)
1. Shri U. S. Srivastava, Superintendent, Surveyor General's Office.	4-1-1979 (F.N.) (Notification No. C-5495/718-A dated 7-5-1979).	Surveyor General's Office, Dehra Dun.
2. Shri Amar Singh Rawat, Superintendent, Surveyor Geeneral's Office.	13-6-1977 (F.N.) (Notification No. C-5239/718-A dated 28-6-1977)	South Central Circle Office, Hyderabad.
3. Shri L. P. Kundalia, Superintendent, Surveyor General's Office	13-7-1977 (F.N.) (Notification No. C-5257/718-A dated 16-8-1977)	Map Publication Office, Dehra Dun.
4. Shri O. N. Kapoor, Superintendent, Surveyor General's Office (Offg)	30-11-1979 (AN) (Notification No. C-5578/718-A dated 10-12-1979)	Surveyor General's Office, Dehra Dun.
5. Shri K. V. Krishnamurthy, Office Superintendent, (CST & MP) (Offg). Scale of Pay : Rs. 700-30-760-35-900)	3-10-1979 (F.N.) (Notification No. C-5589/718-A dated 7-1-1980)	Surveyor Training Institute, Hyderabad.
6. Shri P. C. Jain, Superintendent, Surveyor General's Office	15-7-1977 (F.N.) (Notification No. C-5257/718-A, dated 16-8-1977)	South Eastern Circle Office, Bhubaneswar.
7. Shri M. D. Babral, Superintendent, Surveyor General's Office.	14-6-1977 (F.N.) (Notification No. C-5239/718-A, dated 28-6-1977)	North Eastern Circle Office, Shillong.
8. Shri Lakshmi Chandra, Superintendont, Surveyor General's Office (Offg.)	3-9-1979 (F.N.) (Notification No. C-5557/718-A, dated 5-10-1979).	Western Circle Office, Jaipur.
9. Shri Ganesh Lal, Superintendent, Surveyor General's Office (Offg.)	2-1-1979 (F.N.) (Notification No. C-5334/718-A, dated 20-1-1978).	Southern Circle Office, Bangalore.
10. Shri Manohar Lal' Superintendent, Surveyor General's Office (Offg.)	30-11-1978 (F.N.) (Notification No. C-5451/718-A, dated 21-12-1978)	Pilot Map Production Plant, Hyderabad.
11. Shri Jugal Kishore Sharma, Superintendent, Surveyor General's Office (Offg.)	12-3-1979 (F.N.) (Notification No. C-5483/718-A, dated 23-4-1979)	North Western Circle Office, Chandigarh.
12. Shri Van Khuma, Office Superintendent, (CST & MP) (Offg), (Scale of Pay : Rs. 700-30-760-35-900)	1-7-1978 (F.N.) (Notification No. C-5431/718-A, dated 8-11-1978)	Survey Training Institute, Hyderabad.
13. Shri J. P. Sharma, Superintendent, Surveyor General's Office (Offg.)	3-10-1979 (FN) (Notification No. C-5570/718-A, dated 29-10-1979).	Central Circle Office, Jabalpur.
14. Shri Ram Lal, Superintendent, Surveyor General's Office (Offg.)	25-6-1979 (F.N.) (Notification No. C-5538/718-A, dated 18-8-1979)	Eastern Circle Office, Calcutta.

K. L. KHOSLA
Major General
Surveyor General of India

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 4th February 1980

nent Assistant Chemist Gr. I to officiate as Scientific Officer (Group B Gazetted) on purely *ad hoc* basis with effect from 16th January, 1980 (F.N.) and till further orders.

This *ad hoc* appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the

No. F. 11-24/79-A. 1.—The Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri B. L. Razdan, Perma-

purpose of seniority and for eligibility for promotion to the next higher grade.

His pay on his appointment as Scientific Officer is fixed @ Rs. 960.00 P.M. under F.R. 22.C in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

B. S. KALRA
Administrative Officer
for Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 8th February 1980

No. 10/23/79-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri P. K. Londhe as Assistant Engineer at All India Radio, Cuttack in a temporary capacity with effect from the forenoon of 21-1-80, until further orders.

H. N. BISWAS
Deputy Director of Administration
for Director General

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
(FILMS DIVISION)**

Bombay-26, the 2nd February 1980

No. A. 20012/6/72-Est. I.—The Chief Producer, Films Division hereby appoints Shri M. V. Kamble, Officiating Asstt. Newsreel Officer, Films Division, New Delhi to officiate as Cameraman in the same office with effect from forenoon of 6-12-79 until further orders.

N. N. SHARMA
Asstt. Administrative Officer,
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi-11, the 2nd February 1980

No. 6-20/78-DC (Part).—The President is pleased to appoint Shri Saroj Kanti Das to the post of Biochemist, Central Drugs Laboratory, Calcutta, with effect from the forenoon of the 10th January, 1980 until further orders.

SANGAT SINGH
Deputy Director Administration

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)**

Bombay-400085, the 19th December 1979

No. 5/1/79-Estt. II/4717.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undesignated officials to officiate ad hoc basis as Assistant Personnel Officer for the period shown against their names :

Sl. No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
1	2	3	4	5
1.	Shri L. B. Gawde Assistant	Assistant Personnel Officer	10-9-1979	9-11-1979 AN
2.	Shri A. K. Katre Assistant	Assistant Personnel Officer	19-9-1979	30-10-1979 A.N.
3.	Shri S. R. Pingoo S. G.C	Assistant Personnel Officer	19-9-1979 2-11-1979	30-10-1979 A.N. 14-12-1979 A.N.
4.	Shri P. B. Karandikar. Assistant	Assistant Personnel Officer	9-10-1979	16-11-1979 A.N.

The 5th February 1980

No. S/2796/Met/Estt. I/500.—Additional Director, Bhabha Atomic Research Centre accepts the resignation from service tendered by Shri Vinapillil Kesavamnenon Sasidharan, a permanent Scientific Assistant 'B' and officiat-

ing Scientific Officer (SB) in this Research Centre, with effect from December 24 1979 (AN).

Kum. H. B. VIJAYAKAR
Dy. Establishment Officer

New Delhi, the 2nd February 1980

No. A. 38011/1/79-D.—On attaining the age of superannuation, Shri B. L. Naik, Deputy Drugs Controller (India) Central Drugs Standard Control Organisation, West Zone, Bombay, retired from Govt. service with effect from the afternoon of the 31st December, 1979.

STORE I SECTION

The 5th February 1980

No. A. 19012/10/79-SI.—In continuation of this Directorate's notification No. A. 19012/10/79-SI dated 19-10-79 the Directorate General of Health Services is pleased to appoint Shri V. R. Natekar to the post of Assistant Factory Manager, Govt. Medical Store Depot, Bombay, with effect from the forenoon of 17th Dec., 1979 on a temporary basis and until further orders.

No. A. 19012/17/79-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri R. Rajaram, office Supdt. to the post of Assistant Depot Manager, Govt. Medical Store Depot, Bombay on an *ad hoc* basis for a period of six months with effect from the forenoon of 10th January, 1980, until further orders.

The 8th February 1980

No. A. 19012/16/79-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri C. V. Joshi, Office Superintendent to the post of Assistant Depot Manager, Govt. Medical Store Depot, Bombay on an *ad hoc* basis for a period of six months with effect from the forenoon of 28-12-79.

SHIV DAYAL
Dy. Director Administration (ST)

New Delhi, the 5th February 1980

No. A. 19019/21/79 CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. K. Sethumadhavan to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 17-12-1979.

N. N. GHOSH
Dy. Director Admn. (CGHS)

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION**

Bombay-5, the 2nd February 1980

No. PPED/6(141)/72-Adm. 1390.—In pursuance of Sub-Rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules 1965, I hereby give notice to Shri Chandar Sunny Balmiki, temporary Cleaner in this Division that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date of publication of this notification.

B. V. THATTE
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 5th February 1980

No. AMD-1/12/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri A. C. Banerjee, Assistant Accountant as Assistant Accounts Officer in the same Division in a purely

temporary capacity with effect from the (afternoon of December 13, 1979 upto January 29, 1980 (afternoon) vice Shri C. V. Sampath, Assistant Accounts Officer granted leave.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 7th February 1980

No. Ref. HWPs/Estdt/1/T-19/611.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Kochuthundiyil Thomas a permanent Lower Division Clerk in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Clerk in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same office in a temporary capacity, on *ad hoc* basis, from December 26, 1979 (FN) to January 25, 1980 (AN) vice Smt. K. P. Kallyanikutty, Assistant Personnel Officer, granted leave.

K. SANKARANARAYANAN
Senior Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 11th February, 1980

No. A. 32013/8/79-EC.—In continuation of this Department Notification Nos. A. 32013/8/79-EC, dated 1-8-1979, 15-9-1979, 31-10-1979 and 7-12-1979, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the undermentioned ten officers to the grade of Technical Officer beyond the dates mentioned against each and upto 31-5-1980 or till the regular appointment to the grade are made, whichever is earlier :

Sl. No.	Name	Station of posting	Period of ad-hoc appointment sanctioned.
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Shri K. Rangachari	A. C. S. Madras	beyond 6-1-1980 and upto 31-5-1980.
2.	Shri M. L. Dhar	Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi.	Beyond 28-12-1979 and upto 31-5-1980.
3.	Shri S. D. Bansal	A. C. S., New Delhi	Beyond 29-12-1979 and upto 31-5-1980.
4.	Shri D. S. Gill	Director, Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.	Beyond 2-2-1980 and upto 31-5-1980.
5.	Shri S. P. Sahani	Do.	Beyond 1-2-1980 and upto 31-5-1980.
6.	Shri V. Subramaniam	A. C. S., Nagpur	Beyond 9-2-1980 and upto 31-5-1980.
7.	Shri S. K. Das	A. C. S., Calcutta	Beyond 28-2-1980 and upto 31-5-1980.
8.	Shri H. S. Gahley	A. C. S., Lucknow	Beyond 9-3-1980 and upto 31-5-1980.
9.	Shri H. S. C. Rao	A. C. S., Bombay	Beyond 18-3-1980 and upto 31-5-1980.
10.	Shri K. S. Narasimham	A. C. S., Calcutta	Beyond 29-4-1980 and upto 31-5-1980.

R. N. DASS
Asstt. Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 6th February 1980

No. A-32013/7/79-ES.—The President is pleased to appoint the undermentioned seven officers on regular basis and until further orders to the grade of Aircraft Inspector with effect from 25th January, 1980.

1. Shri Anupam Bagchi
2. Shri S. Majumdar

3. Shri H. M. Phull
4. Shri L. A. Mahalingam
5. Shri D. P. Ghosh
6. Shri L. M. Mathur
7. Shri R. N. Sastry.

No. A. 38013/1/79-EC.—The undermentioned two Officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquished charge of their office on 31-12-1979 (AN) on retirement on attaining the age of superannuation :

Sl. No.	Name & Designation	Station	Date of retirement
1.	Shri K. K. Narayan, Senior Technical Officer.	A. C. S., Calcutta	31-12-1979 (AN)
2.	Shri J. H. Lance, Communication Officer	Regional Director, Safdarjang, Airport New Delhi.	31-12-1979 (AN)

R. N. DAS
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 4th February 1980

No. 1/14/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri H. K. Khemani, Perm. Superintendent, Hq. Bombay as Assistant Administrative Officer in an officiating capacity in the same Office with effect from the forenoon of the 20th December, 1979 and until further orders, on a regular basis.

No. 1/167/79-EST.—The Director General, Overseas Communications service, hereby appoints Shri P. V. Vijayakumaran as Assistant Engineer in a temporary capacity in the New Delhi Branch with effect from the forenoon of the 23rd November, 1979 and until further orders.

No. 1/168/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Tejinder Singh Gambhir, as Assistant Engineer, in a temporary capacity in the Switching Complex, Bombay with effect from the forenoon of the 19th December 1979 and until further orders.

No. 1/213/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. D'Sales, Permanent Asstt. Administrative Officer, Headquarters Office, Bombay, as Administrative Officer, in an officiating capacity, in the same office on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of the 20th December 1979, and until further orders.

No. 1/455/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. D. Garg, Offg. Technical Assistant, Dehra Dun Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Branch, with effect from the forenoon of the 17th September, 1979 and until further orders, on a regular basis.

P. K. G. NAYAR
Director (Admn.)
for Director General

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE
BOMBAY-1

Bombay-400 020, the 7th January 1980

No. II/3E(a)2/77-Pt.I.—The following Office Superintendents have, on promotion, assumed charge as Administrative Officer/Assistant Chief Accounts Officer of Central Excise, Group 'B' in Bombay Central Excise Collectorate with effect from the dates shown against their names.

1. Shri P. C. Joshi A.C.A.O., 25-10-1978 F.N.
2. Shri V. D. Nadkar A.C.A.O., 25-10-1978 F.N.
3. Shri M. A. Jhetam, Admn. Officer 28-10-1979 F.N.
4. Shri R. S. Desai Admn. Officer, 2-3-1979 F.N.
5. Shri V. S. Karnade Admn. Officer, 5-3-1979 F.N.

No. II/3E(a)2/77-Pt.I.—The following Superintendents of Central Excise Group 'B' in Bombay Central Excise Collectorate have expired on the dates shown against their names.
S. Nos., Names and Date of expired

1. Shri P. R. Kamat, Superintendent, 7-9-1978.
2. Shri A. V. Borkar Superintendent, 28-12-1978.
3. Shri J. N. Murar, Superintendent, 9-3-1979.
4. Shri B. T. More Superintendent, 26-3-1979.

K. S. DILIPSINHJI
Collector of Central Excise
Bombay-1

NARMADA WATER DISPUTES TRIBUNAL

New Delhi-110011, the 2nd February 1980

No. 19/13/72-NWDT.—Dr. M. R. Chopra who was appointed as an Assessor on whole-time basis by the Narmada Water Disputes Tribunal under Section 4(3) of the Inter-State Water Disputes Act, 1956 (33 of 1956) relinquished

charge of the appointment on the forenoon of 1st February, 1980, on completion of the work of the Tribunal.

No. 19/34/76-NWDT.—Shri Balwant Singh Nag who was appointed as an Assessor on whole-time basis by the Narmada Water Disputes Tribunal under Section 4(3) of the Inter-State Water Disputes Act, 1956 (33 of 1956) relinquished charge of the appointment on the forenoon of 1st February 1980, on completion of the work of the Tribunal.

By Order of the Tribunal
P. R. BOSE
Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRSOFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
In the matter of Companies Act 1956 and of Pandian Publications Limited

Madras-600006, the 29th January 1980

No. DN/7071/500/Pov/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Pandian Publications Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

In the matter of Companies Act 1956 and of Himgiri Finance & Chit Fund Company Pvt. Ltd.

Jullundur, the 5th February 1980

No. G/Stat/560/3146/1208.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Himgiri Finance & Chit Fund Company Private limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of Shahzada and Shahzada Lucky Schemes (Chit Fund) Pvt. Ltd.

Jullundur, the 5th February 1980

No. G./Stat/560/2541/1210.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Shahzada and Shahzada Lucky Schemes (Chit Fund) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

N. N. MAULIK
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

*In the matter of Companies Act 1956 and of Somu Transports Private Limited
1/266, Pillayarpalayam Road, Madurai-12*

Madras, the 12th February 1980

No. DN/4162/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Somu Transports Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s. R. RAMASWAMY PRIVATE LIMITED

Madras-600 006, the 12th February 1980
No. DN.3940/560(5)/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act,

1956 that the name of M/s. R. Ramaswamy Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

H. BANERJEE
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

Chandigarh, the 6th February 1980

No. 1222.—Whereas Jujhar Industries Private Limited, having its registered office at, Patiala is being wound up; And whereas the undersigned has reasonable cause to

believe that no liquidator is acting and that Statement of Accounts (returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Jujhar Industries Private Limited will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

N. N. MAULIK
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

FORM ITNS

(1) Shri Surinder Lal Saigal & Varinder Kumar Saigal
Sons of Shri Makhan Lal Saigal, 4/28, W.E.A.
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferors)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 22nd January 1980

Ref. No. IAC/Acq-III/1-80/465.—Whereas, I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-107, situated at N.D.S.E. Part II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 23-6-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Joginder Lal Tondon, Manohar Lal Tondon SS/o Hans Raj Tandon, Mrs. Shashi Tandon W/o Kasturi Lal-Tandon Tandon Bros (HUF), Modern Silk Emporium (HUF) & Smt. Neena Tandon W/o B. L. Tandon, Ganga Ram Building, Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A two and a half storeyed house No. C-107, built on a free hold plot of land measuring 500 sq. yds. in the residential colony known as New Delhi South Extension Part II, New Delhi, situated at Village Zamrudpur, Delhi, bounded as under :—

North : Road.
South : House No. C-97.
East : House No. C-108.
West : House No. C-106.

G. C. AGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-1-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Raunaq Singh S/o late Nihal Singh 16,
Friends Colony, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s India Crafts through Mr. Vinod Chopra
Partner of the firm regd. office at 2-E/1, Jhande-
walan Ext., New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 15th February 1980

Ref. No. IAC/Acq-JI/6-79/5492.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 10/64 situated at Kirti Nagar, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on 26-6-1979,
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property,
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons whichever
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Factory built on plot No. 10/64 Kirti Nagar, Industrial Area
New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 15-2-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Mangha Ram S/o Shri Leela Ram R/o 3593-94, Mori Gate, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Krishana Wanti W/o Shri Kundan Lal Arora R/o C-3/6, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 4th February 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/6-79/5400.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-3/6 situated at Rajouri Garden, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. C-3/6 Rajouri Garden, New Delhi, with the land measuring 142½ Sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1980

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Sb. Ravindra Kumar Gupta, Smt. Nirmala Gupta & M/s Shyam Lal & Sons (HUF) R/o 4/16-B, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s S. Chand & Co. Ltd., Ram Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFA LI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 4th February 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/8-79/5722.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19-A, situated at Ansari Road Darya Ganj, Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building on Plot of land known as 19-A, Ansari Road, Daryaganj, Delhi, measuring in area 1377.52 sq. yds. with superstructures located at Ansari Road with Municipal No. 4633 bearing Khasra No. 64.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 4-2-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 4th February 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/6-79/5417.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 137, situated at Raja Garden, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Manak Chand S/o Shri Bishan Dass R/o B-3/14 Rajouri Garden, New Delhi, Smt. Janak Rani wd/o Madan Lal R/o A-43 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

(2) Shri S. Jagmit Singh and S. Ravinder Pal Singh, ss/o S. Chaitnimit Singh, R/o 137 Raja Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 137, mg. 224 sq. yds. at Raja Garden, area of Vill., Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 4-2-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

- (1) Smt. Tara Wati W/o Sh. Late Bansri Lal Basandra R/o 153-E, Kamla Nagar, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Sudesh Verma W/o Sh. Prem Chand Verma formerly R/o 4/13, Roop Nagar, Delhi now R/o 93-E Kamla Nagar, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 4th February 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/6-79/5502.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-153 situated at Kamla Nagar, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the ~~said instrument~~ of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the ~~said Act~~, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein ~~as~~ are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 153-E, Kamla Nagar-7, area 166.7 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the ~~said~~ Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the ~~said~~ Act, to the following persons, namely :—

19—476GI/79

Date : 4-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Avinash Chander Sawhney general attorney of Shri Tilak Raj Bhasin s/o Shri Haveli Ram K-90 Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Madan Lal Khosla s/o Shri Dewan Chand R/o K-79, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFAJ ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 4th February 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/6-79/5464.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. K-79 situated at Kirti Nagar, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi in June 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on Plot No. K-79, Kirti Nagar, area of Vill. Bassai-Darapur Delhi State, Delhi measuring 150 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 4-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 14th February 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/6-79/5437.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 15, Block-E, situated at Rajouri Garden, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi in June 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Amar Singh Kukreja S/o S. Ralla Singh Kukreja R/o Janta Cycle Store, Station Road, Patna-1.
(Transferor)
- (2) M/s Gurbax Singh Ram Chand & Co. (P) Ltd. 8/86, Ramesh Nagar, New Delhi, through Shri. Gurbax Singh and Ram Chand.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

THE SCHEDULE

Land mg. 598.44 sq. yds. Plot No. 15 in Block-E, at Rajouri Garden, area of Village Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-2-1980
Seal :

FORM JTNS

(1) Shri Ram Chander S/o Shri Ghisa Ram R/o Village Libaspur, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Krishna Devi W/o Shri Ram Kumar Gupta R/o Village Bakhtawarpur, Delhi State, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq-II/6/79/5480.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-32, situated at Kamla Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, (27 of 1957);

One Basement Hall and three shops each mg. 1400 sq. ft. and 256 sq. ft. part of property build on plot No. D-32 mg. 233.33 sq. yds. situated at Kamla Nagar, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s Rentiers and Financiers Pvt. Ltd., Flat No. 4,
10-Hailey Road, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002**

New Delhi-110002, the 14th February 1980

Ref. No. IAC/Acq-6-79/5448.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-A, Block-B, 45 situated at The Mall Road, Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Delhi on 12-6-1979, which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Surinder Kaur W/o S. Joginder Singh Sondhi R/o 5-A Block-B, 45-Mall Road, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 5-A, Block-B, 45-The Mall Road, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-2-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Prakash Bhasin S/o Shri Madan Lal
R/o, C-1/11, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Suraswati Devi W/o Shri Ram Narain Jhanwar
R/o House No. B/10, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 14th February 1980

Ref. No. IAC/Acq-II-6/79/5501.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. C-1/11, situated at Rajouri Garden, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred, under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on 27-6-1979
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on Plot No. C-1/11, measuring 450 sft. yds. (out of which land mg. 300 sq. yds is being acquired by Govt. for widening of road) at Rajouri Garden, area of vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-2-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 14th February 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/6-79/2682.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-3/108 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 25-6-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by **more than fifteen per cent** of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Raghu Nath Singh s/o Shri Chanan Ram, J-3/108 Rajouri Garden, N. Delhi Shri Madan Lal s/o Shri Chanan Ram E/o J-5/162 Rajouri Garden, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Puri s/o Shri Girdhari Lal Puri through his general attorney Shri Sudesh Kumar Puri R/o J-3/10 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. J-3/108, mg. 166.7/10 sq. yds at Rajouri Garden, area of Vill. Tatarpur, Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001**

Bangalore-560001, the 4th January 1980

C.R. No. 62/24293/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 situated at H.A.L. IIInd Stage, Indiranagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Bangalore. Doc. No. 995/79-80 on 29-6-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Kamala Unnikrishnan w/o Mr. M. R. Unnikrishnan Nambisan, No. 2995, H.A.L. IIInd Stage, Indiranagar, Bangalore.

(Transferee)

(2) Shri Sandeepkumar Mohan Saria S/o S. S. Mohan Saria, C/o Mr. B. N. Ram, No. 58, Main Road, Whitefield, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 995/79-80, dated 29-6-79)

Building Site bearing No. 3 situated in H.A.L. IIInd Stage, Indiranagar, Bangalore.

Bounded on :

East by site No. 12 and 13.
West by Road.
North by site No. 2.
South by Road.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

**ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001**

Bangalore-560001, the 7th January 1980

C.R. No. 62/24306/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, New No. 39/1, situated at Ushas Layout, VI Main Road, Malleswaram, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore, Doc. No. 1077/79-80 on 19-6-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Suguna Bai, W/o Sri T. G. Rama Rao, "Govinda Mandir", Pushyamantapam Street, Tiruvayyaru, Tanjore, Dist. Tamil Nadu.

(Transferor)

(2) Shri T. Konersa, S/o Sri Narasinga Sa, No. 2, 8th Cross, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1077/79-80, dated 19-6-79)
Vacant site bearing No. 2, New No. 39/1, situated in Ushas Layout, 13th cross, VI Main Road, Malleswaram, Bangalore-3.

Bounded by :
East by VI Main Road.
West by site No. 6.
North by site No. 3.
South by site No. 1.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-1-1980

Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—476GI/79

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 14th January 1980

CR No. 62 24694/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1104, situated at H.A.L. IIInd Stage, Indiranagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Doc. No. 1335/79-80 on 30-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri K. Ranganna, No. 17, Damodar Mudaliar Street, Ulsoor, Bangalore-8.
(Transferor)

(2) Smt. R. Kamalamma, Mrs. H. Saraswathiswamy, Sri K. Sadananda and Sri M. Krishnaswamy, No. 1104, HAL IIInd Stage, Indiranagar, Bangalore-38.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1335/79-80, dated 30-7-79)

House No. 1104, situated at HAL IIInd Stage, Indiranagar, Bangalore, bounded by :

North : Site No. 1105
South : Site No. 1103
East : Private property
West : Road

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 14-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. G. Shivakumar,
S/o. Late Shri S. S. Gurusiddappa,
No 916, II Main, IV Block, Rajajinagar, Bangalore-
10.

(Transferor)

(2) Shrimati T. N. Ambuja,
W/o. Shri M. Srirama,
No. 916, II Main, IV Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferee)

(3) 1. N. R. Ramu,
2. Prakash Ramu Gupta,
3. Ramaiah

[Person(s) in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560 001.

Bangalore-560001, the 16th January 1980

C.R. No. 62/24165/79-80/Acq/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 916, situated at II Main, IV Block, Rajajinagar, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore, Document No. 816/79-80 on 5-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 816/79-80 Dated 5-6-1979).
House property bearing No. 916, situated at II Main, IV Block, Rajajinagar, Bangalore-560 010.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 16-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Y. Appaji, s/o Sri. Y. Nirvanappa, No. 321,
II Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 14th January 1980

Ref. No. C.R. No. 62/24298/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D. 937, and New No. CH. 22, Lakshmpuram, I Main road, Chamaraja Mohalla, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore Doc. No. 886/79-80 on 21-6-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 886/79-80 dated 21-6-79]

House site bearing No. D937 and New No. OH. 22 situated at Lakshmpuram, 1st Main road, Chamaraja Mohalla, Mysore.

Boundaries :

East : I Main road.
West : Passage.
North : Vacant site.
South : Kantharaj Urs road.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 14-1-80.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001.**

Bangalore, the 14th January 1980

Ref. No. C.R. No. 62/24341/79-80/ACQ/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 194/1, situated at IV Main Road, Chamarajpet, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore. Doc. No. 866/79-80, on 21-6-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri T. R. Raghuandan.
Rep. by his G.P.A. holder.
Shri G. Srinivasamurthy,
No. 44, 11th Cross, II Block,
Jayanagar, Bangalore-560011.

(Transferor)

(2) 1. Lakshamma.
2. B. V. Sudha.
No. 194/1, IV Main Road,
Chamarajpet, Bangalore-560018.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 866/79-80, dated 21-6-1979)
House property No. 194/1, situated at IV Main Road, Chamarajpet, Bangalore. 18.

Bounded by :

North : Conservancy lane.
South : IV Main Road.
East : Property No. 194
West : Property No. 193.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 14-1-80.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Vice Admiral (Retd.) Bhasker Sadashiv Soman,
5-A Satish Apartment, 15th Lane, Prabhat Road,
Pune-41004.

(Transferor)

(2) Shri Narayandas Jagannath Rathi,
5, Bund Garden Road, Pune.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
COMENT HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD**

Poona, the 17th January 1980

Ref. No. CA5/SR Haveli-I/July '79/466.—Whereas, I Shri S. K. TYAGI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 'Sarang', 113/3, situated at Koregaon Park, Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-I on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property bearing No. 113/3, Koregaon Park, Pune-1.
(Property as described in the sale deed under No. 1350 registered with the office of the Sub-Registrar, Haveli-I in July 1979).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. TYAGI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-1-1980.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Nutan Enterprises,
1379, Bhavani Peth, Pune.
(Transferor)
- (2) Naval Sahakari Griha Rachana Sanstha Maryadit,
389, Narayan Peth, Pune-30.
(Transferee)
- (3) All the members occupying the flats in the Society.
(person in occupation of the property).
- (4) Members occupying Flats in the Society.
(person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
COMENT HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD,
PUNE-411 009.

Poona, the 23rd January 1980

Ref. No. CA5/SR Haveli-II/Aug. 79/467.—Whereas I, Shri S. K. TYAGI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 389, Narayan Peth situated at Narayan Peth, Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Haveli-II on 7-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ownership Flats Building at 389, Narayan Peth, Pune-30. (Property as described in the sale deed registered under No. 1232 dated 7-8-79 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Pune).

S. K. TYAGI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona

Date : 23-1-1980.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nutan Enterprises,
1379, Bhavani Peth, Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
COMENT HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD,
PUNE-411 009.

Poona, the 11th February 1980

Ref. No. CA5/SR Haveli/468/79-80.—Whereas I, Shri S. K. TYAGI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 383, Shanwar Peth, Pune situated at Shanwar Peth, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haveli-II on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Ganesh Kripa Co-op. Housing Society, 383, Shanwar Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building situated at 383 Shanwar Peth, Pune-30.
(Property as described in the sale-deed registered under No. 892 dated July 1979 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Pune).

S. K. TYAGI,
Competent Authority,
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona.

Date : 11-2-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Khandala Land & Development Corporation,
8, Alli Chambers, Tamarind Lane, Fort,
Bombay-400023.

(Transferor)

(2) Elbee Dugal Engineering Co. Pvt. Ltd., Hocest
House, Nariman Point, Bombay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
COMENT HOUSE, 691/1/10, PUNE SATARA ROAD,
PUNE-411 009.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Poona, the 11th February 1980

Ref. No. CA5/SR.Bom./469/79-80.—Whereas I, Shri S. K. TYAGI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 43, 44 & 45, S. No. 53 & 54 situated at Khandala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the *said instrument of transfer with the object of* :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of agricultural land admeasuring about 151500 sq. yds. equivalent to 1,26,673 sq. mts. or thereabouts bearing R.S. No. 434 (pt) R.S. No. 44, R.S. No. 45 (pt) and bounded on the West by the land belonging to Tata Hydro Electric Supply Co. Ltd., on the South by S. Nos. 54 & 53, on the East by S. No. 49 and S. No. 9 and on the North by S. No. 38 (pt) and delineated on the plan annexed hereto and thereon surrounded by a red coloured boundary line.

(Property as described in the sale-deed registered under No. 1041 dt. 3-8-1979 in the office of the Sub-Registrar, Bombay.)

S. K. TYAGI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
21—476GI/79

Date : 11-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Shri Gampu Nanda Kaklij,
 2. Smt. Shantabai Gampu Kaklij,
 At Malegaon, Dist. Nasik.
 3. Smt. Rajabai Dagan Patil,
 At Ghane, Tal. Malegaon, Dist. Nasik.

(Transferor)

(2) Shri Uttam Laxman Deore,
 Endait Mala, Malegaon, Dist. Nasik.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE,
 COMENT HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD,
 PUNE-411 009.

Poona, the 13th February 1980

Ref. No. CA5/Malegaon/79-80.—Whereas I, Shri S. K. TYAGI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gat No. 608 & 603/69, Mouje Dabhadi situated at Tal. Malegaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malegaon on 1-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDELE

Agricultural land at Gat No. 608 & 603/69, Mouje Dabhadi, Tal. Malegaon, Dist. Nasik.

(Property as described in the sale-deed registered under No. 2084 dt. 1-8-79 in the office of the Sub-Registrar, Malegaon).

S. K. TYAGI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range
 Poona

Date : 13-2-1980.
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,
COMENT HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD,
PUNE-411 009.

Poona, the 13th February 1980

Ref. No. CA5/SR Haveli-I/471/79-80.—Whereas I, S. K. TYAGI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 34, A, B, 35, F.P. No. 489, Sub-plot No. 11 situated at Velankarnagar, Pune-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-I, Pune on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri R. D. Deshpande,
648, Narayan Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri V. M. Khaire,
45/1, Aranyeshwar, Devasthan Society,
Pune-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 34, A, B, 35, Final Plot No. 489, Sub-Plot No. 11, Velankarnagar, Pune-9.

(Property as described in the sale-deed registered under No. 609, in the month of July 1979 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I, Dist. Pune.)

S. K. TYAGI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date : 13-2-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Sangana gouda s/o Fakiragouda Totaganti,
R/o Kurtakote, Tq. Gadag.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
DHARWAR-580 004

Dharwar-580 004, the 5th December 1979

No. 259/79-80.—Whereas I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 12-5 & 12-6 situated at in the municipal limits of LINGASUGUR (CHAWN), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lingasugur under Document No. 428 on 16-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) (i) Shri Suleiman Ali Zubedi s/o Shekh Ali Zubedi,
(ii) Mrs. Shekha Bee w/o Shekh Ali Zubedi
H. No. 1-4-130, Mahaboob Nagar, (Andhra Pradesh).
(Transferee)

(3) 1. M/s. Maruthi Trading Co.,
2. Sri. J. S. Deshpande,
3. Sri. Gourishankar
H. No. 12-5 & 12-6 Lingasugur (Chawn).
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 428 Dated 16-6-79).
House No. 12-5 & 12-6 situated in the Municipal limits of Lingasugur (Chawn).

P. RANGANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Dharwar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5 12-1979,
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri S. Raj Kumar Jain s/o Sh Shio Bhagwan Jain r/o Amritsar Now Canal Road, Kanpur through Shri Vijay Kumar Jain s/o Shri Shio Bhagwan Jain r/o Ktr. Aluwalia, Amritsar.
(Transferee)
- (2) Shri Sutinder Kumar s/o Shri Pritam Singh r/o Bazar Nimak Mandi, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 6th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/311.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land at Dasondha Singh Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at SR. Amritsar on June 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 529/729 measuring 406 sq. mutrs situated on Dasaudha Singh Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 716/I dated 5-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Amritsar

Date : 6-2-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR**

Amritsar, the 7th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/312.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot at Dasaundha Singh Road, ASR
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Amritsar on 19 June, 1979
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Suresh Kumar s/o Sh. Shio Bhagwan r/o Aasinpur through Sh. Vijay Kumar s/o Sh. Shio Bhagwan r/o Amritsar Katra Aluwalia, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Anil Kumar s/o Shri Pritam Singh r/o Bajar Nimak Mandi, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 406 sq. mtrs (No. 529/729) situated on Dasaundha Singh Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1062/I dated 6-7-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,
 Amritsar

Date : 7-2-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ashok Kumar s/o Shri Gianchand r/o Katra Dulo, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 24th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/313.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated Race Course Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Harminder Singh s/o Dr. Santokh Singh r/o Sultanwind, Ram Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).

(4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot bearing No. 295 situated in area Tungbala Race Course Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 804/I dated 12-6-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 24-1-80

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Avtar Singh s/o Inder Singh r/o Ghariala Teh.
Patti.
(Transferor)

(2) Shri S. Gurdial Singh s/o Shri Chanan Singh, r/o
Ghariala
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/314.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land in village Ghariala
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at SR Patti. on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 35 kanals 12 marlas situated in village Ghariala tehsil, Patti as mentioned in the sale deed No. 1194 dated 13-6-79 of the registering authority, Patti.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-1-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Anand Kaur w/o Late Dr. Radhakishan r/o
22/Maqbul Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sarwan Kumar s/o Shri Murli Dhar r/o
Amritsar Cant., Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property).(4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 2nd February 1980

Ref. No. ASR/79-80/315.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. Plot of land at Maqbul Road, Amritsar.
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on June 1979
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land No. 22, measuring 1650 sq. yds situated on Maqbul Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 920 dated 20-6-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range,
 Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

22—476GI/79

Date : 2-2-1980.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Nahar Singh s/o Shri Baransingh Rajput,
Korba, Teh. Katghora,
Distt. Bilaspur.
(Transferor)
- (2) Shri Santosh s/o Late Shri Bhagwandin Yadav,
Korba, Katghora, Distt. Bilaspur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 4th February 1980

Ref.No. IAC/ACQ/BPL/1453/79-80.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House on Plot H. No. 21 situated at Katghora, Korba, Distt. Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 1st June, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on Plot H. No. 21 measuring 3150 sqft. at Korba, Teh. Katghora, Distt. Bilaspur.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1980
Seal :

FORM ITN3

(1) Shri Kaleshwar Pd.,
s/o Shri Banmali Pd.,
Masanganj, Bilaspur.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Singh, s/o
Rahel Singh,
Juni Line, Bilaspur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 4th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1454/79-80.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot at Ward No. 7, Sheet No. 18, situated at Juni Line, Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 15th June, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2080 sft. at Ward No. 7 Nazul Sheet No. 18 at Juni Line, Bilaspur.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hatimali s/o Haji Abbas Bhai Mullaji,
Lakkad Pitha, Chandni Chowk,
Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Kutubuddin s/o Shri Fidahussain,
c/o Shri Abbasbhai Bohra, Cyclewala,
Laklad-Pitha, Chandni Chowk,
Ratlam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1455/79-80.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the immovable property, having a fair market value to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 15/11, Visajl Mansion-ki-Gali, situated at Station Road, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 26th June, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Municipal House No. 15/11, Visajl Mansion-ki-Gali, Station Road, Ratlam.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Madan Mohan, s/o
Jagannath Prasad Khandelwal,
Mor Bazar, Lashkar.

(Transferor)

(2) Smt. Rajkumari,
w/o Krishna Mohan Gupta,
In front of Gorakhi Gate,
Jiyajee Chowk, Lashkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1456/79-80.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 80/2 on Rakba 945 Sft. situated at Kampu Road, Lashkar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 14th June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Dilapidated House on Rakba 945 sft. at 80/2 Kampu Road, Lashkar.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 11th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1457/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing House No. 30/2 on Rakba 875 Sft.
situated at Kampus Road, Lashkar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Gwalior on 22nd June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Madan Mohan, s/o Jagannath Prasad Khandelwal, Mor Bazar, Lashkar.
(Transferor)(2) Shri Raj Kumar s/o Krishna Mohan, Guardian Shri Krishna Mohan, s/o Girraj Kishore Gupta,
In front of Gorakhi Gate, Jiyajee Chowk, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Dilapidated house on Rakba 875 sft. at 80/2 Kampus Road, Lashkar.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-2-1980

Seal :

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Madan Mohan s/o Jagannath Prasad Khandelwal,
Mor Bazar,
Lashkar.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Mohan s/o Girraj Kishore Gupta,
In front of Gorakhi Gate,
Jiyajee Chowk,
Lashkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1458/79-80.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 80/2, on Rakba 1035 Sft. situated at Kampus Road, Lashkar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 22nd June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Dilapidated house on Rakba 1035 sft. at 80/2, Kampus Road, Lashkar.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-2-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS —————

(1) Dr. Virendra Kumar Onkardasji,
26-27, Jawahar Marg St. No. 5, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Chainram; Kemailchand and
Vijay Singh, ss/o Chhogmalji Jain,
86, Jawahar Marg, Indore.
(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 11th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1459/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Old House at 26-27, Jawahar Marg St. No. 5,
situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 11th June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied house on Rakba 2497 sft. at 26-27, Jawahar Marg St. No. 5, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-2-1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 11th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1460/79-80.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House on Rakba 740 Sft. at 22/2 Devi Ahilya Marg (Jail Road) Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 11th June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. Subhadra Bahan, w/o Vinubhai Gandhi;
117, Jail Road, Indore and
2. Pushpa Gauri, w/o Kantilal Shah,
22, Jail Road, Indore.

(Transferors)

(2) Shri Madanlal s/o Ramchandra Soni,
Sanwer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Three storied house on Rakba 740 sft. at 22/2 Devi Ahilya Marg (Jail Road), Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—476GJ/79

Date : 11-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gulab Bai w/o Ramgopal Agarwal,
54, Kalali Mohalla, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961. (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1461/79-80.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 12, 9750 Sq. Ft.
situated at Navlakha, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on 28th June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) 1. Shri Satyanarayan s/o Mangilal Sharma,
64, Juna Pitha, Indore; and
2. Shri Ghisalal, s/o Kalyanmal Sharma,
10/5, Juni Kasera, Bakhali,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12 admeasuring 9750 sq. ft. at Navlakha, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
Bhopal M.P.

Bhopal, the 11th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1462/79-80.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of House No. 297, situated at Napier Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 15th June, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Roopchand alias Shyamal alias Samandas, 297, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Chetandas, s/o Tirathdas Moolchand, 297, Napier Town, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 297 measuring 1343 sqt. at Napier Town, Jabalpur.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jugalkishore s/o
Shri Saligram Saxena,
Mehar.

(Transferor)

(2) M/s. A. H. Enterprises,
Behind Jain Petrol Pump, Maiyer,
Distt. Satna.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1463/79-80.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of Land
situated at Maiyer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Maiyer on 16th June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 66,500 sft. behind Jain Petrol Pump, Maiyer.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-2-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Rameshwari Prasad, s/o
Pandit Shri Jagannath Prasad Dubey,
Sukrawari Mohalla, Sagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Mayji Bhai and
2. Shri Bhimji Bhai,
ss/o Shri Kanji Bhai Patel,
Bhagwanganj Ward,
Sagar.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 11th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1464/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land measuring 11925 Sft,
situated at Bhagwanganj Ward, Sagar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sagar on 5th September, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 11,925 sft. situated behind Gajanan Saw Mill, Bhagwanganj Ward, Sagar.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1980
Seal :

FORM 1TNS

- (1) Shri Rameshwar Prasad, s/o Pandit Shri Jagannath Prasad Dubey, Samchari Mohalla, Sagar.
(Transferor)
- (2) S/Shri Vishram Bhai, s/o Kanji Bhai Patel and Premji Bhai Patel, Bhagwanganj, Sagar.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1465/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 12475 Sft.
situated at Bhagwanganj Ward, Sagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sagar on 5th September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 12475 sft. situated behind Gajanan Saw Mill, Bhagwanganj Ward, Sagar.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
Bhopal M.P.**

Bhopal, the 11th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1466/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 20299 Sq. ft.
situated at Bhagwanganj Ward, Sagar
Sagar on 9th June, 1979(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
B'llore South Taluk, B'llore Dist, Doc. No. 538/79-80 on
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—(1) Shri Rameshwar Prasad, s/o
Pandit Shri Jagannath Prasad Dubey,
Samchauri Mohalla, Sagar.

(Transferor)

(2) S/Shri J. Mannu Bhai s/o Shivji Bhai Patel
2. Manji Bhai s/o Shri Ramji Bhai Patel, and
3. Hirji Bhai s/o Jetha Bhai Patel,
Bhagwanganj, Sagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 20,299 sft. situated at Bhagwanganj Ward, Sagar.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 11th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1467/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,
being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House at Vill. Hathuri, P.H. No. 25, Bhatapara,
situated at Bhatapara
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatapara on 13th June, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Ram Kumari Bai
w/o Shri Harishanker Mishra,
Bhatapara, Distt. Raipur.
(Transferor)

(2) S/Shri I. Krishna Kumar &
2. Subhash Kumar, ss/o Shri Munnalal,
guardian Shri Munnalal Jaiswal s/o Nandlal,
Bhatapara.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House double storied, situated at Vill. Hathuri, P.H. No. 25, Bhatapara, Distt. Raipur.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-2-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1980

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/1468/79-80.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 20,299 Sq. ft.
situated at Bhagwanganj Ward, Sagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Sagar on 9th June, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—476GI/79

(1) Shri Rameshwar Prasad, s/o Pandit Jagannath Prasad Dubey, Sanichari Mohalla, Sagar.

(Transferor)

(2) S/Shri I. Somji Bhai s/o Shri Laddabhai
2. Lalji Bhai s/o Shri Premji Bhai, and
3. Meghji Bhai s/o Narain Bhai Patel,
Bhagwanganj Ward, Sagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 20,299 sft. situated at Bhagwanganj Ward, Sagar, (M.P.).

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rameshwar Prasad, s/o
Pandit Jagannath Prasad Dubey,
Sanichari Mohalla,
Sagar.

(Transferor)

(2) S/Shri 1. Manji Bhai s/o Shivji Bhai Patel,
2. Ratanji Bhai Patel s/o Ramji Bhai Patel, and
3. Jethabhai s/o Arjunbhai Patel,
Bhagwanganj Ward, Sagar.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1469/79-80.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 13,002 Sq. ft. situated at Bhagwanganj Ward, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 9th June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 13,002 sft. situated at Bhagwanganj Ward, Sagar, (M.P.).

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1980
Seal :

FORMS ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1470/79-80.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 16,451 Sq. ft. situated at Bhagwanganj Ward, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 9th June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any unmoney or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rameshwar Prasad, s/o Pandit Jagannath Prasad Dubey, Sanichari Mohalla, Sagar.

(Transferor)

(2) S/Shri 1. Belji Bhai s/o Premji Bhai
2. Premji Bhai s/o Shivji Bhai, and
3. Ladda Bhai s/o Mulji Bhai
Bhagwanganj Ward, Sagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 16,451 sft. situated at Bhagwanganj Ward, Sagar, (M.P.).

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.**

(1) Shri Neelratan Banerji s/o
Late Shri Shivcharan Banerji,
1416/8, B-10, Gupteshwar Road,
Madan Mahal, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Snehlata Malviya w/o
Shri Hargovind Malviya,
Sahayak Keet Vigyani,
Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 11th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1471/79-80.—Whereas I, K. K. ROY, the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 80, Kh. No. 342, Area 2800 Sq. ft.
situated at Gupteshwar Ward, Jabalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 20th June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2,800 sft. at Kh. No. 342, Plot No. 80, Gupteshwar Ward, Jabalpur.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Shri Shyamirao Chhoterao Gaushinde,
Tagore Park Colony, Khargone.
(Transferor)
- (2) Smt. Chandanbala w/o Parasmal Mehta,
20/3, North Raj Mohalla,
Indore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
Bhopal M.P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 11th February 1980

Bhopal, the 12th February 1980
Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1472/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House on Rakba 1,663 sq. ft. at 3/3, situated at North Raj Mohalla, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 20th June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Double storied house on Rakba 1,663 sq. ft. at 3/3 North Raj Mohalla, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1473/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House situated at near Tolwali Masjid, Hathi Thana Road, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 2nd June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Manohardas alias Manohar Kumar, s/o Devidas Chandiramani through Shri Murlidhar s/o Devidas Chandiramani, 48, Idgah Hills, Bhopal.
(Transferor)

(2) 1. Shri Mohd. Ishak s/o Mohd. Ismail, and
2. Smt. Muslim Bee w/o Mohd. Ishak, Ibrahimpura, Bhopal.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of four storied house on Rakba 770 sft. at Tolwali Masjid, Hathi Thana Road, Bhopal.

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS —————

- (1) Shri Hirala s/o Shankerlal Bhawar,
265, Tilak Nagar, Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Ramesh s/o Mulkraj Kapoor,
25/26, Rupram Nagar,
Indore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1474/79-80.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House on Rakba 1,880 Sft.
at 265, situated Tilak Nagar, Indore
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 12th June, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Single storied house on Rakba 1,880 sft. at 265, Tilak Nagar, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th February 1980

Ref No. IAC/ACQ/BPL/1475/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House No. 23 on Plot No. 19 situated at Haji Karimbux Colony, Chhola, Bhopal (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhopal on 11th June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Dharmibai w/o Chimandas, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Sunderdas s/o Ishardas, 103, Padam Nagar Colony, Khandwa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act.

THE SCHEDULE

Part of double storied house No. 23 on plot No. 19 admeasuring 1,685 sft. at Haji Karimbux Colony, Chhola, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Dharmi Bai w/o Chimandas,
Idgah Hills, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Tillumal s/o Ishardas,
Sindhi Market—Now at
23, Karim Bux Colony,
Chhola, Bhopal.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

Bhopal, the 12th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1476/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 23 on Plot No. 19 situated at Haji Karimbux Colony, Chhola, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhopal on 11th June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of double storied house No. 23 on plot No. 19 on rakba 1693.40 sft. at Haji Karim Bux Colony, Chhola, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
25—476G1/79

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITN8

(1) S/Shri 1. Umedalal and 2. Gulabchand,
sons of Khemchand, Ibrahimganj No. 3,
Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Smt. Geetabai. W/o Jamnaprasad; and
2. Shri Arunkumar, S/o Jamnaprasad, through
Shri Gaurishanker, S/o Jamnaprasad Chourasiya,
Ghasi Bhadbhuja, Bhopal.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1477/79-80.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House on Rakba 490 sft. at 8/3 situated at Ibrahimganj, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 14th June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Three storied pucca house on Rakba 490 sft. at 8/3, Ibrahimganj, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th February 1980

Ref. No. KNI/16/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. I and measuring 24 Bighas 19 Bishwas situated at village Pundrak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Randhir Singh S/o Sh. Sultan Singh Uraf Sh. Sultan Singh S/o Sh. Sadra.
2. Smt. Lachhmi Widow & Smt. Sultano Sumitra Ds/o Shri Sada Uraf Sadra R/o Pundrak.
(Transferor)
- (2) Dr. Sumer Chand S/o Shri Nathu Mal Chaura Bazar, Karnal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 24 bighas 19 bishwa situated in village Pundrak Teh. Karnal and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 2334 dated 21-6-1979 with the Sub-Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Rohtak

Date : 6-2-1980
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th February 1980

Ref. No. SRS/30/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 4035—4041 Nauharia Bazar situated at Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Kanhya Lal S/o Sh. Ram Lal R/o 24-A, Ravindra Sarani, Calcutta-73.
(Transferor)

(2) Sh. Mani Ram S/o Shri Shiv Ram House No. 4035-4041, Gali Karnania Wali, Nauhria Bazar, Sirsa.
(Transferee)

(3) 1. Shri Bhikam Chand,
2. Shri Jaffar Hussain,
3. Shri Jallu Ram,
4. Smt. Ram Piari.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 4035-4041 situated in Karnania Street, Nauharia Bazar, Sirsa and as more mentioned in Sale-deed registered at No. 2612, dated 10-7-1979 with the Sub-Registrar, Sirsa.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Rohtak

Date : 6-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jagdish Lal Madan S/o Sh. Ram Lal Madan,
Jagadhari.

(Transferor)

(2) M/s. Sant Alok Udhog, Mukharji Park, Jagadhari.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 7th February 1980

Ref. No. IDR/5/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building factory area 1853½, Mukharji Park situated at Jagadhari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in June 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being factory land measuring 1853½ sq. yard situated in Mukharji Park, Karnal and as more mentioned in sale-deed registered at Sr. No. 1587 dated 26-6-1979 with the sub-Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 7-2-1980

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th February 1980

Ref. No. KNL/23/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Bighas 2 Biswas situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Karnal in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Sh. Mange alias Sh. Puran Singh S/o Lachhman
 2. Smt. Man Bhari Wd/o Sh. Het Ram.
 3. S/Sh. Chamel Singh, Baljit Singh ss/o Sh. Lachhman R/o Mithan Mohalla, Kasba Karnal.
 (Transferor)

(2) Smt. Kulwant Sethi W/o Sh. Partap Chand Sethi R/o Mall Road, Karnal city.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 bighas 2 bishwas situated in urban Area, Karnal and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 2754, dated 3-7-1979 with the sub-Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Rohtak

Date : 7-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Madan Lal S/o Shiv Parshad, Kasturi, Angoori, Surti daughter & Smt. Ghagwani Wd/o Shiv Parshad R/o Railway Colony, Central Place, Babar Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Om Parkash S/o Capt. Faqir Chand E.278, Narain Vihar, New Delhi. Smt. Krishna Kanta W/o Dr. Om Parkash, R/o E-278, Naraina Vihar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th February 1980

Ref. No. GRG/18/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1 and measuring 71 kanal 13 marlas situated at Vill. Bhondsi (Gurgaon)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 71 kanals 13 marlas situated in village Bhaundasi Tch, Gurgaon and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 1522, dated 30-6-1979 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 209D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Banta Singh S/o Shri Gurbakas Singh S/o Nathu Singh Vill. Karnauli.
(Transferor)
- (2) Sh. Sampuran Singh S/o Shri Lal Singh S/o Hakikat Singh, Karnauli.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th February 1980

Ref. No. FTB/10/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land measuring 70 kanal 18 marlas situated in village Karnauli situated at Karnauli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Fatehabad in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 70 kanals 18 marlas situated at Village Karnauli and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 1616 with the Sub-Registrar, Fatehabad.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Motor & General Finance Limited, Asaf Ali Road, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. Escorts, JCB Limited, H/2, Cannaught Circus, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th February 1980

Ref. No. DLI/6/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 173 kanal 15 marlas, Revenue Estate situated at Ballabgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being agricultural land measuring 173 kanals 15 marlas situated in Revenue Estate of Ballabgarh and as more mentioned in the sale-deed registered at Sr. No. 320, dated 27-6-1979 with the Sub-Registrar, Delhi.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—476GI/79

Date : 7-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Bimla Choudhary Wd/o Sh. Lachhman Dass,
R/o Panipat.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th February 1980

Ref. No. PNP/11/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 48 Bighas 3 Biswas Patti Rajputana situated at Panipat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) (i) Shri Hirde Ram S/o Shri Lachhman Dass S/o Shri Loti Ram R/o 421/8, Panipat. (ii) Sh. Singu Ram S/o Lachhman Ram, Ram Gopal Telu Ram Sons of Sh. Hirde Ram S/o Sh. Lachhman Ram, R/o Panipat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 48 Bighas 3 Biswas situated in Patti Rajputan, Panipat and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 1847 dated 13-7-1979 with the Sub-Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Piara Singh, S/o
Shri Kishan Singh, R/o
Vill. Nagra, Teh. Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th February 1980

Ref. No. A.P. No. 2032.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Maksud Pur, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Shri Balwant Singh
S/o Shri Prem Singh
2. Smt. Niranjan Kaur
W/o Shri Balwant Singh
3. Shri Baldev Singh
S/o Shri Balwant Singh
92 Radio Colony, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2587 of June 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajinder Singh
S/o Shri Harnam Singh
Moh. Krar Khan, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Hardarshan Kaur
W/o Shri Joginder Singh,
R/o H. No. WM-2, Basti Guzan, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th February 1980

Ref. No. AP-2033.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per Schedule situated at Master Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1818 of June, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Ram Parkash Secretary
S/o Shri Dewan Chand,
41/2, Bahal Garh, Road Sonepat.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th February 1980

Ref. No. AP-2034.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule

situated at Kandala Guru Teh. Jullundur

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) Shri Swaran Singh
S/o Shri Faqir Singh
R/o Vill. Kandala Guru Teh. Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Person as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1755 of June, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Date : 4-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pawan Kant
 S/o Shri Om Parkash
 S/o Shri Hukam Chand Tandon
 R/o Jallalabad Garbhi Teh. Distt. Ferozpur.
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th February 1980

Ref. No. AP-2035.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Jallalabad (Faizlka) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Fazilka on June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. S/Shri Jeet Singh, 2. Avtar Singh
 3. Mukhtiar Singh, 4. Harmit Singh
 S/o Shri Gurbaksh Singh
 S/o Shri Darbara Singh,
 R/o Jallalabad Garbhi Teh. Fazilka.
 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1099 of June, 1979 of the Registering Authority, Fazilka.

B. S. DEHIYA,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1980
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th February 1980

Ref. No. A.P.No. 2036.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Vill. Ambala Jattan (H. Pur) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhunga on July 1979 for an consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Nirmal Singh
S/o Shri Labh Singh
S/o Shri Sher Singh
R/o Vill. Jaurra Ps. Tanda Distt. Hoshiarpur.
(Transferor)

(2) S/Shri Joginder Singh, Mohinder Singh,
Parmjit Singh, Manohar Singh
S/o Shri Natha Singh
S/o Shri Devi Chand
R/o Vill. Ambala Jattan Ps. Tanda Distt.
Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1021 of July 1979 of the Registering Authority, Bhunga.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 11-2-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 11th February 1980

Ref. No. A.P. No. 2037.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Ambala Jattan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhunga on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Shri Nirmal Singh
S/o Shri Labh Singh
S/o Shri Sher Singh
R/o Vill. Jaurra PS Tanda Teh. Dasuya
Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Smt. Gurmej Kaur
Wo Shri Nirmal Singh
S/o Shri Labh Singh
R/o Vill. Ambala Jattan PS Tanda Teh. & Distt.
Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1020 of July 1979 of the Registering Authority, Bhunga.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 11-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Jagat Singh
S/o Shri Devi Chand
S/o Shri Narain Singh
R/o Vill. Ambala Jattan
Teh. & Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(2) Shri Mohan Singh
S/o Shri Hardial Singh
S/o Shri Sandhi and
Smt. Joginder Kaur
W/o Shri Mohan Singh
R/o Vill. Ambala Jattan P.O. Ambala Jattan,
Teh. & Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
27—476GI/79

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 689 of June 1979 of the Registering Authority, Bhunga.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 11-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th February 1980

Ref. No. A.P. No. 2039.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule

situated at Vill. Hardho Thala Teh. Dassuya
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dassuya on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Ranjit Singh
 S/o Shri Khazan Singh
 Mukhtiar Khas of Sh. Sujan Singh
 S/o Sh. Kesar Singh
 R/o Vill. Hardho Thala Teh. Dassuya
 Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Malkit Singh, Daljit Singh
 Davinder Singh, Surinder Singh
 S/o Shri Hazara Singh,
 Gurnam Singh
 S/o Shri Balbir Singh
 R/o Jadota Teh. Dassuya.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and person as mentioned in the Registration sale deed No. 1812 of July, 1979 of the Registering Authority, Dassuya.

B. S. DEHIYA,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur.

Date : 11-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.**

Jullundur, the 11th February 1980

Ref. No. A.P. No. 2040.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Talwandi Bhai (Ferozepore) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Ferozepore on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Vidya Wanti
Wd/o Shri Balwant Rai
S/o Shri Karori Mal
R/o Talwandi Bhai.

(Transferor)

(2) i. Shri Gurdial Singh
S/o Shri Sher Singh
S/o Shri Jamiat Singh
ii. Smt. Avinash Rani
W/o Shri Gurdial Singh,
R/o Talwandi Bhai Teh. & Distt. Ferozepore.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2403 of July, 1979 of the Registering Authority, Ferozepore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th February 1980

Ref. No. 2041.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule

situated at Zira

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on June 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) i. Shri Brij Lal
S/o Shri Diya Ram
S/o Shri Rangi Mal Alias Angi Mal

ii. Shri Padam Kumar adopted son of Kishore Lal
S/o Shri Labhu Ram
R/o Zira.
(Transferor)
- (2) Shri Munshi Ram
S/o Shri Jagan Nath
S/o Shri Mool Chand
R/o Zira.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2327 of June 1979 of the Registering Authority, Zira.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 11-2-1980

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 19th February 1980

Ref. No. A.P. No. 2042.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule
situated at Vill. Panwan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Dassuya on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Asa Singh,
S/o Shri Ishar Singh
V. Dadial Mukhtiar of Shri Surjit Singh
S/o Shri Bua Ditta,
R/o Vill. Panwan Teh. Dassuya
Distt. Hoshiarpur.

(Transferors)

(2) S/Shri Jarnail Singh Karnail Singh
Sat Paul Singh, Amrik Singh
S/o Shri Banta Singh
R/o Vill. Panwan Teh. Dassuya
Distt. Hoshiarpur.

(Transferees)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1141 of June 1979 of the Registering Authority, Dassuya.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 19-2-1980

Seal :

FORM ITNS

UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th February 1980

A.P. No. 2043.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, Competent Authority under Section 269B of the Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the Act'), have reason to believe that the immovable property in Schedule situated at Vill. Hardo Thala, Dassuya, has a fair market value exceeding Rs. 25,000/-.

Schedule situated at Vill. Hardo Thala, Dassuya, described in the Schedule to the instrument of transfer, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Authority on 16th October, 1979, for a consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid is apparent consideration therefor by more than 50% of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagir Singh
S/o Shri Sudagar Singh
R/o Bhagara,

(Transferor)

(2) S/Shri Buta Singh Dilbag Singh,
Gurdial Singh, Gurdev Singh
S/o Shri Sohan Singh
R/o Hardo Thala Teh. Dassuya
Distt. Hoshiarpur.

(Transferees)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2558 of October, 1979 of the Registering Authority, Dassuya.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 11-2-1980
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1980

Ref. No. A.P. No. 2044.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Kotkapura Road, Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Muktsar on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Swaran Anand
D/o Shri Chuni Lal Bhatia
S/o Shri Bishan Dass Bhatia,
S/Shri Surinder Kumar Bhatia
Sudarshan Kumar Bhatia and
Smt. Snita Bhatia
D/o Smt. Parvati Bhatia
alias Lajwanti
Wd/o Shri Chuni Lal
R/o 43., Kirti Nagar, New Delhi. (Transferors)
- (2) Smt. Krishna Juneja
W/o Shri Harbans Lal Juneja, Advocate
S/o Shri Niamat Rai Juneja,
R/o Kotkapura Road, Muktsar. (Transferees)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDE

Property and Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1119 of the June 1979 of the Registering Authority, Muktsar.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 12-2-1980
Seal ;

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1980

Ref. No. A.P. No. 2045.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule
situated at Vill. Makhu Teh. Zira
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Zira on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Amrit Lal
S/o Shri Ram Nath
R/o Makhu Teh. Zira,

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Rani
W/o Shri Amrit Lal
R/o Makhu Teh. Zira.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee (for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale recd No. 2175 of June 1979 of the Registering Authority, Zira.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th February 1980

Ref. No. A.P. No. 2046.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Vill. Parjian Kalan

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Karam Singh
S/o Shri Santokh Singh
S/o Shri Narpat Singh,
R/o Parjian Kalan, Teh. Nakodar.
(Transferor)
- (2) S/Shri Jaswinder Singh, Narinder Singh
Satwir Singh s/o Sh. Jarnail Singh,
R/o Parjian Kalan, Teh. Nakodar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 686 of June of the Registering Authority, Shahkot.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—476GI/79

Date : 13-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th February 1980

- (1) Shri Amar Singh
S/o Shri Dalip Singh
R/o Basti Danish Mandan Mukhtiar-e-am
S/Shri Daljit Singh, Kulwant Singh
S/o Shri Amar Singh now in U.K.
(Transferor)
- (2) Shri Premjit Singh
S/o Shri Harnam Singh and
Smt. Jasbir Kaur
W/o Shri Harnam Singh
R/o New Grain Market-27, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2673 of 25-6-79 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 13th February 1980

Ref. No. 2048.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule
situated at Nawanshahar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nawanshahar on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Hira Singh
S/o Shri Arjan Singh
R/o Bhagoran, Teh. Nawanshahar. (Transferor)
- (2) Sardar Jaswinder Singh
So Dr. Kabal Singh
R/o House No. 654, Guru Nanak Street,
Nawanshahar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1936 of 28-6-79 of the Registering Authority, Nawanshahar.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

- (1) Shri Rattan Lal
S/o Shri Sohan Lal etc.
R/ Vill. Banga Teh. Nawanshahar.
(Transferor)
- (2) Banga Rice Mills, Banga
Teh. Nawanshahar through Shri Makhan Lal
S/o Shri Ram Kumar
S/o Shri Jamuna Dass
R/o Vill. Banga, Teh. Nawanshahar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Jullundur, the 13th February 1980

Ref. No. AP-2049.—Whereas, J. B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Banga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahar on June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1730 dated 22-6-1979 of the Registering Authority, Nawanshahar.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th February 1980

Ref. No. AP-2050.—Whereas, I, B. S. DEHIYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule
situated at Nawanshahar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nawanshahar on June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Kabul Singh
S/o Shri Charan Singh
R/o Nawanshahar.
(Transferor)
- (2) S/Shri Brij Mohan Singh, Shiv Charan Singh
S/o Shri Sarup Singh
R/o Mohalla Ghas Mandi, Nawanshahar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1899 of June 1979 of the Registering Authority, Nawanshahar

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 13-2-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Gurbax Singh S/o Bur Singh,
2. Sohinder Singh S/o Gurbax Singh,
Mota Singh Nagar, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 13th February 1980

Ref. No. A.P. No. 2051.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, AS PER SCHEDULE situated at being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Jullundur near Model Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Smt. Asha Rani W/o Fakir Chand,
2. Shri Chaman Lal S/o Hira Lal,
NM-12 Mohalla Karar Khan, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration sale Deed No. 1694 of June, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
40—466GI/79

Date : 13-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR**

Jullundur, the 13th February 1980

Ref. No. A.P. No. 2052.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at
Aman Nagar, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Gayatri Devi w/o Ram Chand and
Smt. Satya Wanti Wd/o Sadhu Ram,
R/o 116 Aman Nagar, Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Kabal Singh S/o Shri Surian Singh and
Satnam Kaur W/o P. D. Sharma,
Kuldip Kaur D/o Kabal Singh,
Now House No. 116, Aman Nagar,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2059 of June 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Didar Singh S/o Bhagwan Singh,
Urmal Teh. Dasuya.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR**

(2) Shri Joginder Singh, Bali Singh, Birsa Singh
S/o Piara Singh,
Nirmal Singh, Amrik Singh, Gurdev Singh
S/o Banta Singh,
Village Urmal Teh. Dasuya.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

Jullundur, the 13th February 1980

Ref. No. AP-2053.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
AS PER SCHEDULE situated at
Urmal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
Dasuya on June, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration Sale
Deed No. 1389 of June, 1979 of the Registering Authority,
Dasuya.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-2-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR.

Jullundur, the 14th February 1980

Ref. No. AP-2054.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDELE situated at Village Nasirewal Teh. Sultanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur on June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Mehar Singh S/o Kehar Singh, R.O. Village Baribara Teh. Poaia (Shahjahanpur) U.P.
(Transferor)
- (2) S/Shri Rajinder Singh s/o Jawand Singh,
2. Bhajan Singh S/o Phuman Singh,
3. Malkit Singh S/o Phuman Singh,
Village Nasirewal Teh. Sultanpur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 330 dated 1-6-79 of the Registering Authority, Sultanpur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29—476GI/79

Date : 14-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chanan Singh S/o Jawala Singh,
R/o Nasirewal Teh. Sultanpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 14th February 1980

Ref. No. AP-2055.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at Nasirwal (Sultanpur)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sultanpur on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Shri Rajinder Singh S/o Jawand Singh, Balwinder Singh S/o Phuman Singh, Village Nasirwal Teh. Sultanpur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 515 of June, 1979 of the Registering Authority, Sultanpur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Sadhu Singh S/o Jawala Singh,
R/o Nasirewal Teh. Sultanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 14th February 1980

Ref. No. AP-2056.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at
Nasirewal (Sultanpur)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sultanpur on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Phuman Singh S/o Jawand Singh
S/o Waryam Singh,
R/o Nasirewal Teh. Sultanpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 514 of June, 1979 of the Registering Authority, Sultanpur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sohan Lal S/o Nazar Ram,
H. No. 37/3, Avtar Nagar, Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Dev Raj Sood S/o Niranjan Dass and
Nirmal Pal Sood S/o Dev Raj Sood,
Bajoha Distt. Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration Sale
Deed No. 2446 of June, 1979 of the Registering Authority,
Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-2-1980
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Smt. Rachhpal Kaur W/o Kartar Singh,
R/o Village Churpur Teh. Sultanpur.
(Transferor)
- (2) S/Shri Dalip Singh, Pritam Singh, Piara Singh &
Mukhiar Singh S/o Santa Singh,
R/o Village Churpur Teh. Sultanpur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th February 1980

Ref. No. AP-2058.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at
Village Churpur (Sultanpur)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sultanpur on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 327 of June, 1979 of the Registering Authority, Sultanpur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-2-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Shangara Singh S/o Jota Singh,
Village Sabowal Teh. Sultanpur.
(Transferor)

(2) Shri Baboo Ram S/o Labhu Ram,
Village Sabowal Teh. Sultanpur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR**

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 15th February 1980

Ref. No. AP-2059.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at
Sabowal (Sultanpur)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 664 dated June, 1979 of the Registering Authority, Sultanpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-2-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) (i) Shri Vedantam Krishnamurthy,
(ii) Shri Vedantam Laxminarayana,
(iii) Shri Vedantam Ganapathi.
(iv) V. Srinivas,
(v) V. Phaniraj and
(vi) V. Syamprasad (minors) by
Guardian, Shri Krishnamurthy, 2-18, Brodipeta,
Guntur.

(Transferor)

- (2) Shri Dattluri Seetharamamurthy, Project Officer,
Veterinity Department, ONGOLE.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. 989.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-19-35 situated at Brodipeta, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on June '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 8510/79 dated June '79 registered before the S.R.O. Guntur.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-1-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. 990.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-15-1, situated at Agraharam, Rice Mill street, Eluru (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on June '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (i) Mr. Tammana Sarveswara Rao,
(ii) Mr. Tammana Sreeramachandramurthy,
Southern street, Eluru.

(Transferor)

(2) (i) Jupalli Ramachandra Rao,
(ii) J. Satyanarayana,
(iii) Nagisetty Ramadas,
(iv) Nagisetty Gangadhara Rao, Tobacco Merchants, Eluru.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2088/79 dated June '79 registered before the S.R.O.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-1-1980
Seal :

FORM ITN9

(1) Shri Chalamaobrla Seetharamamurthy,
S/o Peda Nagayya, Tadepalligudem.

(Transferor)

(2) Shri Mandava Venkata Ratnam,
S/o Shri Chinalakshmaiah, Tadepalligudem.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. 991.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-1-6 situated at Tadepalligudem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Richur on 9-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 7601/79 dated July 79 registered before the S.R.O. Tadepalligudem.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
30—476GI/79

Date : 10-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Vennavalli Laxminarasamma,
Shri Vennavalli Ramachandramurthy,
Eastern street, Eluru.

(Transferor)

(2) Shri Srinivedi Ranga Rao, Bhimavaram.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. 992.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-4-22 situated at Benarjipeta, Eluru. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on June '79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2123, dated June '79 registered before the S.R.O. Eluru.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-1-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vennella Narayanaswamy,
Shri Seshagiri Rao and

(iii) Venkata Laxmana Rao, Eastern street, Eluru.

(Transferor)
Shri Soorineni Venkata Krishna Rao, Bhimavaram.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. 993.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-4-22 situated at Benarjipeta, Eluru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on June '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2124/79 dated June '79 registered before the S.R.O. Eluru.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-1-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TA XACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. 994.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Kondalaraopalem Eluru Tq. West Godavari District.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on July '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Mandalapu Nagaratnamma, W/o Venkata Ramaiah, Kondalaraopalem, Eluru Tq. (Transferor)
(2) Shri Nididavolu Venkata Rao, S/o Sattiraju, Mukkamala, Tanuku Tq. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2913 dated July '79 registered before the S.R.O. Eluru.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-1-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) (i) Smt. Malladi Brahmaramba,
(ii) Sri M. Achutananda Rao,
Railpet, Guntur.

(Transferor)

- (2) Shri Pendyala Shri Ramulu,
S/o Sooraiyah, Chandulur Village,
ADDANKI Tq. Prakasam District.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. 995.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-43 & 44 situated at Kortipadu, Ramannapet, Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur, on June '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 3518/79 dated June '79 registered before the S.R.O. Guntur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10-1-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. 996.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7-9,16,17 situated at Mahatmagandhi Road, Vijayanagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Visakhapatnam on June 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Kancharla Ramanamma,
W/o Late Bangaru Setty,
Chinnaveedhi, Vijayanagaram.

(Transferor)

(2) Shri Thatikonda Jagannadh,
Pr. in M/s Raja Medical Stores,
Anakapalli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 4962 dated June '79 registered before the S.R.O. Visakhapatnam.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-1-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. 997.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4/103 situated at Gunadala village, Vijayawada Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on June '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 1957 (27 of 1957);

(1) Surapaneni Venka Subbamma, W/o late Akkaiah, Gunadala.
(Transferor)

(2) Shri P. Vasudev Kurup, Gr. I. Inspector, National Insurance Corporation, Vijayawada.
(Transferee)

(3) The Andhra Bank Ltd., Vijayawada.
(person in occupation of the property).

(4) M/s National Insurance Company Ltd., Divisional Office, 29-37-41, Eluru Road, Vijayawada.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 4187 dated 14-6-78 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-1-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Bonthu Leelavathi, Near Gandhi Statue, Gandhi-nagar, Kakinada.
(Transferor)

(2) Dr. N. Nagabhushana Rao, Reader, Dept. of History
North Eastern Hill University,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. 998.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9-11-4A situated at NOOKALAMMA TEMPLE Street, Eliven Peta, KAKINADA.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 13-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The schedule of the property as per the registered document No. 3710 dated 13-6-79 registered before the S.R.O. Kakinada.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-1-1980
Seal :

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri N. Subba Reddy, Anthropology Department,
University Buildings, Chepuk Triplicane (P.O.)
MADRAS-600005.

(Transferor)

(2) Shri K. J. S. Sethi, 48-Sanjeevaiyah Nagar, Visakhapatnam-530003.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. 999.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 situated at Sanjeevaiyah Nagar, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 6-6-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 4225/79 dated 6-6-79 registered before the S.R.O. Visakhapatnam.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
31—476GI/79

Date : 10-1-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) (i) Shri Pinapala Venkateswara Rao.
(ii) Sri Pinapala Brabhakara Rao.
(iii) Shri Pinapala Venkata Sivaramakrishna.
(Transferor)
(2) Dr. R. Sowbhagyavathi, Jawarpet, Machilipatnam.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. 1000/KDA.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/435 situated at Godugupeta, Machilipatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Machilipatnam on 14-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1562 dated 18-6-79 registered before the S.R.O. Machilipatnam.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 10-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Pinapala Venkateswara Rao.
 Shri Pinapala Venkata Sivaramakrishnan.
 5th street, Machilipatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE,
 HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. 1001.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7/435 situated at GODUGUPETA MACHILIPATNAW (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Machilipatnam on 14-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Dr. R. Sowbhagyavathi, Jawarpet, Machilipatnam.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The schedule of the property as per the registered document No. 1543 dated 14-6-79 registered before the S.R.O. Machilipatnam.

K. K. VEER
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-1-1980
 Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Moturi Seetharamaiah,
Andhra Scientific Co. Machilipatnam.
(Transferor)
- (2) Dr. Mrs. T. Indira, Dy. Civil Surgeon Govt.
Kasturiba Memorial Maternity Hospital, Challa-
palli.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. 1002.—Whereas I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18/230 situated at Machilipatnam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Machillpatnam, on June '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the question of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1643 dated June '79 registered before the S.R.O. Machillpatnam.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-1-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Rankireddy Kuchelarao,
S/o Satyanarayananmurthy, Dowlaiswaram.
(Transferor)
- (2) Smt. Habibunnisa Begum,
W/o Md. Ayub,
Habib shoe Mart. Moche street, Rajahmundry.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th January 1980

Rcf. No. 1003.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17/153 situated at Gopisettywari street, Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on June '79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2737/79 dated June '79 registered before the S.R.O. Rajahmundry.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 10-1-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Krovi Venkata Badri Narayana, C/o Shri H. Sita Rama Sastry, Danavaipeta, Rajahmundry.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. V. R. Narasimhamurthy, 46-6-28, Park East Street, Danavaipeta, Rajahmundry.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. 1004.—Whereas I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 46-12-28 situated at Park Street (Eastern side) Danavaipeta, Rajahmundry.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on June '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The schedule of the property as per the registered document No. 2927/79 dated June '79 registered before the S.R.O. Rajahmundry.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-1-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Shri Krovi Venkata Badrinarayana,
C/o K. S. Sastry, Danavaiipeta, Rajahmundry.
(Transferor)
- (2) Shri Kolluri Venkata Syama Radhakrishna Sarma,
Danavaiipeta, Rajahmundry.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. 1005.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 46-16-28 situated at Part Street, (Eastern side) Danavaiipeta, Rajahmundry, (and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on June '79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2826/79 dated June '79 registered before the S.R.O. Rajahmundry.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-1-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Andavarapu Varehalu Narasimham, C/o
Gujarati peta, Srikakulam.
(Transferor)

(2) Sri Andavarapu Venkatata Mutyalu, Gujaratipeta,
Srikakulam.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. 1006.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Kusulapuram, village, Bonduru sub-division, and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ponduru on June '79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1533/79 dated June '79 registered before the S.R.O. Pondur.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-1-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. K. Subhadramma,
Shri Kantamaneni Anandha Rao, Kovur,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. 1007.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. 12-1-9 situated at Main road, Kovur West Godavari District. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Kovur on June '79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) (i) K. Krishnamurthy,
(ii) K. Ramachandra Rao,
(iii) K. Krishnangam,
(iv) K. Satyanarayana,
(v) K. Venkateswarlu and
(vi) K. Satyanarayana Main road, Kovur.
(Transferee)
- (3) (i) Mr. K. Ammiraju,
(ii) N. V. Ratnam. (Kiranashop)
(iii) B. Satyanarayana,
(iv) Lalmul Rameshchand,
(v) Mr. Srinivasarao and
(vi) Kameswararao (type institute).
(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No.(s) 590; 591; 589; 593; 592 and 588 dated June '79 registered before the S.R.O. Kovur

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-1-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE,
THAKKARLS BUNGLOW, GIRIPETH
NAGPUR-10**

Nagpur, the 21st December 1979

No. IAC/ACK/109/79-80.—Whereas I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M. Corp. No. 844 New situated in Direct Road, Mohannagar, Ward 37/64, Nagpur, situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 12-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Romanie Widow of Late Shri F. X. Cutinhe,
2. Smt. Cecelis wife of Shri Anthony D'Souza,
102, Sea-Site apartments, Opp. Military Road,
Juhu, Bombay.

(Transferor)

(2) 1. Shri Thomas Joseph,
2. Smt. Agnes wife of Thomas,
both resident of Direct Road,
Mohannagar, Nagpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Municipal Corporation No. 844 New situated in Direct Road, Mohannagar, Ward No. 37/64, Nagpur.

S. K. BILLAIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur
Nagpur

Dated : 21-12-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
THAKKARLS BUNGLOW, GIRIPETH
NAGPUR-10

Nagpur the 22nd December 1979

No. IAC/ACQ/107/79-80.—Whereas I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 171/1, situated at village Khanji, situated at Khanji, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Waroda on 27-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Rajaram Marotrao Pital,
2. Ramchandra Marotrao Pital,
3. Smt. Anusayabai w/o Vinayakrao Salunke,
Ghigewadi, Tah. Koregaon Dist. Satara,
4. Sau. Sarubai w/o Vishnu Lembhe of Pimpode
(Buz). Tah. Koregaon, Dist. Satara.
5. Suryabhan, 6. Shiwaji 7. Sanjay, S/o of Rajaram
Marotrao,
8. Anand Ramchandra Pital.
1, 2, 5 to 8 residents of Sardarpatel Ward,
Waroda, Tah. Waroda, Dist. Chandrapur.
(Transferor)
- (2) Niyojit Vivekanand Griha Nirman Sahakari
Saustha, Waroda, Tah. Waroda, Dist. Chandrapur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4.56 Acres Agricultural land out of Survey No. 171/1, situated at Village Khanji.

S. K. BILLAIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Nagpur

Date : 22-12-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
NAGPUR-10**

Nagpur, the 24th December 1979

No. IAC/ACQ/108/79-80.—Whereas I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Kh. No. 266/2, of Mouza Lendhra, Ward No. 72 Nagpur, situated at Nagpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 30-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Kamlakar Shripati Rao Gharpure, and his minor Son Prashant, R/o Khare Town, Dharampeth, Nagpur.
2. Dr. Balwant Shripatirao Gharpure, and his minor sons Prasad and Shriram Bombay.
3. Dilip Narayan Gharpure, Smt. Vijaya Narayan Gharpure, Ku. Pratima Narayan Gharpure, All resident of Dharampeth, Nagpur.
(Transferor)
- (2) Jeevan Jyoti Co-operative Housing Society Ltd., Nagpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Kh. No. 266/2 of Mouza Lendhra, Ward No. 72, Nagpur.

S. K. BILLAIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur
Nagpur

Date : 24-12-1979.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
THAKKAR BUNGLOW, GIRIPETH
NAGPUR-10**

Nagpur, the 26th December 1979

No. IAC/ACQ/110/79-80.—Whereas I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Copr. House No. 309 (Old) 757 New Cir. No. 6, Ward No. 13, situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 6/1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) 1. Shri Diwakar Wasudeorao Ghate, Cir. No. 6, Ward No. 26, Nawabpura, Nagpur.
(Transferor)

2. Shri Loonkaran Bhawarlal Bhutada, Cir. No. 8-13, Itwari, Nagpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 309 (old) 757 (New), Circle No. 6, Ward No. 26, Bhandar Darwaja Road, Nawabpura, Nagpur.

S. K. BILLAIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26th December 1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shanker Jha, Trustee,
K. Jha Trust.

(Transferor)

(2) 1. Atul Kumar
2. Anil Kumar

(Transferee)

(3) Above seller. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th January 1980

Ref. No. GIR No. A-80/Acq.—Whereas I, AMAR SINGH BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of premises No. 5 Lowther Road, Allahabad situated at Fatehpur, Bichuwa, Chail, Allahabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 15-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Part of premises No. 5 Lowther Road, Allahabad, and Arazi No. 96-M, Fatehpur Bichuwa, Chail, situated at C. Y. Chintamani Road, Allahabad (open plot of land measuring 490.85 Sq. metres, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and from 37G No. 2628 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 15-6-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-1-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shaker Jha, Trustee,
K. Jha Trust.

(Transferor)

(2) Shri Vishnu Sharan Singh Raghuvanshi
(Transferee)

(3) Above seller.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th January 1980

Ref. No. GIR No. V-44/Acq.—Whereas I, AMAR SINGH BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of premises No. 5 Lowther Road, Allahabad, situated at Fatehpur, Bichuwa, Chail, Allahabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Allahabad on 12-6-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Part of premises No. 5 Lowther Road, Allahabad, and Arazi No. 96-M, Fatehpur Bichuwa, Chail, situate at C. Y. Chintamani Road, Allahabad (open plot of land measuring 365 Sq. meters, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and from 37G No. 2590 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 12-6-1979).

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-1-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JAIPUR**

Jaipur, the 6th February 1980

Ref. No. Raj/AC(Acq).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 58 situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 12-6-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prem Singh s/o Shri Sardar Singh R/o Village Adbad, Distt. Nagaur.
(Transferee)

(2) Shrimati Jamna Devi Chandak w/o Shri P. C. Chandak H-19, Subash Marg C-Scheme, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 58 and is situated at Harikishan Somani Marg, Hatrio Area, Ajmer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1435 dated 12-6-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 6-2-80.

Seal :